जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

आरा, औरंगाबाद एवं दुमका से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

• रजि नं. - BIHHIN/2017/72765 • आरा • बुधवार • 14 जनवरी 2026 • वर्ष 10 • अंक 250 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

बीजेपी के नेताओं से मिला सीपीसी का प्रतिनिधिमंडल

● भड़की कांग्रेस, पूछा-चीन से कौन सा गुप्त समझौता हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को नई दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में कई नेताओं से मुलाकात की। चीन के साथ शक्सगाम घाटी पर गरमाए विवाद के बीच कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना और बीजेपी नेताओं की इस मुलाकात को लेकर अब कांग्रेस ने पीएम मोदी पर हमला बोला है। कांग्रेस ने सवाल पूछते हुए कहा कि बीजेपी-चीन में कौन सा गुप्त समझौता हुआ और पीएम मोदी चीन का लाल आंख कब दिखाएंगे। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रेनेत ने मंगलवार को सोशल मीडिया अकाउंट पर बीजेपी और सीपीसी नेताओं की मुलाकात की तस्वीर शेयर करते

हुए कहा कि बीजेपी के नेता और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं के बीच मीटिंग हो रही है। यह वही चीन है जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का साथ दिया था, गलवान में हमारे जांबाजों ने शहादत हुई। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि, चीन लद्दाख में अतिक्रमण किए बैठा है, अरुणाचल में गांव बसा रहा है और यहां बातचीत हो रही है। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि यह रिश्ता क्या कहलाता है? बीजेपी ने क्यों किया देशद्रोह? बीजेपी-चीन में कौन सा गुप्त समझौता हुआ है।

वेनेजुएला से निकले रूसी तेल टैंकर से अरेस्ट भारतीय छूटे

● अमेरिका ने भारत को दी गुड न्यूज, 3 भारतीयों को किया रिहा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला से निकले रूसी झंडे वाले तेल टैंकर जहाज पर तैनात भारतीय क्रू मेंबर्स को रिहा कर दिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। इस जहाज को पिछले हफ्ते नॉर्थ अटलांटिक में जब्त किया गया था। बाद में पता चला था कि इसमें तीन भारतीय क्रू मेंबर्स थे, जिनमें से एक हिमालच प्रदेश के रहने वाले हैं। इस जहाज का नाम मैरिनेरा था। इस टैंकर को नॉर्थ अटलांटिक के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अमेरिकी

ऑपरेशन के दौरान रोका गया था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है, कि यह जहाज शैडो फ्लीट का हिस्सा था, जो वेनेजुएला, रूस और ईरान जैसे बैन वाले देशों के लिए तेल ट्रांसपोर्ट करने में शामिल था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस टैंकर में कुल 28 क्रू मेंबर्स थे, जिनमें तीन भारतीय नागरिकों के अलावा यूक्रेनी, रूसी और जॉर्जियाई क्रू मेंबर शामिल थे। जहाज को जब्त करने के बाद अमेरिकी सेना ने सभी क्रू मेंबर्स को हिरासत में ले लिया था। पहले कहा गया था कि सभी क्रू मेंबर्स के खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा, लेकिन अब अमेरिकी अधिकारियों ने भारतीय नागरिकों को रिहा कर दिया है। इस जहाज पर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के रहने वाले 26 साल के रक्षित चौहान भी थे, जिन्हें रिहा कर दिया है।

2026 में 'कमल' से सजेगा ब्रिक्स का मंच

भारत की अध्यक्षता में समूह का और बढ़ेगा रुतबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अध्यक्षता में 2026 में ब्रिक्स का मंच कमल से सजने से जा रहा है। दरअसल विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को ब्रिक्स 2026 के लिए आधिकारिक लोगो और वेबसाइट लॉन्च की है। इस लोगो में मौजूद कमल सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। लॉन्च के बाद विदेश मंत्री ने कहा है कि भारत की अध्यक्षता के दौरान ब्रिक्स समूह के जरिए वैश्विक कल्याण को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा, खासकर ऐसे समय में जब समूह अपनी 20वीं वर्षगांठ मना रहा है। बता दें कि दुनिया की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाएं ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स समूह की अगुवाई करती हैं। इसकी स्थापना साल

2006 में हुई थी। बीते कुछ सालों में समूह का तेजी से विस्तार हुआ जहां मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया भी पूर्ण सदस्य के रूप में ब्रिक्स में शामिल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक नए लोगो की प्रेरणा कमल से ली गई है। यह भारत की गहरी सांस्कृतिक विरासत और मजबूती का प्रतीक है। लोगो की पंखुड़ियों में ब्रिक्स देशों के रंग दिखाए गए हैं, जो अलग अलग आवाजों को एक साझा मकसद के साथ जोड़ने का संदेश देते हैं। वहीं लोगो के बीच में नमस्कार का चिन्ह है, जो सम्मान और सहयोग की भावना को दर्शाता है। इसके साथ एक टैगलाइन भी रखी गई है,लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण। जयशंकर ने इस दौरान ब्रिक्स की नई वेबसाइट भी लॉन्च की।

ब्रिक्स की मजबूती से तिलमिलाया है अमेरिका

शुरुआत के बाद से ही ब्रिक्स एक अहम वैश्विक मंच के तौर पर उभरकर सामने है। फिलहाल इसमें कुल 11 सदस्य देश शामिल हैं, जो दुनिया की करीब 49.5 प्रतिशत आबादी, लगभग 40 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और करीब 26 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं भारत की 2026 की अध्यक्षता में ब्रिक्स से वैश्विक स्तर पर सहयोग और प्रभाव और बढ़ने की उम्मीद है। समूह ने समय समय पर अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को सीधी चुनौती देने की भी कोशिश की है, जिससे अमेरिका तिलमिलाया हुआ है।

घुसपैठियों की खैर नहीं, अब होगा बड़ा ऐक्शन

● एनआईए ने अवैध बांग्लादेशी मामले की जांच अपने हाथ में ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ मामले की जांच को अपने हाथ में ले लिया है, जो अब तक दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के पास थी। मंगलवार को अधिकारियों ने बताया कि एनआईए ने पिछले सप्ताह दिल्ली पुलिस से यह मामला ट्रांसफर कर लिया और जांच शुरू कर दी है। एजेंसी ने मामले में एक नया एफआईआर भी दर्ज किया है। गृह मंत्रालय के निर्देश पर यह कदम उठाया गया है, ताकि अवैध प्रवास को ऑपरेट करने वाले नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई हो सके। ये नेटवर्क राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा

कर सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के दौरान 2 एफआईआर दर्ज किए थे, जिसमें इस घुसपैठ के पीछे एक गहरी साजिश होने का दावा किया गया था। दिल्ली पुलिस की जांच में कई अहम पहलुओं पर फोकस किया गया था, जैसे भारत में अवैध तरीके से प्रवेश के रूट, जाली पहचान दस्तावेज तैयार करने वाले सिंडिकेट, घुसपैठियों को ठहरने की व्यवस्था मुहैया कराने वाले लोग और उनके लिए रोजगार दिलाने वाले एजेंट। पुलिस ने इस संगठित गिरोह की पूरी संरचना को उजागर करने और विभिन्न स्तरों पर शामिल प्रमुख ऑपरेटिव्स की पहचान करने की कोशिश की थी।

एनआईए को कई पहलुओं की करनी होगी जांच- अब एनआईए के नियंत्रण में आने के बाद जांच की गुंजाइश काफी बढ़ गई है। एजेंसी अब पूरे सिंडिकेट को ट्रेस करने, मनी ट्रेल का पीछा करने, फंडिंग चैनलों की जांच करने और अंतरराज्यीय व सीमा पार लिंक्स का पता लगाने पर जोर दे रही है। यह जांच अवैध घुसपैठ के रैकेट के पीछे छिपी व्यापक साजिश को उजागर करेगी।

लेफ्ट के गढ़ में सेंध लगाने का बन गया प्लान

● अमित शाह ने संभाली कमान, बीजेपी का मिशन केरल

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। भाजपा की पहुंच से सबसे दूर रहने वाला दक्षिण भारत का केरल राज्य अब पार्टी की भावी रणनीति का बड़ा केंद्र बन गया है। इस बार के विधानसभा चुनाव को पार्टी यहां पर बड़ी छलांग लगाने की कोशिश में है, जिसकी कमान खुद गृह मंत्री अमित शाह संभाले

हुए हैं। भाजपा ने यहां पर जो कभी नहीं बदला है, वह अब बदलेगा का नारा दिया है। हाल में हुए स्थानीय निकायों के चुनाव में राजधानी तिरुवनंतपुरम की नगर निगम व दो नगर पालिकाओं में जीत के बाद भाजपा यहां पर काफी उत्साहित है। यही वजह है कि अमित शाह ने अपने हाल के केरल दौरे में कार्यकर्ताओं में जोश को भरा और नारा दिया कि जो कभी नहीं बदला, वह अब बदलेगा।

पाकिस्तान बॉर्डर पर 8 आतंकी कैंप हैं ऐक्टिव

● आर्मी चीफ बोले-ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है

कहा-किसी भी दुस्साहस का जवाब दिया जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। भविष्य में किसी भी तरह के आतंकी या सैन्य दुस्साहस के लिए हम पूरी तरह तैयार है। भारत पूरी ताकत से जवाब देगा। जनरल द्विवेदी ने बताया कि बॉर्डर के पास 8 आतंकी कैंप अभी भी सक्रिय हैं। अगर कोई हरकत होती है तो एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर, थलसेना, वायुसेना और नौसेना के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है। ऑपरेशन सिंदूर में 100

पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। रविवार को बॉर्डर के पास ड्रोन देखे जाने के सवाल पर आर्मी चीफ बोले- वे बहुत छोटे ड्रोन हैं। ये लाइट जलाकर उड़ते हैं। बहुत अधिक ऊंचाई पर नहीं उड़ते और बहुत कम ही दिखाई दिए हैं। 10 जनवरी को लगभग 6 ड्रोन देखे गए, जबकि 11 और 12 जनवरी को 2 से 3 ड्रोन दिखाई दिए। हाल में देखे गए ड्रोन रक्षात्मक ड्रोन थे, जो देखने की कोशिश कर रहे थे।

आर्मी चीफ बोले-

1963 का पाक-चीन समझौता अवैध- आर्मी चीफ ने कहा कि भारत, पाकिस्तान और चीन के बीच 1963 के समझौते को अवैध मानता है। जिसके तहत पाकिस्तान ने शक्सगाम घाटी में अपना क्षेत्र चीन को सौंप दिया था। उन्होंने कहा कि हम वहां किसी भी गतिविधि को स्वीकार नहीं करते हैं। जहां तक चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का सवाल है। हम इसे स्वीकार नहीं करते। हम इसे दोनों देशों की अवैध कार्रवाई मानते हैं। उन्होंने कहा,जैसा कि आप जानते होंगे, ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है, और भविष्य में किसी भी दुस्साहस का दृढ़ता से जवाब दिया जाएगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि तीनों सेनाओं के तालमेल को दिखाने वाला यह अभियान सीमापार आतंकवाद के लिए भारत का सोचा-समझा और मजबूत जवाब था, जो तैयारी, सटीकता और रणनीतिक स्पष्टता दिखाता है।

कुत्ते ने काटा तो राज्य सरकार देगी मुआवजा

● सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला, राज्यों की ढिलाई पर लगाई लताड़

बोला-जो आवारा कुत्तों को लेकर चिंतित हैं, वे अपने घर ले जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों पर सख्त टिप्पणी की। अदालत ने कहा, बच्चों या बुजुर्गों को कुत्तों के काटने, चोट लगने या मौत के हर मामले में हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा दिलवाएंगे, क्योंकि उन्होंने पिछले 5 सालों में नियमों को लागू करने के लिए कुछ नहीं किया।

कोर्ट ने कहा, आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है, तो इन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते।

ये कुत्ते सड़कों पर क्यों घूमते

रहें, लोगों को काटें और डराएं। उन्हें हम ऐसे ही नहीं छोड़ सकते। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा, कुत्तों में एक खास तरह का वायरस होता है, जिसका कोई इलाज नहीं है। अब तक चार दिन की सुनवाई में इमोशन सिर्फ कुत्तों के लिए ही दिख रही है। जब कुत्ते 9 साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो उसका जिम्मेदार कौन होगा। क्या हम इसपर आंखें मूंद लें। इस मामले में अब अगली सुनवाई 20 जनवरी को दोपहर 2 बजे से होगी।

पालतू जानवर रखना चाहते हैं, तो लाइसेंस लें

जस्टिस मेहता ने कहा- अगर कोई आवारा कुत्ता किसी पर हमला कर दे तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। इस पर वकील ने कहा- स्वयंसेवी संस्थाओं के लिए जिम्मेदारी तय की जा सकती है। जस्टिस मेहता ने कहा- आवारा कुत्ता किसी के कब्जे में नहीं होना चाहिए। अगर आप पालतू जानवर रखना चाहते हैं, तो लाइसेंस लें। एडवोकेट गुरुस्वामी ने कहा-कुत्तों को मारना और नसबंदी करना दोनों ही कारगर नहीं हैं। जब हम किसी प्रजाति को विलुप्त करने की बात करते हैं, तो हम अपने साथ भी कुछ गलत कर रहे होते हैं। हम करुणा नहीं छोड़ रह सकते। कोई भी तर्क क्रूरता और पशुओं को मारने को जायज नहीं ठहराता।

अब 10 मिनट में नहीं मिलेगी डिलीवरी, लग गया ब्रेक

गिग वर्कर्स के लिए सरकार ने हटाई टाइम लिमिट वाली शर्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर के गिग वर्कर्स की हड़ताल का एक बड़ा असर हुआ है। अब आमलोगों को 10 मिनट के अंदर डिलीवरी की सुविधा नहीं मिल सकेगी। सरकार ने डिलीवरी ब्वॉज की सुरक्षा को देखते हुए इस टाइम लिमिट की शर्त हटा दी है। श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया के हस्तक्षेप के बाद क्विक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट ने अपने सभी ब्रांड से 10 मिनट में डिलीवरी का दावा हटा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट जल्द ही अपने विज्ञापनों और प्रचार सामग्री से भी 10 मिनट में डिलीवरी' का दावा हटाने जा रही है।

ब्लिंकिट के बाद बाकी अन्य कंपनियों की ओर से भी जल्द ही इस तरह का ऐलान किया जा सकता है। केंद्रीय श्रम मंत्री ने ब्लिंकिट के अलावा जेप्टो, स्विगी और जोमैटो जैसी कंपनियों के प्रतिनिधियों से भी बात की है और उन्हें भी डिलीवरी ब्वॉज की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। यह फैसला सरकार के हस्तक्षेप और डिलीवरी कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद लिया गया है।

डिलीवरी ब्वॉज पर अनावश्यक दबाव और बोझ था

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने इस मामले में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बड़ी कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं और उनसे कहा कि वे अपने ब्रांड प्रचार में तय समय सीमा वाली डिलीवरी का उल्लेख न करें। सरकार की चिंता यह है कि बहुत कम समय में डिलीवरी का वादा डिलीवरी कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव डाल सकता है और उनकी सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। बता दें कि गिग वर्कर्स के संगठन ने इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की स्थितियों, डिलीवरी के दबाव और सोशल सिक्योरिटी की कमी जैसे मुद्दे उठाए थे। सूत्रों ने बताया कि '10 मिनट डिलीवरी' का टैग हटाने का मतलब यह नहीं है कि अब डिलीवरी देर से होगी। बल्कि कंपनियां अब अपने प्रचार में निश्चित समय का वादा करने से बचेंगी, ताकि कर्मचारियों पर असुरक्षित तरीके से काम करने का दबाव न बने। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला क्विक कॉमर्स सेक्टर में एक बड़ा बदलाव दिखाता है, जहां प्रतिस्पर्धा के बावजूद अब कर्मचारी सुरक्षा और नियामक चिंताओं को अधिक महत्व दिया जा रहा है।

अब समंदर में भी नहीं बचेंगे भारत के दुश्मन

नेवी की एआईपी से लैस पनडुब्बियां बनेंगी काल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की समुद्री सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती देने वाली एक ऐतिहासिक डील होने वाली है। प्रोजेक्ट 75(आई) के तहत भारतीय नौसेना को छह अत्याधुनिक स्टील्थ पारंपरिक पनडुब्बियां मिलने जा रही हैं। इनका निर्माण जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स के साथ साझेदारी में मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में किया जाएगा। यह मेगा डील लगभग 8 बिलियन डॉलर (करीब 72,000 करोड़ रुपये) की है, जो भारतीय रक्षा इतिहास की सबसे बड़ी पनडुब्बी परियोजनाओं में से एक है। बता दें कि जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज इस वक्त भारत की यात्रा पर हैं। रक्षा सूत्रों के अनुसार, मर्ज की इस यात्रा के दौरान अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर होने की संभावना नहीं है, लेकिन अगले तीन महीनों में इसे पूरा किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरा कॉन्ट्रैक्ट मार्च 2026 तक साइन होने की उम्मीद

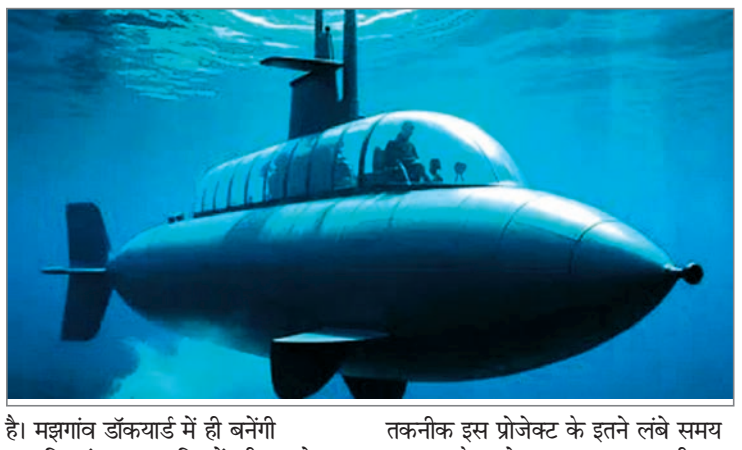

है। मझगांव डॉकयार्ड में ही बनेंगी पनडुब्बियां: इन पनडुब्बियों की सबसे बड़ी खासियत एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक है, जिसकी बदौलत ये लंबे समय तक बिना सतह पर आए समुद्र की गहराइयों में ऑपरेट कर सकेंगी। यही उन्नत तकनीक इस प्रोजेक्ट के इतने लंबे समय तक अटके रहने का मुख्य कारण रही। दरअसल, भारतीय नौसेना ऐसी पनडुब्बियां चाहती थीं जो ज्यादा स्टील्थ वाली हों, कम शोर पैदा करें और दुश्मन की नजरों से लंबे समय तक छिपी रह सकें। इतना ही नहीं, ये छह पनडुब्बियां पूरी तरह भारत में मझगांव डॉकयार्ड में ही बनेंगी, जिससे 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को मजबूत बढ़ावा मिलेगा। जर्मनी की तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की निर्माण क्षमता का यह संयोजन भारतीय नौसेना को रणनीतिक बढ़त देगा। वहीं, विशेषज्ञों का मानना है कि इन स्टील्थ पनडुब्बियों के शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री निगरानी, प्रतिरोधक क्षमता और रणनीतिक संतुलन और मजबूत होगा।

बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के बीच यह प्रोजेक्ट भारत के रक्षा तंत्र को पहले से कहीं अधिक मजबूत साबित होगा। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, पी 75(आई) के तहत आने वाली ये नई पीढ़ी की पनडुब्बियां प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ आएंगी।

हथियार बनाते हैं खतरनाक

रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी के साथ साझेदारी में बनने वाली इन पी-75(आई) पनडुब्बियों को शुरू से ही एआईपी के साथ-साथ भूमि-हमला क्रूज मिसाइलों और अन्य अगली पीढ़ी की तकनीकों को शामिल करने के लिए डिजाइन किया गया है। एआईपी वाली पनडुब्बियां सिर्फ लंबे समय तक छिपे रहने के लिए ही नहीं जानी जातीं, बल्कि इनमें लगे हथियार इन्हें और खतरनाक बनाते हैं। मुख्य हथियार टॉरपीडो होते हैं, जो आमतौर पर 533 मिमी कैलिबर के भारी वजन वाले होते हैं। इनका इस्तेमाल दुश्मन की पनडुब्बियों और बड़े सतह युद्धपोतों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

विश्व युवा दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नवादा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आलोक में विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा सुश्री शिल्पी सोनीराज के मार्गदर्शन में तथा श्री धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा द्वारा दिनांक 05.01.2026 से 12.01.2026 तक नवादा विधि महाविद्यालय, नवादा, कन्हाई इंटर विद्यालय, राजेन्द्र मेमोरियल कॉलेज, नवादा, प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय, नवादा एवं गांधी इंटर विद्यालय, नवादा में विवेकानंद जयंती के अवसर पर विश्व युवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा भारत को नशा-मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया तथा नशे से दूर रहने का प्रण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गतिविधियों जैसे मैराथन दौड़, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नवादा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आलोक में विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा सुश्री शिल्पी सोनीराज के मार्गदर्शन में तथा श्री धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा द्वारा दिनांक 13.01.2026 को कॉन्फ्रेंस हॉल, लाइब्रेरी, व्यवहार न्यायालय, नवादा में बाल विवाह मुक्त भारत योजना को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने हेतु भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे 100 दिवसीय अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से आशा कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा एवं प्रभारी सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई, नवादा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी के बी.सी.एम., जिला समन्वयक, तटवासी समाज, नवादा, रिसोर्स पर्सन, डिफेंस लॉयर, पैनल लॉयर, पारा विधिक स्वयंसेवक, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी सेविकाएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।

सरौनी मुखिया ने किया दही-चूड़ा भोज का आयोजन

कौआकोल। कौआकोल प्रखण्ड के सरौनी गांव में मकर संक्रांति से पहले पारंपरिक दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया गया। यह भोज सरौनी पंचायत के मुखिया पंकज कुमार यादव के सौजन्य से आयोजित हुआ। जिसमे सरौनी पंचायत से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। भोज में पारंपरिक व्यंजनों की विशेष व्यवस्था की गई। इसमें दही-चूड़ा के साथ सब्जी,तिलकुट भी परोसे गए। जहां सैकड़ों लोगों ने एक साथ बैठकर भोजन किया और एक-दूसरे को मकर संक्रांति की अग्रिम शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुखिया पंकज यादव ने कहा कि मकर संक्रांति आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का पर्व है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों से समाज में मेल-जोल बढ़ता है और पारंपरिक संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने आयोजन में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

नरहट से 220 लीटर शराब के साथ दो गिरफ्तार

बरामद शराब के साथ पुलिस पदाधिकारी

नरहट (नवादा)। गुप्त सूचना के आधार पर नरहट चन्देलबाग के समीप से स्थानीय नरहट थाना पुलिस ने 220 लीटर देशी शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि नरहट चन्देलबाग के समीप मैजिक वाहन से 5 बोरा में देशी शराब उतार कर उसको ठाकुर बाड़ी के रास्ते लेकर किसी के घर के पास छिपाने के लिए ले कर जाया जा रहा है। सूचना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस बल के सहयोग से शराब के साथ दो कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया गया। पांच बोरा में 5 लीटर का 44 पाउच कुल 220 लीटर शराब बरामद किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति योगेंद्र हमजा भारत गांव का एवं सोनू कुमार नरहट का रहने वाला बताया जाता है। घटना में संलिप्त एक और कारोबारी भाग निकला जिसकी पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी शराब लाकर छोटे छोटे कारोबारियों को सप्लाई करता था। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब के विरुद्ध लगातार छापेमारी जारी रहेगा। शराब धंधेबाज को किसी भी कीमत में बख्शा नहीं जाएगा।

अब हफ्ते में दो दिन सुनी जाएंगी बिजली उपभोक्ताओं की समस्याएं, 19 जनवरी से बगहा में नई व्यवस्था लागू

बगहा। बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए विद्युत आपूर्ति प्रमंडल बगहा ने नई पहल की है। 19 जनवरी से प्रमंडल अंतर्गत सभी कार्यालयों में प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को उपभोक्ताओं की शिकायतों की नियमित सुनवाई की जाएगी। यह जानकारी विद्युत आपूर्ति प्रमंडल बगहा के कार्यपालक अभियंता आलोक अमृतांशु ने दी। उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था राज्य सरकार के सात निश्चय-3 कार्यक्रम के तहत 'सबका सम्मान–जीवन आसान' (ईज ऑफ लिविंग) संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से लागू की जा रही है। इसी क्रम में ऊर्जा सचिव सह बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी आपूर्ति अंचल कार्यालयों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं।निर्देश के अनुसार प्रत्येक सोमवार को दोपहर 12:30 बजे से 2:00 बजे तक तथा शुक्रवार को अपराह्न 3:00 बजे से 4:30 बजे तक अंचल, प्रमंडल, अवर प्रमंडल और सेक्शन कार्यालयों में शिकायतों की सुनवाई होगी। इस दौरान प्रमंडल कार्यालय मेंकार्यपालक अभियंता, अवर प्रमंडल कार्यालय में सहायक अभियंता और सेक्शन कार्यालय में कनीय अभियंता की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

शहीद समीर कुमार देव की पुण्य स्मृति में मानवता की मिसाल, परिहारा में 500 जरूरतमंदों को कंबल वितरण

बेगूसराय। बखरी भीषण ठंड के बीच समाजसेवा की एक प्रेरणादायी मिसाल सामने आई, जब शहीद समीर कुमार देव की पुण्य स्मृति में परिहारा क्षेत्र में 500 जरूरतमंदों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। यह मानवीय पहल अनिल कुमार अधिवक्ता, पूर्व विशेष लोक अभियोजक (व्यवहार न्यायालय, बेगूसराय) के आवास एवं बेगूसराय के चर्चित जिला परिषद सदस्य अमित कुमार देव के परिहारा स्थित आवास पर आयोजित की गई। कंबल वितरण कार्यक्रम में वृद्धजन, महिलाएं, पुरुष, गरीब एवं निसहाय लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। कड़ाके की ठंड में कंबल पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर राहत और संतोष साफ नजर आया। इस दौरान पूरा वातावरण सेवा, संवेदना और मानवता के भाव से ओत-प्रोत रहा। कार्यक्रम में लोजपा (रामविलास) के प्रखंड अध्यक्ष पंकज पासवान, पूर्व प्रमुख तुलसी ताती सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

होटल मालिक ने रोका नाली का बहता पानी, मोहल्लेवासी परेशान

गलियों में बह रहा गन्दा पानी, नारकीय जीवन के विरुद्ध नगरवासियों ने दिया आवेदन

निज संवाददाता। रजौली

नगर पंचायत में ड्रेनेज सिस्टम नहीं होने से मोहल्लेवासियों की परेशानी दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।गोपाल नगर मोहल्ले में नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है।इस नारकीय जीवन के विरुद्ध मोहल्लेवासियों ने मंगलवार की दोपहर को नगर पंचायत कार्यालय में लिखित आवेदन देकर तत्काल समस्या से निदान करने की गुहार लगाई है। गोपाल नगर निवासी संजय कुमार बंटी,आदित्य प्रकाश आर्य,महेश कुमार समेत दर्जनों लोगों ने बताया कि बारिश के दिनों हमलोगों के नालियों का पानी घर में घुस जाता है।इसको लेकर बीते दो वर्षों से लगातार पत्राचार नगर पंचायत कार्यालय को किया जा रहा है।नगर पंचायत प्रशासन द्वारा मोहल्लेवासियों को आश्वासन दिया गया कि जल्द ही बेहतर ड्रेनेज सिस्टम स्थापित कर जलजमाव से मुक्ति दी जाएगी।वहीं सामान्य दिनों में नालियों का पानी के निकास हेतु एनएच-20 के किनारे नाला का उपयोग किया जा रहा था। किंतु विगत कुछ दिनों से बाईपास के कॉर्नर पर एक होटल मालिक अमित कुमार के द्वारा होटल संचालन के लिए एनएच के किनारे बने नालियों में मिट्टी भराई करके अतिक्रमण कर लिया गया है। इसके कारण नाली से बहता हुआ पानी अवरुद्ध हो गया है और मोहल्ले के नालियों का पानी का बहाव सड़कों और गलियों में हो रहा है। सड़कों और गलियों में बहता गन्दा पानी कई प्रकार के घातक जलजनित रोगों और दुर्गंध का कारक बन गया है। सड़कों से गुजरने वाले

गलियों में जमा नालियों का पानी

लोग तो कुछ समय के लिए नाक और मुंह आदि बंद करके पार कर जाते हैं,किंतु मोहल्ले में रहने वाले सैकड़ों लोगों का जीना मुहाल हो गया है। नगरवासियों ने कहा कि नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी कार्यालय में मौजूद नहीं थे,इसलिए लिखित आवेदन कार्यालय में जमा किए हैं। साथ ही आशा जताई कि नगर पंचायत प्रशासन इस समस्या का निराकरण प्राथमिकता से करेगी।

क्या कहते हैं पदाधिकारी :- इस संबंध में प्रभारी नगर पंचायत पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी ने बताया कि 15 जनवरी से ड्रेनेज सिस्टम के लिए काम शुरू किया जाएगा एवं जल्द ही गोपाल नगर की सड़कों पर बहते नालियों के पानी की समस्या का निदान किया जाएगा। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि अस्थाई रूप से अतिक्रमणकारी के विरुद्ध जांच कर अग्रतर कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

रजौली की शिक्षिका बनी झारखंड में सीडीपीओ, शिक्षकों एवं बच्चों में खुशी

निज संवाददाता। रजौली

प्रखंड क्षेत्र के सिरोडावर पंचायत के बलिया गांव स्थित इंटर विद्यालय की शिक्षिका स्वाती कुमारी का चयन झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा सीडीपीओ में होने पर छात्र-छात्राओं समेत शिक्षकों में खुशी का माहौल है।स्वाती कुमारी का चयन शिक्षिका पद पर फरवरी 2024 में बिहार लोक सेवा आयोग के टीआरई-2 के तहत हुआ था।शिक्षक नेता सह मध्य विद्यालय बलिया के शिक्षक अजीत कुमार ने बताया कि विज्ञान की शिक्षिका स्वाती कुमारी ने दो वर्षों तक विद्यालय में शिक्षण कार्य की हैं।अब झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सीडीपीओ की परीक्षा में 22वां रैंक प्राप्त हुआ है,जो शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ-साथ छात्र-छात्राओं के लिए गौरव का विषय है।शिक्षिका स्वाती कुमारी विद्यालय परिवार के लिए प्रेरणा की स्त्रोत बन गई हैं,जिनका सीडीपीओ पद का निर्वहन करने में काफी सहायक होगा।वहीं इंटर विद्यालय बलिया के प्रधानाध्यापक सतीश

शिक्षिका स्वाती कुमारी का फाइल फोटो

कुमार ने हर्ष जताते हुए बताया कि सहायक शिक्षिका स्वाती कुमारी के सीडीपीओ पद पर चयन होने से शिक्षक रंजीत कुमार,रीना रंजन,सन्नी कुमार,सुधीर दास,ज्योत्सना समेत अन्य लोगों ने बधाई व शुभकामना दी।शिक्षिका द्वारा विद्यालय में छात्र-छात्राओं को भी शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाने का हमेशा प्रयास किया जाता रहा है।

मकर संक्रांति को तिलकुट मसक्का खरीदारों की लगी रही भीड़

तिलकुट मसक्का खरीदते लोग

निज संवाददाता। नरहट (नवादा)

मकर संक्रांति पर्व के पूर्व 13 जनवरी को शेखपुरा, नरहट बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही बाजार की मुख्य सड़कों पर पैदल चलना मुश्किल हो गया। तिलकुट, चूड़ा, गुड़, दही, सब्जी की खरीदारी के लिए दुकानों पर ग्राहकों की लंबी कतारें लगी रहीं। पर्व की तैयारियों को लेकर ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में लोग बाजार पहुंचे। बढ़ती भीड़ के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही धीमी पड़ गई, कई जगहों पर तो जाम की स्थिति बन गई। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, मकर संक्रांति से एक दिन पहले बिक्री में खासा उछाल आया है और देर शाम तक बाजार में चहल-पहल बनी रहने की संभावना है। भीड़ को देखते हुए दुकानदारों ने अतिरिक्त इंतजाम किए और अलग से चौकी निकाल कर दुकान लगा रखे थे। त्योहार के मद्देनजर भीड़ को देख आम लोगों ने प्रशासन से यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने की मांग की है। मकर संक्रांति के मद्देनज़र नरहट बाजार में उत्सव का माहौल साफ तौर पर नजर आया।

नगर विकास योजनाओं की हुई समीक्षा, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य के निर्देश

निज संवाददाता। नवादा

नवादा समाहरणालय सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में नगर विकास एवं आवास विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बुडको के परियोजना निदेशक श्री अभिषेक कुमार ने अवगत कराया कि मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के अंतर्गत नगर क्षेत्र में स्वीकृत चार महत्त्वपूर्ण परियोजनाएँ—अम्बेडकर पार्क का विकास, जेपी चौक का विकास, पटेल चौक का विकास तथा भगत सिंह चौक का नवीनीकरण—पूर्ण रूप से संपन्न कर ली गई हैं। बस पौधारोपण कराया जाना शेष है । इन चारों परियोजनाओं पर कुल 68,06,997 की स्वीकृत राशि व्यय कर कार्य पूर्ण किया गया है, जिससे इन स्थलों की सुंदरता, संरचना एवं उपयोगिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

नगर परिषद नवादा अंतर्गत सिविल कोर्ट के पीछे से प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय होते हुए गोवर्धन मंदिर तक तथा हरिश्चंद्र स्टेडियम से प्रसाद विगहा तक सड़क निर्माण कार्य एजेंसी द्वारा कराया जा रहा है। इस पर जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद नवादा को संबंधित एजेंसी द्वारा 24 जनवरी 2026 से पूर्व कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। मंगर विगहा पुल के पार से बुधौल होते हुए एनएच-20 तक

नाला निर्माण कार्य प्रगति पर है।इसके अतिरिक्त योजना के अंतर्गत आठ अन्य प्रमुख परियोजनाएँ वर्तमान में निर्माणाधीन हैं, जिनमें तालाब एवं पार्क का नवीनीकरण, महादेव मोड़ से सिरोडाबर गाँव तक सड़क निर्माण, मेन रोड से चाँदनी चौक-मस्जिद-बाईपास तक आरसीसी नाला निर्माण जैसी आधारभूत संरचना से संबंधित परियोजनाएँ शामिल हैं। साथ ही, हरिश्चंद्र तालाब से सुमंगलम होटल होते हुए बरहईन पैन तक आरसीसी नाला निर्माण तथा गोवर्धन मंदिर से यादव चौक-वीआईपी कॉलोनी-गोनावा आहर तक नाला निर्माण हेतु टेंडर प्रक्रियाधीन है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत इन कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा। इनसे शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जल-जमाव की समस्या से राहत मिलेगी।

कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद वारिसलीगंज ने बताया कि वारिसलीगंज नगर परिषद अंतर्गत थाना चौक से रेलवे गुमटी तक सड़क के दोनों ओर आरसीसी नाला निर्माण एवं सड़क विभाजक तथा ईंट की परत बिछाने का कार्य प्रगति पर है। समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी कार्यों को शीघ्रता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने सभी कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वर्ष 2024-25 की योजनाओं के लिए चयनित एजेंसियों द्वारा कार्य नहीं किए जाने की स्थिति में संबंधित एजेंसियों को काली सूची में डालने के साथ प्राथमिकी की कारवाई करें।

इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद नवादा, हिसुआ एवं वारिसलीगंज तथा नगर पंचायत रजौली को निर्देश दिया कि वे नियमित रूप से कार्य-स्थलों का भ्रमण कर निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग करें तथा प्रतिवेदन तैयार कर मुख्यालय को समर्पित करें।इसी क्रम में नगर परिषद हिसुआ, नगर परिषद वारिसलीगंज तथा नगर पंचायत रजौली के अंतर्गत संचालित विकास योजनाओं की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी कार्यों की प्रगति तेज करें, अधूरे कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करें । इस अवसर पर उप विकास आयुक्त नवादा, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद नवादा/हिसुआ/वारिसलीगंज, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत रजौली सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

विश्व युवा दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता। नवादा

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आलोक में विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा सुश्री शिल्पी सोनीराज के मार्गदर्शन में तथा श्री धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा द्वारा दिनांक 05.01.2026 से 12.01.2026 तक नवादा विधि महाविद्यालय, नवादा, कन्हाई इंटर विद्यालय, राजेन्द्र मेमोरियल कॉलेज, नवादा, प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय, नवादा एवं गांधी इंटर विद्यालय, नवादा में विवेकानंद जयंती के अवसर पर विश्व युवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा भारत को नशा-मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया तथा नशे से दूर रहने का प्रण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गतिविधियों जैसे मैराथन दौड़, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

डीएम ने की लोक शिकायत द्वितीय अपील की सुनवाई, 6 मामलों का ऑन-स्पॉट निवारण

निज संवाददाता। नवादा

नवादा जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत द्वितीय अपील की सुनवाई की। आज द्वितीय अपील के अंतर्गत कुल 07 परिवादी उपस्थित हुए, जिनमें से 06 मामलों का ऑन-स्पॉट निवारण कर दिया गया।

प्रस्तुत द्वितीय अपीलवाद में दीपक कुमार, थाना-नरहट, पो0-राजा विगहा, ग्राम-अबगिल द्वारा रास्ते में चापाकल के संबंध में; सुधीर सिंह, थाना-नारदीगंज, पो0-नारदीगंज, ग्राम-हड़िया द्वारा घर एवं दुकान पर बलपूर्वक अवैध कब्जा किए जाने के संबंध में; टिंकु कुमार, अंचल एवं पो0-नवादा, ग्राम-सिसवां द्वारा डिमांड अलग करने के संबंध में; जितेन्द्र कुमार, अंचल एवं पो0-पकरीबरवां, ग्राम-खपुरा द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराने के संबंध में; अंचल-नवादा, पो0-कादिरगंज, ग्राम-असाढ़ी की सावित्री देवी द्वारा दाखिल-खारिज का नकल निकालने के संबंध में तथा अंचल-नवादा, पो0-असाढ़ी, ग्राम-झुनाठी के विनोद यादव द्वारा निजी जमीन से बिजली खंभा हटाने के संबंध में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत ऑनलाइन द्वितीय अपील दायर की गई थी।

उक्त मामलों में संबंधित पदाधिकारियों द्वारा जाँच प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया, जिसके आधार पर आज शिकायतों का निपटारा कर दिया गया। बिहार लोक शिकायत निवारण अधिनियम, 2015 के तहत किसी भी मामले की दो माह के अंदर सुनवाई कर निवारण किया जाता है। प्रखंडों में पंचायतों से संबंधित विवादों एवं समस्याओं के समाधान हेतु अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय, नवादा सदर एवं रजौली में कोई भी व्यक्ति अपील दायर कर सकता है। वहीं जिला स्तरीय समस्याओं एवं परिवादों के निवारण के लिए जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, नवादा का कार्यालय समाहरणालय के मुख्य प्रवेश द्वार के दाहिनी ओर लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम भवन में संचालित है।विवादों की सुनवाई एवं निवारण के क्रम में दोनों पक्षों को बुलाकर कार्रवाई की जाती है। इसके लिए किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। शिकायत दर्ज करने, निवारण एवं अपील की संपूर्ण व्यवस्था निःशुल्क है। अब शिकायत एवं अपील ऑनलाइन माध्यम से भी दर्ज की जा सकती है।

रजौली में अभ्रक खनन को लेकर कांग्रेस की त्रिपक्षीय बैठक, प्रदेश अध्यक्ष ने प्रमुख नेताओं से की वार्ता

निज संवाददाता। रजौली

प्रखंड क्षेत्र के बांके मोड़ स्थित अर्चना वाटिका में मंगलवार को राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) द्वारा अभ्रक खनन को लेकर त्रिपक्षीय बैठक की गई।इस दौरान इंटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह व नवादा जिलाध्यक्ष मनीष कुमार,कांग्रेस के नवादा जिलाध्यक्ष सतीश कुमार उर्फ मंटन सिंह,रजौली प्रखंड अध्यक्ष रामरतन गिरी एवं उपाध्यक्ष मोहन चौधरी भी मौजूद रहे।बैठक में घंटों तक सवैयाटांड़ पंचायत से आए दर्जनों लोगों ने इंटक के प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष अपनी आजीविका से संबंधित परेशानियों को व्यक्त किए।

सवैयाटांड़ में खनन बंद होने से बढ़ी बेरोजगारी :- मुख्यालय से सुदूरवर्ती पंचायत सवैयाटांड़ में दर्जनों अभ्रक के खदान बंद होने से ग्रामीणों में भुखमरी हो रही है।अवैध खनन के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई में कई केस दर्ज है और गाड़ियां भी जब्त की गई है।पंचायत के अधिकांश लोग खनन बंद होने के बाद बेरोजगार हो गए हैं।

लोगों को मिले सरकारी योजनाओं का लाभ

आधारभूत सुविधाओं से भी वंचित हैं लोग :- प्रखंड मुख्यालय से धमनी व बुढ़ियासाख गांव के रास्ते सवैयाटांड़ के लोगों की दूरी लगभग 22 किलोलीटर है।किंतु वन विभाग के अंतर्गत लगभग 4 किलोमीटर लंबे रास्ते खराब होने से लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है।इन रास्तों का निर्माण व मरम्मती का कार्य वन विभाग द्वारा ही किया जाता रहा है।वहीं पंचायत में स्वास्थ्य सेवा बिल्कुल नदारद है।वहीं विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है।बिजली की आपूर्ति निरंतर नहीं होती है।

लोगों में रोजगार की कमी :- मनरेगा के तहत पंचायत के बहुत ही कम लोगों को जॉब कार्ड बनाया गया है,जिससे उनकी आर्थिक स्थिति दिन-प्रतिदिन बदतर होते जा रही है।बैठक में वरीय पदाधिकारियों से बातचीत कर रोजगार सृजन करने का आश्वासन दिया गया।

बैठक में शामिल प्रदेश अध्यक्ष एवं ग्रामीण

कागजातों के लिए रजौली पर है निर्भरता :- पूर्व मुखिया मो. इसराइल ने बताया कि पंचायत के अधिकांश लोगों का कामकाज,व्यवसाय,स्वास्थ्य सुविधा,शादी-विवाह,अंतिम संस्कार आदि झारखंड क्षेत्र में होता है।उन्हें रजौली सिर्फ जाति,आवासीय,आय आदि कागजातों के लिए आवागमन करना पड़ता है।

अंतिम पंक्ति तक खड़े लोगों को मिले लाभ :- इंटक के प्रदेश अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह ने बैठक के दौरान ग्रामीणों से मिले जानकारी के बाद कहा कि वन विभाग को सड़क की गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य करना चाहिए,ताकि लोगों का आवागमन सुलभ हो सके।अभ्रक खदान बंद होने के बाद बेरोजगार हुए लोगों के लिए सरकार उचित व्यवस्था करे।उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा उपजाए जाने वाले फसलों को नीलगाय और जंगली सुअरों द्वारा बर्बाद होने से बचाने के लिए पहल करनी चाहिए।उन्होंने कहा कि संगठन पंचायत के लोगों के प्रति संवेदनशील है।उन्होंने बैठक की सफलता को लेकर लगातार निरीक्षण करने की बात कही है,ताकि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।इस दौरान कांग्रेस जिला महामंत्री कुंदन कुमार व मो. रियाजउद्दीन,जिला महासचिव मनौअर अंसारी,अहमद अली,दिलीप राजवंशी,राजेंद्र पांडेय,मो. फहीम,असगर अली,राजेश कुमार समेत सवैयाटांड़ पंचायत के दर्जनों लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मुखिया पति का हृदयाघात से निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

मसौढ़ी। धनरूआ पंचायत के धनरूआ गांव निवासी पूर्व मुखिया के पति पप्पू चंद्रवंशी का सोमवार देर रात हृदयाघात से निधन हो गया। बताया जाता है कि सोमवार की रात अचानक उनके सीने में तेज दर्द हुआ, जिसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए पटना ले जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पप्पू चंद्रवंशी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। शोक व्यक्त करने के लिए पड़ोसियों, रिश्तेदारों और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की उनके आवास पर भीड़ उमड़ पड़ी। मंगलवार की सुबह उनका अंतिम संस्कार फतुहा श्मशान घाट में किया गया। उनके निधन से पूरे प्रखंड क्षेत्र में शोक का माहौल है। घटना पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और सामाजिक संगठनों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। चंद्रवंशी महासभा के अध्यक्ष अरविंद कुमार चंद्रवंशी, धनी यादव, उपेंद्र मुखिया, रंजन मुखिया, शेरा चंद्रवंशी सहित अन्य लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना जताई।

बुद्ध पूर्णिमा ट्रेन की चेन पुलिंग कर शराब की तस्करी करने वाले तस्कर गिरफ्तार

मसौढ़ी! पटना गया रेलखंड पर बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस में ट्रेन की चेन पुलिंग कर शराब की तस्करी करने वाले शराब तस्कर को मध्य निषेध की टीम ने गिरफ्तार किया है. मध्य निषेध अधीक्षक संजय चौधरी ने बताया कि मंगलवार की अहले तारेगना व नदौल स्टेशन के बीच तिनेरी हॉल्ट के पास ट्रेन की चैन पुलिंग कर तीन शराब तस्करों को शराब की खेप उतारते हुए पाया गया.पूर्व में गुप्त सूचना पर पहुंची मध्य निषेध की टीम ने शराब तस्करों को पकड़ने की कोशिश करने पर दो शराब तस्कर भाग खड़ा हुए, और एक शराब तस्कर पकड़ा गया, जिसके पास से 23.520लीटर विदेशी शराब बरामद की गई. पकड़े गए शराब तस्कर कादिरगंज थाना क्षेत्र हसनपुरा गांव नंदकिशोर प्रसाद के पुत्र जय प्रकाश कुमार है।जिसने पूछताछ में अपनी संलिप्तता स्वीकार की. जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिषद, महाविद्यालयीन छात्र कार्य इकाई, मोतिहारी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। संगोष्ठी का विषय वैश्वीकरण के युग में स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रासंगिकता रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की।उन्होंने आभासी माध्यम से संबोधित करते हुए स्वामी विवेकानंद के विचारों को आज के युवाओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. प्रशून दत्त सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा स्वामी विवेकानंद की संघर्षपूर्ण जीवन-यात्रा और भारत की छवि को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

♦ संगोष्ठी का विषय वैश्वीकरण के युग में स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रासंगिकता रहा

31 जनवरी तक डीएल-आरसी के सभी लंबित मामले होंगे शून्य

निज संवाददाता। पटना

राज्य में परिवहन विभाग से जुड़ी सेवाओं को सुचारू, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। इसी कड़ी में राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारियों के साथ व्यापक समीक्षा बैठक की। बैठक में ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र, परमिट, हिट एंड रन एवं नॉन हिट एंड रन मुआवजा मामलों के साथ-साथ मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल और बस स्टॉप की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान परिवहन आयुक्त ने साफ शब्दों में कहा कि परिवहन विभाग आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन से सीधे जुड़ा हुआ है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी जिलों को निर्देश दिया कि 31 जनवरी 2026 तक ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीकरण से जुड़े सभी लंबित मामलों का निपटारा कर उन्हें शून्य किया जाए। विशेष रूप से छह महीने और एक वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता देते हुए त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया। समीक्षा में यह भी सामने आया कि कई जिलों में वाहन पंजीकरण से जुड़े आवेदन डीलर और एजेंसियों के स्तर पर अटके हुए हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए परिवहन आयुक्त ने कहा कि संबंधित डीलरों और शोरूम संचालकों के साथ तत्काल बैठक कर मामलों का समाधान कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा के भीतर लंबित प्रकरणों का निष्पादन नहीं होने पर संबंधित डीलर का लॉगिन आईडी रद्द कर दी जाएगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि बिना पंजीकरण वाले वाहनों का सड़कों पर चलना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

सड़क सुरक्षा को लेकर भी बैठक में कड़े निर्देश दिए गए। परिवहन आयुक्त ने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट को लेकर राज्य सरकार की नीति बेहद सख्त है और इसमें कोई ढील नहीं दी जा सकती।

सभी जिलों में प्रतिदिन जांच अभियान चलाकर नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट केवल कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं के समय जीवन रक्षक साबित होते हैं। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सड़क संरक्षा उपायों पर भी विशेष जोर दिया गया।

परिवहन आयुक्त ने निर्देश दिया कि राज्य के सभी जिलों में तीखे मोड़, ब्लाइंड स्पॉट, कर्व और टी-प्वाइंट जैसे संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां शीघ्र मिरर और साइनेज लगाए जाएं। प्रमुख सड़कों और हाईवे पर रिफ्लेक्टिव टेप, चेतावनी संकेतक और आवश्यक सुधार कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को कहा गया। बैठक के अंत में परिवहन आयुक्त ने स्पष्ट किया कि विभाग की छवि उसके कामकाज से बनती है। लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा, सड़क सुरक्षा को मजबूत करना और नियमों का सख्त अनुपालन—यही विभाग की शीर्ष प्राथमिकता है। आने वाले दिनों में इन निर्देशों की जमीनी स्तर पर निगरानी की जाएगी और लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों पर कार्रवाई तय है।

मकर संक्रांति पर मसौढ़ी बाजार में उमड़ी भीड़, खोया–गुड़ से बने तिलकुट की बढ़ी मांग

निज संवाददाता। मसौढ़ी

मकर संक्रांति पर्व को लेकर मंगलवार की सुबह से ही मसौढ़ी बाजार में खासा उत्साह और चहल-पहल देखने को मिली। सुबह करीब आठ बजे से ही ग्रामीण इलाकों से लोग बाजार पहुंचने लगे, जिससे पूरा बाजार मेले जैसा नजर आया। पूजा-पाठ और पर्व से जुड़ी खरीदारी के लिए बाजार में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने तिल, गुड़, खिचड़ी के लिए दाल-चावल, दान-पुण्य के लिए वस्त्र और बर्तन, फल, मिठाइयां तथा रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुएं खरीदीं। खास तौर पर तिलकुट, गुड़ की रेवड़ी, चूड़ा, दही और सब्जियों की दुकानों पर ग्राहकों की लंबी कतारें लगी रहीं। पर्व को देखते हुए दुकानदारों ने भी अपने प्रतिष्ठानों को सजा रखा था और अतिरिक्त सामग्री का इंतजाम किया था। बाजार में महिलाओं की भी खासी मौजूदगी रही, जो पूजन सामग्री की खरीदारी में जुटी रहीं। वहीं युवाओं और बच्चों की चहल-पहल से माहौल पूरी तरह उत्सवमय बन गया। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा और यातायात व सुरक्षा व्यवस्था संभालता नजर आया। दुकानदारों ने बताया कि मसौढ़ी का तिलकुट अपनी शुद्धता, स्वाद और पारंपरिक बनाने की विधि के कारण दूर-दराज के इलाकों में भी खास पहचान रखता है। वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार तैयार किया गया तिलकुट न सिर्फ स्थानीय लोगों को बल्कि बाहर से आने वाले ग्राहकों को भी खूब पसंद आ रहा है। कई लोग इसे उपहार के रूप में भी खरीद रहे हैं। खासतौर पर खोया और गुड़ से बने तिलकुट की मांग सबसे ज्यादा देखी गई। लोगों का कहना है कि मसौढ़ी का तिलकुट स्वाद में अलग है और इसकी मिठास मकर संक्रांति की खुशी को और बढ़ा देती है। तिलकुट की खुशबू और मिठास से पूरा बाजार सराबोर नजर आया, जिससे व्यापारियों के चेहरे भी खिले रहे।

14 वर्षीय नाबालिग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, कारणों की जांच में जुटी पुलिस

निज संवाददाता। बिहटा

थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर स्थित एक किराए के मकान में मंगलवार को एक नाबालिग लड़की ने आत्महत्या कर ली। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान 14 वर्षीय सृष्टि कुमारी के रूप में हुई है, जो अपनी मां और भाई-बहनों के साथ यहां रहती थी।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब नौ बजे जब सृष्टि की मां ने कमरे का दरवाजा खोला तो बेटी को फंदे से लटका हुआ पाया। घबराकर उन्होंने तुरंत उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बिहटा थाना पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, जिसने कमरे और आसपास के साक्ष्यों की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी कर रही है।

बताया गया कि मृतका का परिवार मूल रूप से भोजपुर जिले का रहने वाला है और करीब डेढ़ महीने पहले ही बिहटा में किराए के मकान में आकर रह रहा था। घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं, हालांकि आत्महत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। इस संबंध में थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि फिलहाल एफएसएल की टीम जांच कर रही है। अभी तक परिजनों की ओर से कोई लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने और जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

फतुहा में नशा तस्करी पर बड़ा प्रहार: 10 किलो गांजा के साथ दो अंतरजिला तस्कर गिरफ्तार

निज संवाददाता। फतुहा, पटना

फतुहा थाना क्षेत्र में नशा कारोबार के खिलाफ पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई सटीक कार्रवाई में पुलिस ने दो अंतरजिला गांजा तस्करों को भारी मात्रा में मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से इलाके में सक्रिय नशा तस्करी के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। मंगलवार को फतुहा थाना परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसडीपीओ-1 अवधेश कुमार ने मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि दो तस्कर भारी मात्रा में गांजा लेकर क्षेत्र से गुजरने वाले हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरीय अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया, जिसमें एक दंडाधिकारी को भी शामिल किया गया।

छापेमारी टीम ने फतुहा फोरलेन के पास ग्राम भिखुआ जाने वाली सड़क पर जाल बिछाया। इसी दौरान दो संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से कुल 10 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने गांजा के साथ-साथ तीन मोबाइल फोन—दो स्मार्टफोन और एक कीपैड फोन—और 5900 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। गिरफ्तार तस्करों की पहचान अथमलगोला थाना क्षेत्र के बुढरा निवासी मिथिलेश कुमार (28) और नदी थाना क्षेत्र के जेठुली निवासी अजीत कुमार (25) के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने लंबे समय से गांजा तस्करी से जुड़े होने की बात स्वीकार की है। एसडीपीओ ने बताया कि इस संबंध में फतुहा थाना कांड संख्या 20/26 दर्ज कर एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है। इस पूरे अभियान में थानाध्यक्ष सदानंद साह, अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार, पीएसआई शुभम कुमार, पीएसआई विजय कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बसंत पंचमी को लेकर मां सरस्वती की मूर्तियां बनाने में जुटे कारीगर

निज संवाददाता। मसौढ़ी

आगामी 23 जनवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर होने वाली मां सरस्वती की पूजा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों के साथ-साथ शिक्षण संस्थानों में पूजा को लेकर उत्साह है, वहीं मूर्तिकार भी मां सरस्वती की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। कोई मूर्ति का ढांचा तैयार कर रहा है तो कोई मिट्टी से आकृति को सजीव रूप देने में लगा है। इस पर्व की तैयारी महीनों पहले से शुरू हो जाती है, क्योंकि बसंत पंचमी के समय सरस्वती प्रतिमाओं की मांग काफी बढ़ जाती है। इसी वजह से कलाकार पहले से ही बड़ी संख्या में मूर्तियां बनाना शुरू कर देते हैं, ताकि पूजा के समय किसी को निराश न होना पड़े। पटना-गया एसएच-01 मुख्य मार्ग स्थित बरनी गांव में वर्षों से कुम्हार परिवार मूर्ति निर्माण के कार्य में लगे हुए हैं। इन दिनों यहां बड़ी संख्या में मां सरस्वती की प्रतिमाएं बनती नजर आ रही हैं। मूर्तिकार संतोष पंडित ने बताया कि यह कला उन्हें अपने पिता से विरासत में मिली है। पहले उनके पिता यह काम करते थे और अब वही परंपरा वे आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे केवल मां सरस्वती की ही नहीं, बल्कि गणेश, विश्वकर्मा, लक्ष्मी सहित अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां भी बनाते हैं। इसी काम से उनके परिवार का भरण-पोषण होता है। संतोष पंडित ने बताया कि इस वर्ष मिट्टी, रंग, बांस और अन्य सामग्री की कीमतों में वृद्धि के कारण मूर्तियों के दाम भी बढ़ गए हैं। इस बार मूर्तियों की कीमत एक हजार से लेकर पांच हजार रुपये तक रखी गई है। यहां से अनुमंडल के विभिन्न गांवों में लोग मूर्तियां ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल कला नहीं, बल्कि उनके परिवार की आजीविका का मुख्य साधन भी है। मूर्तिकारों ने बताया कि इस वर्ष नए-नए डिजाइन की मूर्तियां तैयार की जा रही हैं। मां सरस्वती को हंस, कमल, वीणा, पुस्तक, शंख और चक्र के साथ विभिन्न आकर्षक मुद्राओं में दिखाया गया है, जिससे प्रतिमाएं और भी भव्य लग रही हैं।

पिछले कुछ वर्षों से नटराज शैली की मूर्तियों की मांग खास तौर पर बढ़ी है। इन मूर्तियों की फिनिशिंग बेहतर होती है और केवल मिट्टी पर की गई पेंटिंग से ही वे बेहद आकर्षक दिखती हैं। कारीगरों के अनुसार, मूर्तियों की बुकिंग एक महीने पहले ही शुरू हो चुकी थी और इस साल पिछले वर्ष की तुलना में मांग अधिक है। इससे कारीगरों के चेहरों पर भी संतोष झलक रहा है और वे पूरी लगन के साथ बसंत पंचमी की तैयारियों में जुटे हैं।

गोपालगंज में निगरानी का शिकंजा, 6500 रुपये घूस लेते राजस्व अधिकारी गिरफ्तार

निज संवाददाता। गोपालगंज

♦ दाखिल-खारिज के बदले मांगी थी रिश्वत, बरौली प्रखंड कार्यालय में रंगे हाथ पकड़ाया अधिकारी

बिहार के विभिन्न जिलों में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। इसी क्रम में गोपालगंज जिले के बरौली प्रखंड कार्यालय में कार्यरत एक राजस्व अधिकारी को निगरानी विभाग की टीम ने 6500 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अधिकारी की पहचान विजय कुमार सिंह के रूप में हुई है। निगरानी विभाग की इस कार्रवाई के बाद पूरे जिले में हड़कंप मच गया है। गिरफ्तार राजस्व अधिकारी को निगरानी की टीम अपने साथ पटना ले गई है, जहां उससे पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले के संबंध में बताया गया कि बरौली प्रखंड के बघेजी गांव निवासी शैलेंद्र शाह अपनी जमीन के दाखिल-खारिज के लिए लगातार प्रखंड कार्यालय के चक्कर काट रहे थे। आरोप है कि राजस्व अधिकारी विजय कुमार सिंह ने दाखिल-खारिज के बदले 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। परिवादी शैलेंद्र शाह इतनी राशि देने में असमर्थ थे, इसके बावजूद अधिकारी द्वारा बार-बार पैसों की मांग की जा रही थी। निगरानी विभाग के पुलिस उपाधीक्षक नरेंद्र कुमार ने बताया कि यह मामला करीब 9 डिसमिल जमीन के दाखिल-खारिज से जुड़ा था। कई बार बातचीत के बाद राजस्व अधिकारी ने रिश्वत की रकम घटाकर 6500 रुपये कर दी।

रिश्वत देने में असमर्थ शैलेंद्र शाह ने पटना स्थित निगरानी थाना में इसकी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पूरे मामले का सत्यापन कराया गया, जिसमें रिश्वत मांगने की बात सही पाई गई। इसके बाद डीएसपी नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में धावा दल टीम का गठन किया गया। तय योजना के तहत बरौली प्रखंड कार्यालय में छापेमारी कर राजस्व अधिकारी विजय कुमार सिंह को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया।निगरानी विभाग ने स्पष्ट किया है कि सरकारी काम के बदले रिश्वत मांगने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एक अहम कदम माना जा रहा है।

मकर संक्रांति पर दिनभर जाम से जूझता रहा मसौढ़ी

निज संवाददाता। मसौढ़ी

मकर संक्रांति पर एक बार फिर मसौढ़ी बाजार में दिनभर जाम की स्थिति रही।स्टेशन रोड से रेलवे गुमटी डंकांगबला रोड समेत निर्माणाधीन ओवरब्रिज और रेलवे गुमटी पर वाहनों का जमघट लगा और मिनटों का सफर घंटों में तब्दील हो गया। इस दौरान वाहन चालक खीझते रहे,जाम से निपटने के लिए तैनात पुलिसकर्मी पूरे दिन वाहनों को कतारबद्ध कर आगे की ओर सरकने का रास्ता बनाते रहे।सोन वर्षा वाणी के संवाददाता को जाम के बिंदुओं पर नजर डाली तो चिंताजनक हालात नजर आए।मकर संक्रांति की खरीदारी के कारण भीषण यातायात जाम देखा गया।सुबह से ही लगे इस जाम से स्थानीय बाजारों और मुख्य मार्गों पर आवाजाही बाधित हुई, जिससे आपातकालीन सेवाओं पर भी असर पड़ा।मकर संक्रांति के मद्देनजर खरीदारी में अचानक हुई वृद्धि के कारण मसौढ़ी बाजार में सुबह से ही भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गाड़ियाँ धीमी गति से चल रही थीं और कई स्थानों पर यातायात लगभग ठप हो गया।जाम का नजारा एसा था कि फंसे लोगों को निकलना मुश्किल हो रहा था।दरअसल मकर संक्रांति पर तिलकुट, चुड़ा गुड़ की खरीदारी के लिए ग्रामीण क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में बाजार पहुंचे थे।जैसे जैसे भीड़ बढ़ती गई, जाम और भी गहराता चला गया।

उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने पर मंथन, पटना में केंद्रीय मंत्रालय की एक दिवसीय कार्यशाला

उपभोक्ता को लाभार्थी नहीं, अधिकारों वाला ग्राहक मानने का वक्त : मुख्य सचिव

निज संवाददाता। पटना

उपभोक्ता अधिकारों के प्रभावी संरक्षण और पूर्वी राज्यों में उपभोक्ता संरक्षण तंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत उपभोक्ता कार्य विभाग द्वारा पटना में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। पूर्वी राज्यों में उपभोक्ता संरक्षण विषय पर आधारित यह कार्यशाला होटल ताज सिटी सेंटर, पटना में आयोजित हुई। कार्यशाला का उद्देश्य उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, शिकायत निवारण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने तथा केंद्र व राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, भारत सरकार के उपभोक्ता कार्य विभाग की सचिव निधि खरे, अपर सचिव अनुपम मिश्रा तथा बिहार सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने संबोधित किया।

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी योजनाएं और नीतियां उपभोक्ता की सुविधा और अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि अब तक सरकारी व्यवस्था आम आदमी को केवल एक लाभार्थी के रूप में देखती रही है, जिसके लिए योजना बनाई जाती है, राशि जारी होती है और उद्घाटन कर दिया जाता है। यह मॉडल आवश्यक है, लेकिन अब यह अधूरा साबित हो रहा है। मुख्य सचिव ने कहा कि जब कोई व्यक्ति कोई वस्तु या सेवा खरीदता है तो उसकी अपेक्षाएं बेहद सरल होती हैं—उत्पाद सही चले, सुरक्षित हो और किफायती हो। यदि कोई समस्या आए तो उसका त्वरित समाधान मिले। उन्होंने ई-जागृति प्रणाली का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से 45 करोड़ रुपये का रिफंड उपभोक्ताओं को मिलना इस बात का प्रमाण है कि अगर प्रणाली उपभोक्ता केंद्रित हो, तो परिणाम भी सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी ऐप या डिजिटल प्लेटफॉर्म को डिजाइन करते समय आम आदमी को केंद्र में रखना बेहद जरूरी है और यही सोच आज की इस कार्यशाला को खास बनाती है। भारत सरकार की उपभोक्ता कार्य विभाग की सचिव निधि खरे ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण केवल एक विभाग की नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि उपभोक्ता को उसका अधिकार मिले और शिकायतों का समाधान प्रभावी तरीके से हो। उन्होंने बताया कि ई-जागृति मॉडल के आधार पर ही राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन 1915 की स्थापना की गई है। इसके साथ ही आईआईटी कानपुर के सहयोग से एनसीएच 2.0 के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित टूल्स का उपयोग किया जा रहा है, जिससे शिकायतों के निपटारे में तेजी आई है। निधि खरे ने बताया कि मई 2025 से दिसंबर 2025 के बीच मात्र आठ महीनों में उपभोक्ताओं को 45 करोड़ रुपये का रिफंड दिलाया गया है। यह उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा और प्रभावी उपभोक्ता शासन की दिशा में एक बड़ी सफलता है। कार्यशाला में पूर्वी राज्यों के अधिकारी, उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े प्रतिनिधि और विशेषज्ञ मौजूद रहे। कार्यक्रम के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि अब उपभोक्ता संरक्षण केवल कानून नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकता है।

संक्षिप्त समाचार

बिजली चोरी मे छह पर प्राथमिकी, लगा 2.49 लाख जुर्माना

बिक्रमगंज/रोहतास। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज अंतर्गत अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत दो प्रशाखा मे छह लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। सम्बंधित कनीय विद्युत अभियंता ने बताया की मीटर से पहले मुख्य सर्विस तार मे कटिंग कर एवं एक अतरिक्त तार जोड़कर मीटर बाईपास करते हुए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर प्रखंड दिनारा के दुबे डिहरी निवासी वशिष्ठ दुबे पिता-श्रीराम दुबे पर 36864, जनार्दन पाण्डेय पिता-सीताराम पाण्डेय पर 19820, दीपा देवी पति-बबन पाण्डेय पर 66077, अनिल रंजन दुबे पिता-सुरेंद्र दुबे पर 60576 रुपये जुर्माना लगायी गयी है। उक्त उपभोक्ता के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरुद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। आगे बताया की विद्युत विभाग का बकाया राशि लंबित रहने पर लाइन काटने के उपरांत बिना बकाया राशि तथा पुनः विद्युत संयोजन (आरसी) शुल्क जमा किये अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर धारूपुर निवासी दशरथ यादव पिता-सरयू सिंह यादव पर 59241 रुपये तथा खैरा निवासी पप्पू कुमार पिता-द्वारिका चौरसिया पर बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से व्यवसायिक परिसर मे विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर 6756 रुपये दंडित राशि लगायी गयी है। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमे उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार, मीटर, बिलिंग एवं बिल के ससमय भुगतान की सघन जांच की जा रही है। जांच में मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है। सभी लोगों पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 सहित अन्य सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए थाने को आवेदन सौंपा गया है।

मकर संक्रांति पर्व को लेकर बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भीड़

बिक्रमगंज/रोहतास। मकर संक्रांति पर्व को लेकर बिक्रमगंज अनुमंडल मुख्यालय समेत सभी प्रखंडों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बाजारों में मंगलवार को खरीदारों की जबरदस्त भीड़ देखी गई। पर्व की तैयारियों को लेकर लोगों में खासा उत्साह नजर आया,जिससे बाजारों की रौनक बढ़ गई। बाजारों में तिल, गुड़, चूड़ा, दही, चावल, मिठाइयों, सब्जियों व पूजा सामग्री की दुकानों पर सुबह से ही लोगों की आवाजाही बनी रही। खासकर तिलकुट,लाई,खजूर और मिठाइयों की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने भी जमकर खरीदारी की। व्यापारियों के अनुसार मकर संक्रांति को लेकर इस बार बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। दुकानदारों ने बताया कि सुबह से देर शाम तक ग्राहकों की भीड़ लगी रही, जिससे कारोबार में तेजी आई। पर्व को लेकर लोगों में उल्लास का माहौल देखा गया।

मुजफ्फरपुर में युवा सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित हुए युवा फिजियोथेरेपिस्ट चिकित्सक डॉ. गोपाल

मोतिहारी। जिले के बंजरीया प्रखंड के मोखलिशपुर निवासी जनसेवा फिजियो स्पाइन केयर एण्ड पेन रिलीफ क्लिनिक के निदेशक सह चम्पारण समाज कल्याण मंच के संस्थापक अध्यक्ष प्रसिद्ध फिजियोथेरेपिस्ट चिकित्सक डॉ. गोपाल कुमार सिंह को समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान के लिए मुजफ्फरपुर में समृद्धि फाउंडेशन के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में मुजफ्फरपुर के उप मेयर डॉ. मोनालिसा, डॉ. वी मोहन एवं समाजसेवी स्मृति सिंह के द्वारा प्रशस्ति-प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह, मोमेन्टो एवं अंग वस्त्र प्रदान कर युवा सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।डॉ. गोपाल को मुजफ्फरपुर में युवा सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित होने पर गोविन्द सिंह, कुन्दन सिंह, आशुतोष कुमार, मणि रश्मि सिंह, संगीता सिंह, विशाल कुमार, प्रिंस कुमार, आदित्य सिंह, राजन कुमार, सतेन्द्र कुमार सहित दर्जनों चिकित्सकों, समाजसेवियों एवं उनके शुभचिंतको ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हे बधाई दिया है।

पांच हजार का इनामी शराब माफिया गिरफ्तार, जेल

मोतिहारी। नगर थाना कांड संख्या 322/22 के इनामी अभियुक्त रामा मली को पिपराकोठी थाना पुलिस और मुफस्सिल थाना पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया है। जिसकी जानकारी नगर थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजीव रंजन ने दी। उन्होंने बताया कि नगर थाना कांड संख्या 322/22 शराब केस के अभियुक्त पांच हजार इनामी सुखदेव मलिक के पुत्र रामा मली जानपुल चौक डोम पट्टी को ससुराल चन्द्रहिया से पिपराकोठी पुलिस और मुफस्सिल पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया है।वही गिरफ्तार शराब माफिया को जेल भेज दिया गया है।

जिलाधिकारी ने मुखिया तान्या प्रवीण को दी शुभकामनाएं

मोतिहारी। जिला के बंजरिया प्रखंड अंतर्गत सिसवा पूर्वी पंचायत की मुखिया तान्या प्रवीण द्वारा पंचायत के विकास में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए लाल किला,नई दिल्ली में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह 2026 में शामिल होने के लिए विशेष आमंत्रण मिला है। बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग के अधीन बिहार राज्य पंचायत संसाधन संस्थान (बीएसपीआरआइ) के परियोजना निदेशक नवीन कुमार सिंह ने इस संबंध में जिला पंचायत राज पदाधिकारी को पत्र भेजकर सूचित किया है।जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में मुखिया तान्या प्रवीण को भविष्य के लिए शुभकामना देते हुए उन्हें आमंत्रण पत्र सौंपा गया।

दस लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक कारोबारी को पकड़कर भेजा जेल

तुरकौलिया। शराब के विरुद्ध इलाके में लगातार छापेमारी कर पियक्कड़ो व शराब धंधेबाजों को गिरफ्तार कर पुलिस जेल भेज रही है। तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत के वृतिटोला गांव में मंगलवार को छापेमारी कर दस लीटर देसी चुलाई शराब के साथ प्रमोद मुखिया को उसके घर से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घर में शराब रखकर बेचता था। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। एसआई रविरंजन कुमार के फर्द बयान पर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कारोबारी को जेल भेज दिया गया।

रोहतास के टॉप 10 अपराधकर्मी विष्णु कुमार सिंह उर्फ विवेक राज गिरफ्तार

♦ वर्षों से फरार, लूट-डकैती व हथियार के कई मुकदमों का आरोपी

निज संवाददाता। कराकाट /रोहतास

रोहतास जिले के टॉप-10 अपराधकर्मी विष्णु कुमार सिंह उर्फ विवेक राज को पुलिस ने कराकाट बाजार से गिरफ्तार कर लिया । कराकाट थाना क्षेत्र के गच्छई रामपुर निवासी नागेंद्र सिंह के पुत्र विष्णु कुमार सिंह उर्फ विवेक राज पर लूट,डकैती और हथियार अधिनियम के कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं । वह दो मामलों में कई वर्षों से फरार चल रहा था । एसडीपीओ सह एएसपी संकेत कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि 12 जनवरी को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि विवेक राज कराकाट बाजार में देखा गया है । इसके आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिक्रमगंज संकेत कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया ।

इस टीम में कराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार,एसआई रोहित कुमार, कराकाट थाने के अन्य पुलिसकर्मी और डीआईयू रोहतास के जवान शामिल थे । टीम ने उसी शाम बाजार क्षेत्र में छापेमारी कर आरोपी को धर दबोचा । विवेक राज का अपराधिक इतिहास लंबा है । उसके खिलाफ रोहतास जिले के विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं । कराकाट थाने में वर्ष 2019 के कांड संख्या 268/19, 320/19 और 322/19 लूट के अपराध से जुड़े हैं । वहीं कांड संख्या 330/19 डकैती,डकैतों का जमावड़ा, लूट,चोरी और शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत अवैध हथियार रखने,बिक्री या उपयोग से संबंधित है । इसके अलावा कराकाट थाने के कांड संख्या 71/19 में भी शस्त्र अधिनियम के तहत अवैध हथियार का मामला दर्ज है । नासरीगंज थाने में कांड संख्या 209/19 लूट से जुड़ा है । इस सफल गिरफ्तारी में शामिल पुलिस टीम के सदस्यों को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है । एसडीपीओ संकेत कुमार ने इसे अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया । पूछताछ में आरोपी से और अहम सुराग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है ।

डालमियानगर में वार्ड 11 ने आसानी से जीती तीसरी लीग मैच

निज संवाददाता। रोहतास

डालमिया नगर मैदान में चल रहें 14वे नगर चैंपियनशिप टूर्नामेंट की तीसरी लीग मैच मंगलवार को वार्ड 34 बनाम वार्ड 11 के बिच खेला गया। मैच से पूर्व आज के मुख्य अतिथि खाटू श्याम भवन की कृष्णा देवी, क्रन्तिकारी नन्द यादव, प्रेमचंद सिंह, पार्षद अमन शर्मा, सैफुल हक़ ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और शुभकामनायें दी। नन्द यादव ने कहा की कमिटी की लगातर 14 साल मैच कराना इस डालमिया नगर की बेजान धरती पर एक कीमती जान की तरह है, जिससे मैदान के साथ साथ ये नगरी जीवित है और नगर चैंपियनशिप एक पहचान बन चुका है। ततपश्चात अंपायर रितेश और वरुण ने दोनो टीम के कप्तानो के बिच टॉस करवाया जिसे वार्ड 34 ने जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। उनकी बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही, और पूरी टीम 106रनो पर ऑल आउट हो गयी। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी वार्ड 11 की टीम 2विकेट खोकर भावेश की अर्धशतक के बदौलत 8विकेट से मैच को जीत लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार अदरी देवी मेमोरियल हॉस्पिटल की तरफ से वार्ड 11के राजू को दिया गया जिसने निर्धारित 3ओवर में 7रन देकर 4 विकेट हासिल किया। कमिटी के सह सयोजक सोनू पाण्डेय ने बताया की बुधवार का मैच वार्ड वार्ड 2 बनाम वार्ड 14के बिच खेला जायेगा। इस दौरान कमिटी के अध्यक्ष डॉ ओपी आनंद धनजी यादव, चन्दन,राहुल, अनीश, मंगल, राज यादव, आकाश, सुनील टेंट आदि उपस्थित थे।

जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में आयोजित श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की निकली शोभा यात्रा

निज संवाददाता। संझौली / रोहतास

संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में संझौली प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय के मैदान में आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का शुभारंभ मंगलवार को कलश यात्रा के साथ हुआ । महायज्ञ के प्रथम दिन श्रद्धालुओं द्वारा कलशयात्रा सह भव्य शोभायात्रा निकाली गयी । यज्ञ मंडप से निकली शोभायात्रा में आगे-आगे बैंड-बाजा,घोड़े तथा रथ पर सवार देवी-देवताओं की विभिन्न झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं । कलश यात्रा कैथी गांव से प्रारंभ होकर बगेया, लक्ष्मीपुर बाड़ी पुल होते हुए संझौली में स्थित शिव सरोवर के तट पर पहुंची,जहां मंत्रोच्चार के बीच बक्सर से लाए गए गंगाजल को श्रद्धालुओं ने अपने-अपने कलश में जल को डाला । इसके बाद श्रद्धालु पुनः यज्ञ स्थल पर लौटे और कलश की विधिवत स्थापना कराई । यज्ञ आयोजन समिति के लोगों ने बताया कि श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ छह दिनों तक चलेगा । प्रतिदिन प्रातःकाल आरती होगी,जबकि संध्या पांच बजे से संत श्री लक्ष्मीप्रपन्न श्री जीयर स्वामी महाराज अपने प्रवचनों के माध्यम से समाज का आध्यात्मिक मार्गदर्शन करेंगे । यज्ञ समिति के अनुसार 18 जनवरी को पूर्णाहुति एवं भंडारे का आयोजन किया जायेगा । गुरुवार को परम पूज्य श्री जीयर स्वामी जी महाराज का यज्ञ स्थल पर आगमन होगा । महायज्ञ को लेकर गांव व आसपास के इलाके में उत्साह का वातावरण है । जलभरी शोभा यात्रा में काफी संख्या में महिला व पुरुषों ने भाग लिया । जिसमें महिलाओं की संख्या अधिक देखी गई ।

स्वामी विवेकानंद जी के विचार और आज का विद्यार्थी विषय पर आयोजित किया गया संगोष्ठी

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास

बिक्रमगंज शहर में अवस्थित आजाद हिंद क्लासेस डेहरी रोड के पवित्र प्रांगण में प्रज्ञा प्रवाह युवा आयाम के तत्वाधान में राष्ट्रीय युवा दिवस अर्थात स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाया गया कार्यक्रम की शुरुआत में स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि किया गया। तत्पश्चात प्रज्ञा प्रवाह के सम्मानित कार्यकर्ताओं द्वारा आगत अतिथियों को अंगवस्त्र और स्वामी विवेकानंद जी का चित्र प्रदान कर स्वागत किया गया। रोहतास विभाग के विभाग संयोजक डॉ अरुण कुमार ने कार्यक्रम में आए हुए मुख्य वक्ता के रूप में राजेंद्र प्रसाद प्रांत कार्यवाहक दक्षिण बिहार, मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राजेश्वर राज अध्यक्ष कीड़ा भारती बिहार प्रदेश, नगर संचालक अखिलेश पांडेय, जिला प्रचारक विभाष, बाहर से आए हुए सम्मानित अतिथियों तथा विद्यार्थियों को कार्यक्रम में अपना समय देने के लिए आभार प्रकट किया। मुख्य वक्ता श्रीमान राजेंद्र प्रसाद जी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का आचरण तथा उनके कृतित्व युवाओं को सदैव मार्गदर्शित करता रहा है आज हम सभी युवाओं को उनके विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में उतरने की जरूरत है स्वामी विवेकानंद जी जब 1993 में शिकागो से वापस अपने देश लौटे थे तो वह अपने मातृभूमि के धूल को अपने शरीर पर लपेट लिए। उन्होंने कहा कि आज मैं बहुत दिनों बाद अपने

मां से मिल रहा हूं। मुख्य अतिथि श्रीमान राजेश्वर राज ने कहा कि युवाओं को आज जरूरत है अपने आचरण, व्यवहार और अनुशासन में स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को उतारे और स्वस्थ रहें। अगर हम सभी स्वस्थ रहते हैं तभी जाकर के हम अपने देश को आगे बढ़ा सकते हैं। संस्थान के निदेशक धनंजय कुमार सिंह ने कहा कि अगर युवा आगे बढ़ेगा तो देश बढ़ेगा, अगर युवा जगेगा तो देश से विकसित होगा। अगर देश का युवा सो जाता है तो देश भी सो जाएगा। इसलिए हम सभी को जागना होगा और अपने देश के लिए कुछ करके दिखाना होगा। युवा प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है और आगे बढ़ाना है इसके लिए हमें सदैव प्रयास करते रहना होगा। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्र गान गाया गया। जिला संयोजक डॉ दिलीप कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्मानित विद्वानों, विद्यार्थियों, संस्थान के निदेशक धनंजय सिंह, सभी शिक्षकों, कर्मचारियों तथा कार्यक्रम प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

प्रखंड स्तरीय टीएलएम मेला 3.0 का हुआ आयोजन

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास

प्रखंड संसाधन बिक्रमगंज के तत्वावधान में कन्या मध्य विद्यालय के प्रांगण में प्रखंड स्तरीय टीएलएम मेला 3.0 का आयोजन किया गया । जिसमें प्रखंड के चौदहों संकुल से प्रारंभिक पांच विषयों हिंदी,उर्दू,गणित,पर्यावरण, अंग्रेजी विषय से प्रथम चयनित प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की ।कार्यक्रम का उद्घाटन रितेश कुमार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बिक्रमगंज, डॉ अमरेंद्र कुमार मिश्रा प्राचार्य डॉ नागेंद्र झा महिला महाविद्यालय, बिक्रमगंज,सेवानिवृत शिक्षक शिवचरण गुप्ता,भरत प्रसाद साह, कुमार चंद्रशेखर प्रधानाध्यापक मध्य विद्यालय कुसुम्हरा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन के साथ किया ।कार्यक्रम का संचालन आशीष कुमार पाठक ने किया । प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बिक्रमगंज ने बताया कि वर्ग 1 से पांच के अधिगम प्रतिफल को संरेखित करते हुए हिंदी,अंग्रेजी, उर्दू,पर्यावरण,अंग्रेजी विषयों से एक सर्वश्रेष्ठ टीएलएम के चयन को लेकर आयोजित किए गए इस मेला में सभी चौदहों संकुल से प्रथम चयनित प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की । यहां से चयन किए गए शिक्षक अपने सर्वश्रेष्ठ टीएलएम के साथ जिला स्तर पर अपना टीएलएम प्रदर्शित करेंगे ।

कार्यक्रम में चयन किए गए प्रतिभागी हिंदी विषय से इंदु देवी प्राथमिक विद्यालय रकसियां,अंग्रेजी विषय से संगीता कुमारी प्राथमिक विद्यालय मानपुर,गणित विषय से अनूपा कुमारी प्राथमिक विद्यालय मतुली,पर्यावरण विषय से पूजा देवी प्राथमिक विद्यालय इसरपुरा,उर्दू विषय से शहनाज बेगम उर्दू मध्य विद्यालय बिक्रमगंज चयनित हुए । कार्यक्रम में जज की भूमिका में रितेश कुमार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बिक्रमगंज, प्राचार्य डॉ अमरेंद्र कुमार मिश्रा, शिवचरण गुप्ता,भरत प्रसाद साह ने मूल्यांकन कर विजेताओं का चयन किया । कार्यक्रम के सफल आयोजन में जयप्रकाश,नीरज राय,सत्येंद्र कुमार सिंह,अभिमन्यु पटेल,संजय शर्मा, चंदन कुमार मिश्रा,राहुल देव ने अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई । मौके पर प्रखंड के अलग-अलग विद्यालयों से शिक्षक व शिक्षिका मौजूद रहे ।

दरवाजे के सामने गंदा कूड़ा फेंकने को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प, पांच घायल, तीन गिरफ्तार

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)

करगहर थाना क्षेत्र के खड़ेज गांव में सोमवार की शाम नाली का गंदा कूड़ा दरवाजे के सामने निकालने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस झड़प में दोनों पक्षों के पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को रेफर कर दिया, जबकि चार घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

घटना के संबंध में थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने बताया कि खड़ेज गांव निवासी मुन्ना साह और गौरीशंकर साह ने नाली का गंदा कूड़ा निकालकर संतोष राय के दरवाजे के सामने रख दिया। इसका विरोध करते हुए संतोष राय ने कूड़ा हटाने को कहा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में पहले तू-तू मैं-मैं हुई, फिर गाली-गलौज के बाद लाठी-डंडे चलने लगे। इस मारपीट में संतोष राय, विशाल राय उर्फ विशाल कुमार, मनोज कुमार राय तथा दूसरे पक्ष के मुन्ना साह और गौरीशंकर साह घायल हो गए। मामले में दोनों पक्षों की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जिन्हें न्यायालय भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

कराकाट नगर पंचायत के वार्ड-10 में महादलित टोला की बदहाली

♦ टूटी सड़कें, बहता गंदा पानी, खेतों में शौच, गालियों की मार, महादलित महिलाओं का दर्द

निज संवाददाता। कराकाट / रोहतास

रोहतास जिले के कराकाट नगर पंचायत के वार्ड नंबर 10 में स्थित नट (महादलित) टोला की हालत बेहद जर्जर है। नगर पंचायत के गठन को तीन साल से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन यहां सड़कें, नालियां, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं धरातल पर नजर नहीं आ रही। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जहां पूरे देश में राष्ट्रीय ध्वज फहराने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, वहीं महादलित बस्ती में भी प्रशासन और प्रतिनिधियों द्वारा 26 जनवरी में झंडा फहराये जाते हैं। ऐसे में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा महादलित टोला में झंडा किस प्रकार फहराएंगे, जबकि स्थिति इतनी जर्जर है। इस उदासीनता से महादलित लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

टोला निवासियों ने बताया कि सबसे ज्यादा परेशानी शौच की है। जोहरा खातून, सलमा खातून, इम्तियाज नट, नौशाद खलीफा, सुहैल नट समेत अन्य महादलितों का कहना है कि शौचालय न होने से महिलाओं को खेतों में जाना पड़ता है। वहां खेत मालिक गालियां देकर भगा देते हैं। जोहरा खातून ने भावुक होकर कहा,

"हम महिलाओं की भी इज्जत है। पार्षद जी वोट लेने तो आए, उसके बाद कभी झांके तक नहीं।"

महिलाओं ने आरोप लगाया कि वार्ड पार्षद सैयद अंसारी वोटिंग के बाद पुणे चले गए हैं और महीनों से परिवार के साथ रह रहे हैं। जब उनसे संपर्क करने की कोशिश की गई, तो फोन नहीं उठाया। टोला वासी बोले, "पार्षद ने काम किसी और के जिम्मे छोड़ दिया है। नालियों का गंदा पानी रास्तों पर बहता रहता है, सड़कें टूटी-फूटी हैं। हम किसी तरह गुजारा कर रहे हैं।"

दूसरी बड़ी समस्या नालियों और सड़कों की है। बारिश होते ही पानी रास्तों पर जमा हो जाता है, जिससे आवागमन दुश्वार हो जाता है। महादलित टोला के पुरुष-महिलाओं ने एकस्वर से कहा, "अगले चुनाव में वोट मांगने वालों को आईना दिखाएंगे। गणतंत्र दिवस पर झंडा फहराने से पहले हमारी बुनियादी जरूरतें पूरी होनी चाहिए।" नगर पंचायत के वार्ड 10 के वार्ड पार्षद से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है ताकि महादलित टोला में विकास कार्य तेज हो सकें।

संक्षिप्त समाचार

नालंदा में 10 लाख लीटर दूध-100 टन दही की व्यवस्था, मकर संक्रांति पर दही खाओ प्रतियोगिता का आयोजन

नालंदा। मकर संक्रांति के पावन पर्व को देखते हुए नालंदा डेयरी की ओर से व्यापक तैयारियां की हैं। त्योहार के दौरान उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए डेयरी प्रशासन ने 10 लाख लीटर दूध और 100 टन दही की व्यवस्था की है। डेयरी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरविंद कुमार सिन्हा ने बताया कि मकर संक्रांति पर भारी मांग को देखते हुए डेयरी ने पूरी तैयारी कर ली है। हमने सुनिश्चित किया है कि सुधा डेयरी के सभी काउंटरों पर पर्याप्त मात्रा में दूध-दही उपलब्ध हो जाए। उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डेयरी ने 200 ग्राम से लेकर 15 किलोग्राम के जार तक विभिन्न आकार में दही की पैकिंग की है। दही दो प्रकार की गुणवत्ता में बाजार में उतारा गया है। कीमतें उपभोक्ता के बजट के अनुसार रखी गई है। सबसे छोटी पैकिंग 30 रुपए से शुरू होती है। एक किलोग्राम दही 72 रुपए (प्लेन) और 115 रुपए(स्मार्ट) में, पांच किलोग्राम दही 435 और 525 रुपए में, जबकि 15 किलोग्राम का स्मार्ट दही 1275 रुपए और प्लेन दही 1500 रुपए में उपलब्ध है। मकर संक्रांति की परंपरागत मिठाई तिलकुट भी सुधा डेयरी की ओर से बाजार में उतारी गई है। 500 ग्राम के पैकेट में उपलब्ध तिलकुट की कीमत 150 रुपए रखी गई है। बिहार में मकर संक्रांति पर तिलकुट का विशेष महत्व है और उपभोक्ता इसका पारंपरिक स्वाद ले सकेंगे। त्योहार को और रोचक बनाने के लिए नालंदा डेयरी ने 14 जनवरी को मकर मेला में 'दही खाओ इनाम पाओ' प्रतियोगिता का आयोजन किया है। यह प्रतियोगिता महिला और पुरुष दोनों वर्गों में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में सबसे अधिक दही खाने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पूर्व निबंधन अनिवार्य है। डेयरी अधिकारियों ने बताया कि निबंधन 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी आज शाम पांच बजे तक मोबाइल नंबर 9472088372 और 8709497048 पर संपर्क कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

बाल विवाह मुक्त भारत विषय पर संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मोतिहारी। बाल विवाह मुक्त भारत विषय पर चलाये जा रहे 100 दिवसीय जागरूकता अभियान के तहत जिला समाहरणालय के राजेंद्र सभागार में आंगनबाड़ी सेविकाओं, आशा एवं पारा विधिक स्वयंसेवकों के साथ संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गयी I इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि सचिव ,जिला विधिक सेवा प्राधिकार नितिन त्रिपाठी, वरीय उप समाहर्ता निधि कुमारी, जिला जन संपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश , जिला विधिक सेवा प्राधिकार के आर्यदेव, डीपीओ आईसीडीएस विनीता कुमारी एवं DCM नंदन झा, स्वास्थ्य विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया I इस कार्यक्रम में सचिव द्वारा सभा को संबोधित करते हुए कहा गया कि यह अभियान बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि खेलने कूदने के उम्र में बच्चियों को ब्याह दिया जाता है जो कि उनके भविष्य एवं उनके बचपने से जुड़ा हुआ मुद्दा है, इसलिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण और संजीदा मसला हो जाता है I उन्होंने कहा कि हम लोगों को कुछ पंचायत चिह्नित कर बाल विवाह मुक्त बनाने पर जोड़ देना होगा तभी हम सब पूर्वी चंपारण को बाल विवाह मुक्त बना सकते है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता , आशा कार्यकर्ता एवं पारा विधिक स्वयंसेवक के माध्यम से पूरे जिले तक पहुंच स्थापित कर बाल विवाह के उन्मूलन का यह संदेश प्रसारित किया जा सकता है I उन्होंने बाल विवाह को एक सामाजिक कुरीति मानते हुए उसके संपूर्ण उन्मूलन की बात कही I वरीय उप समाहर्ता निधि कुमारी द्वारा बताया गया कि छोटी बच्चियों को कम उम्र में उनके माता-पिता द्वारा जबरन शादी कर दी जाती है जिसके कारण बालिकाओं का स्वास्थ्य एवं शिक्षा प्रभावित हो सकता है I इसके लिए उन्होंने बैठक में उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं पारा विधिक स्वयंसेवक को इस प्रकार के किसी भी कृत्य की जानकारी प्रशासन से साझा करने को कहा गया I जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ICDS के द्वारा बताया गया की ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (VHND) के अवसर आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की उपस्थिति में सभी लाभुकों को बाल विवाह के दुष्परिणाम के बारे में बताए साथ ही सभी को चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 पर शिकायत दर्ज करने हेतु बताए बाल विवाह की सूचना देने वाले व्यक्ति की गोपनीयता बनाए रखा जाएगा अतः निर्भीक होकर बाल विवाह होने की सूचना जिला प्रशासन को दे सकते हैं।कार्यक्रम में स्वयं सेवी संस्था के जिला समन्वयक आदित्य कुमार के द्वारा बाल विवाह उन्मूलन पर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी गई।इस कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास निगम, पूर्वी चंपारण की ओर से किया गया था जिसमें सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी,जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन की जिला मिशन समन्वयक निधि कुमारी, जेंडर विशेषज्ञ निर्भय कुमार, वित्तीय साक्षरता में विशेषज्ञ रितेश कुमार, प्रयास संस्था की आरती कुमारी ,जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैनल अधिवक्ता एवं मोतिहारी प्रखंड की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रही।

डीईओ कार्यालय में लापरवाही पर डीएम की सख्ती, लिपिक अंगिरा निलंबित

स्थापना अधिकारी पर भी गिरी गाज, विभागीय कार्रवाई के निर्देश

निज संवाददाता। गयाजी

जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने शिक्षा विभाग में व्याप्त लापरवाही और अनियमितताओं पर कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में कार्यरत लिपिक अंगिरा को निलंबित करने का आदेश जारी किया गया है। वहीं, कार्यों के समुचित पर्यवेक्षण में विफल रहने के आरोप में स्थापना अधिकारी के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। डीईओ कार्यालय में फाइलों के लंबे समय तक लंबित रहने, समय पर काम निष्पादित न होने और नियमों की अनदेखी को लेकर लगातार शिकायतें जिला प्रशासन तक पहुंच रही थीं। जिलाधिकारी ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच कराई, जिसमें कार्यालयीन कार्यप्रणाली में भारी खामियां सामने आईं। जांच के दौरान लिपिक अंगिरा की भूमिका संदिग्ध पाई गई। फाइलों के निपटारे में अनावश्यक देरी, कार्यों को प्रभावित करने और जिम्मेदारियों के निर्वहन में लापरवाही के आरोप प्रमाणित होने के बाद डीएम ने तत्काल निलंबन का आदेश जारी कर दिया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकारी कार्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता और भ्रष्ट आचरण किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने वाले कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मामले में स्थापना अधिकारी की भूमिका को भी गंभीर माना गया है। डीएम ने निर्देश दिया है कि कार्यालयीय कार्यों की निगरानी में हुई चूक को लेकर उनकी जिम्मेदारी तय की जाए और आवश्यक विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप की स्थिति है। जिला प्रशासन ने संकेत दिया है कि यदि जांच के दौरान अन्य कर्मियों की संलिप्तता सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी बिना किसी दबाव के कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हत्या के प्रयास मामले में फरार अभियुक्त गिरफ्तार

लोहे की रॉड से हमला कर किया था गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता। बाराचट्टी, गयाजी

गया जिले के बाराचट्टी थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के एक पुराने मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मंगलवार को छापेमारी कर इस कांड में संलिप्त एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई थाना कांड संख्या 223/25 के तहत की गई है, जो 23 जून 2025 को दर्ज हुआ था। पुलिस के अनुसार, 23 जून 2025 को पीड़ित ने बाराचट्टी थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई थी। वादी ने बताया था कि वह अपने घर पर मौजूद था, तभी विलाश यादव अपने कुछ सहयोगियों के साथ वहां पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया, तो अभियुक्त ने जान से मारने की नीयत से लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना के बाद पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया था। पुलिस लंबित मामलों में वांछित और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर विशेष छापेमारी अभियान चला रही है। इसी क्रम में इस कांड में शामिल अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान बाराचट्टी थाना क्षेत्र के दुलमगिर गांव निवासी विलाश यादव, पिता बुधन यादव, के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अमरेंद्र किशोर ने बताया कि हत्या के प्रयास के इस मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि कांड में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

राजगीर में आज से सात दिवसीय मकर मेला

निज संवाददाता। नालंदा

ऐतिहासिक राजगीर नगरी में 14 जनवरी से शुरू हो रहे मकर मेले में इस बार पशुपालकों के लिए एक विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। समापन दिवस पर 20 जनवरी को पशुपालन विभाग की ओर से आयोजित की जा रही दुधारू पशु प्रदर्शनी न केवल मेले की शोभा बढ़ाएगी, बल्कि जिले के मेहनती पशुपालकों को प्रोत्साहन देने का एक सार्थक प्रयास भी साबित होगी।

नकद पुरस्कार से होगा सम्मानः जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य जिले में गुणवत्तापूर्ण पशुपालन को बढ़ावा देना और उत्कृष्ट कार्य करने वाले पशुपालकों को सम्मानित करना है। तीन अलग-अलग श्रेणियों में दुधारू पशुओं की प्रदर्शनी आयोजित कर रहे हैं। इसमें क्रॉस ब्रीड गाय, देसी नस्ल की गाय और भैंस शामिल हैं।

प्रथम स्थान पर आने वाले पशुपालक को 10 हजार, द्वितीय स्थान पर 6 हजार और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 3 हजार रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार राशि निश्चित रूप से पशुपालकों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन साबित होगी। प्रदर्शनी में भाग लेने वाले पशुओं का मूल्यांकन विशेष रूप से गठित ज्यूरी टीम की ओर से किया जाएगा। डॉ. कुमार ने स्पष्ट किया कि विभिन्न मापदंडों के आधार पर पशुओं का चयन किया जाएगा, जिससे निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

विवेकानंद जयंती व युवा दिवस पर 1200 से अधिक जरूरतमंदों को कंबल, मंत्री संतोष सुमन ने की सराहना

निज संवाददाता। इमामगंज

इमामगंज प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत छकरबंधा स्थित किशुनीचक हनुमान मंदिर परिसर में विवेकानंद की जयंती एवं युवा दिवस के अवसर पर मानवता, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की एक बड़ी मिसाल देखने को मिली। कड़ाके की ठंड को देखते हुए पंचायत के मुखिया श्याम सुंदर प्रसाद के नेतृत्व में भव्य कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 1200 से अधिक निर्धन, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरित किए गए।

यह कार्यक्रम कन्या विवाह विकास सोसाइटी के सचिव हस्बुल्लाह अंसारी के सहयोग से उनके नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के लघु सिंचाई मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन उपस्थित रहे। मंत्री डॉ. सुमन ने स्वयं जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया और कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि ठंड के इस मौसम में गरीब और जरूरतमंदों की सहायता करना ही सच्ची मानव सेवा है। समाज के हर सक्षम व्यक्ति,जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों को आगे आकर ऐसे कार्यों में भागीदारी निभानी चाहिए।

कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरों पर राहत और खुशी साफ झलक रही थी। स्थानीय लोगों ने इस मानवीय पहल की मुक्त कंठ से सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। मुखिया श्याम सुंदर प्रसाद द्वारा किया गया यह प्रयास क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

इस अवसर पर मुखिया श्याम सुंदर प्रसाद ने कहा कि पंचायत का कोई भी गरीब, असहाय या बुजुर्ग ठंड से परेशान न हो, यही हमारा संकल्प है। सेवा और सहयोग की यह परंपरा आगे भी निरंतर जारी रहेगी। वहीं कन्या विवाह विकास सोसाइटी के सचिव हस्बुल्लाह अंसारी ने कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सहायता करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे कार्यक्रमों से आपसी भाईचारा मजबूत होता है और समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। आगे भी इस तरह के सामाजिक कार्य लगातार किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रखंड बीडीओ संजय कुमार, पंकज गुप्ता, मनीष गुप्ता, राजीव पाठक, दिनेश चंद्रवंशी, सुदर्शन प्रसाद गुप्ता, छोटू कुमार, आलोक भारती, दीपक पाठक, अविनाश सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे और आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुरुआ में शराब के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, दो अभियुक्त गिरफ्तार

निज संवाददाता। गुरुआ, गयाजी

गयाजी जिले के गुरुआ थाना पुलिस ने शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान तेज करते हुए मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शंकर बीघा गांव में छापेमारी कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी मनेश कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि शंकर बीघा गांव में शराब से जुड़े अवैध कार्य किए जा रहे हैं।

सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम का गठन कर छापेमारी की गई, जहां से दो लोगों को हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान राकेश कुमार और बिरजू कुमार के रूप में हुई है। दोनों अभियुक्त गुरुआ थाना क्षेत्र के शंकर बीघा गांव के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ कांड संख्या 441/25 के तहत धारा 30(ए) में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

शराब मुक्त क्षेत्र बनाने का अभियान जारीः थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र को शराब मुक्त बनाने के उद्देश्य से लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि यदि कहीं भी शराब की खरीद-बिक्री, सेवन या शराब के नशे में हंगामा करने की सूचना मिले, तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें। पुलिस का कहना है कि मद्य निषेध कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनी रहे।

सब्जी कारोबारी से लूट के मामले में बदमाश अरेस्ट, 9 दिन पहले हुई थी वारदात

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा की लहेरी थाना पुलिस ने 4 जनवरी को सब्जी कारोबारी के साथ हुई लूटपाट की घटना मामले में कार्रवाई की है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर घटना में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो (BR01FV/2401) को बरामद किया है और एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अस्थावां थाना क्षेत्र के कटहरी गांव निवासी गौतम कुमार उर्फ विक्की पासवान के रूप में हुई है। जो वर्तमान में पीड़ित व्यवसायी के पड़ोस में ही किराए के मकान में रहता था।

2 लाख रुपए की लूट हुई थीः सदर डीएसपी वन नुरुल हक ने बताया कि घटना 4 जनवरी की सुबह करीब 4 बजे की है। सब्जी व्यवसायी अपने किराए के मकान से बाजार समिति जा रहे थे, तभी बड़ी पहाड़ी कोल्ड स्टोर के पास स्कॉर्पियो सवार 7 बदमाशों ने उन्हें जबरन गाड़ी में बैठा लिया। बदमाशों ने व्यवसायी से 2 लाख 20 हजार 700 रुपए नकद, सोने की चेन और मोबाइल लूट लिया और उन्हें देवधा ओवरब्रिज के पास उतार कर फरार हो गए थे।

पड़ोसी ने ही की थी मुखबिरीः एएसपी ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश गौतम कुमार इस कांड के वादी (व्यवसायी) के पास ही किराए के मकान में रहता था। उसी ने रेकी की थी और घटना में अपनी स्कॉर्पियो का इस्तेमाल किया था। पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ है कि इस लूटकांड का मुख्य साजिशकर्ता दीपनगर थाना क्षेत्र का वाल्मीकि पासवान है, जिसने पूरी योजना बनाई थी।

7 अपराधी थे शामिलः इस गिरोह में कुल 7 अपराधी शामिल थे, जो दीपनगर, नूरसराय, हरनौत, सिलाव और लहेरी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से व्यवसायी से लूटे गए कागजात बरामद किए हैं। गौतम कुमार का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर अस्थावां थाने में कांड संख्या 225/23 दर्ज है। पुलिस अन्य फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

नालंदा में फिर गूंजेगी विचारों की गूंज, 12 फरवरी से अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव का आयोजन

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा विश्वविद्यालय के राजगीर परिसर में 12 से 15 फरवरी तक अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव (NILF 2026) का आयोजन किया जा रहा है। यह केवल एक साहित्यिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन बौद्धिक परंपरा को समकालीन विमर्श से जोड़ने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है। विश्व पुस्तक मेला, भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित एक परिचयात्मक सत्र में उत्सव की क्यूरेटर वैशाली सेठा और कवि संजीव मुकेश ने इस चार दिवसीय साहित्यिक महाकुंभ की रूपरेखा प्रस्तुत की। कवि संजीव मुकेश ने नालंदा की गौरवशाली विरासत का स्मरण करते हुए कहा कि यह उत्सव उसी दीप्तिमान परंपरा को पुनर्जीवित करने का प्रयास है।

विचारों का वैश्विक संगमः उत्सव में देश-विदेश से लगभग 200 प्रतिष्ठित लेखक, विचारक, अनुवादक, प्रकाशक और साहित्यिक एजेंट भाग लेंगे। इनमें पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और गजेंद्र सिंह शेखावत भी आएंगे। साहित्य जगत से वरिष्ठ पत्रकार ओम थानवी, गीतकार-अभिनेता पीयूष मिश्रा, कवि डॉ. कुमार विश्वास, अभिनेता अमोल पालेकर, लेखिका भावना सोममया, डॉ. कविता शर्मा, हिंदी जासूसी उपन्यासों के सम्राट सुरेंद्र मोहन पाठक, मार्या शकील, शांतनु गुप्ता, ओ पी सिंह, प्रताप सोमवंशी और मनु दास जैसे दिग्गज उपस्थित रहेंगे।

साहित्य से परे एक समग्र अनुभवः चार दिनों के इस आयोजन में 10 से अधिक पुस्तक विमोचन, कथा एवं गैर-कथा लेखन पर 4-5 विशेष कार्यशालाएं, भाषायी अनुवाद प्रयोगशालाएं, समकालीन मुद्दों पर बहस सत्र और अनेक प्लेनरी सत्र आयोजित किए जाएंगे। उत्सव का उद्देश्य साहित्य को केवल मंच की शोभा न बनाकर उसे विचार-विमर्श के केंद्र में लाना है। क्यूरेटर वैशाली सेठा ने स्पष्ट किया कि यह उत्सव विचारों को सुनने भर का नहीं, बल्कि उन्हें गढ़ने का मंच है। हम नालंदा को केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि समकालीन वैश्विक बौद्धिक मानचित्र पर एक जीवंत और प्रासंगिक केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहते हैं।

450 एकड़ में फैला नालंदा विश्वविद्यालय का नेट-जीरो परिसर इस उत्सव का केवल स्थल नहीं, बल्कि उसका विचारात्मक आधार है। शहरी कोलाहल से दूर, यह परिसर गहन साहित्यिक संवाद के लिए दुर्लभ वातावरण प्रदान करता है, जहां हर ईंट इतिहास से संवाद करती है और हर खुला प्रांगण चिंतन को आमंत्रित करता है।

समावेशी भागीदारी की व्यवस्थाः उत्सव को व्यापक और समावेशी बनाने के लिए विभिन्न श्रेणियों में पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। छात्रों के लिए विशेष पास, सामान्य पास (सीमित प्रवेश), मीडिया प्रतिनिधियों के लिए निशुल्क प्रवेश और NILF LitConnect के अंतर्गत प्रकाशकों, लेखकों और एजेंटों के लिए विशेष संवाद मंच की व्यवस्था है। इसके अलावा, NILF मित्र कार्यक्रम के तहत समर्थकों को विशिष्ट अनुभव और सहभागिता का अवसर मिलेगा। साहित्यिक गतिविधियों के साथ-साथ 5000 वर्गफुट में पुस्तक मेला, पारंपरिक एवं समकालीन हस्तशिल्प स्टॉल और थारू जनजातीय ग्राम की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। लोकगीत, नृत्य और जीवनशैली के माध्यम से साहित्य के साथ सांस्कृतिक संवाद की एक अनूठी परंपरा स्थापित होगी।

8 साल के बच्चे का मर्डर, गले में रस्सी बंधी थी, भाई बोला- भाइया की गर्लफ्रेंड ने दी थी धमकी

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में मंगलवार सुबह 8 साल के बच्चे की लाश मिली है। उसके गले में रस्सी बंधी है। मृतक की पहचान अंकित कुमार के रूप में हुई है। अंकित सोमवार की रात से घर से लापता था। घर वालों का आरोप है कि, अंकित के पिता की प्रेमिका ने मर्डर किया है। घटना चंडी थाना क्षेत्र के दरिया बिगहा गांव स्थित कल्याणपुर खजाना खंधा की है। शव मिलने की सूचना पर परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। गिरफ्तारी की मांग को लेकर करौटा-राजगीर एसएच-78 को जाम कर दिया।

अंकित, निरंजन कुमार का बेटा था। तेज-तर्रार और चंचल बच्चा था। सोमवार की शाम 4.30 बजे खेलने के लिए घर से निकला था। उसकी मम्मी बाजार गई थी। बाजार से कुछ सामान लाने कहा था। दोबारा बच्चा लौटकर घर आया। इसके बाद फिर बाहर चला गया, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। मृतक के चाचा मनीष कुमार ने बताया कि, पूरा परिवार रात भर परेशान रहा। थाना पर गए तो पुलिस वाले ने गंभीरता नहीं दिखाई। मंगलवार की सुबह ग्रामीण टहलने निकले, तब खजाना खंधा में शव पर नजर पड़ी। गले में फांसी लगा हुआ था। जिसके बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

मृतक के चाचा मनीष ने बताया कि अंकित के पिता का मंगलचक (बाढ़) की एक महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा था। उससे बात करते थे। ब्लैकमेल करके रुपए मांग रही थी। 2 दिन पहले मेरी भी बात हुई थी। मैंने साफ तौर पर पैसा देने से मना किया था। महिला ने रुपए नहीं देने पर निरंजन या उसके बेटे को जान से मारने की धमकी भी दी थी। इसी विवाद में वारदात की आशंका है। अंकित के पिता का उस लड़की से काफी वक्त से रिलेशन चल रहा था, लेकिन इधर बात बिगड़ी गई थी। चर्चा है कि, लड़की को पता चल गया था कि निरंजन शादीशुदा है और उसका एक बेटा भी है। यही वजह है कि लड़की अब पैसों का दबाव बना रही थी। आसपास के लोग बताता हैं कि, लड़की ये दबाव बना रही थी कि वो उसे मोटी रकम दे वरना वो निरंजन और अपने रिश्ते के बारे में सबको बता देगी। इस बीच निरंजन को परेशान देख, उसके छोटे भाई मनीष ने बात की। निरंजन ने पूरी कहानी मनीष को बताई। मनीष ने लड़की से साफ तौर पर कहा कि, जो करना है कर लो। मनीष की माने तो इसके बाद लड़की ने बच्चे का मर्डर कर दिया। पुलिस का कहना है कि लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हत्या का मोटिव साफ नहीं है। हर एंगल से जांच की जा रही है। लेकिन घर वालों का कहना है कि अंकित का पिता का अवैध संबंध था। पुलिस उस महिला तक पहुंचने के कोशिश में जुट गई है। उससे पूछताछ के बाद ही मर्डर का खुलासा हो पाएगा।

संक्षिप्त समाचार

भाई की मौत के बाद बहन ने खाया जहर

भागलपुर। बांका में भाई की मौत के सदमे में बहन ने जहर खा लिया। आनन-फानन में परिजन इलाज के लिए भागलपुर ले गए। जहां इलाज के दौरान मायागंज में मौत हो गई। मृतका की पहचान हेटनीम गांव निवासी रामलखन पंजियारा की पत्नी सावित्री कुमारी(28) के तौर पर हुई है। घटना पंजवारा थाना क्षेत्र की है। मृतका की मां निर्मला देवी ने बताया कि इकलौता पुत्र सुमित मांझी तमिलनाडु में मजदूरी करता था। करीब दस दिन पहले काम से लौटने के बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। जिसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने मौत का कारण ब्रेन हेमरेज बताया था। चार बहनों में अकेला भाई था।

जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशीः सुमित की मौत के बाद परिजन गोड्डा में श्राद्ध कर्म कर रहे थे। इसी दौरान रविवार को सावित्री ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल(मायागंज) में भर्ती कराया। जहां मंगलवार की सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। भाई और बहन की लगातार हुई मौत से परिवार सदमे में है। सावित्री की मौत के बाद बरारी थाना पुलिस ने अस्पताल परिसर से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

हिंदी हमारी सांस्कृतिक शक्ति : रिफाइनरी प्रमुख

बेगूसराय। औद्योगिक उपलब्धियों के साथ भाषा और संस्कृति को जोड़ने का संदेश इंडियन ऑयल की बरौनी रिफाइनरी से पूरे देश तक पहुंचा, जब विश्व हिंदी दिवस-2026 और रिफाइनरी की हीरक जयंती के संयुक्त अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में हिंदी के वैश्विक महत्व और सांस्कृतिक चेतना पर जोरदार उद्बोधन सामने आया। कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख सत्य प्रकाश ने अपने उद्बोधन में कहा कि बरौनी रिफाइनरी पिछले छह दशकों से राष्ट्र की ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर रही है, लेकिन इसके साथ-साथ भाषा और संस्कृति के संरक्षण की जिम्मेदारी भी उतनी ही अहम है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का प्रयास है और आज यह प्रयास सफल होता दिख रहा है। हिंदी अब केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि दुनिया के सैकड़ों विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है और करोड़ों लोग इसे बोल-समझ रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हिंदी का प्रचार-प्रसार केवल औपचारिक आदेशों से नहीं, बल्कि रचनात्मक गतिविधियों और साहित्यिक आयोजनों से संभव है। इसी सोच के तहत बरौनी रिफाइनरी में राजभाषा विभाग, भारत सरकार के निर्देशानुसार हिंदी कार्यान्वयन को व्यवहार में उतारा जा रहा है। कवि सम्मेलन जैसे आयोजन भाषा को आम लोगों की भावनाओं से जोड़ते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। कवि सम्मेलन में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह शामिल हुए। उन्होंने कवियों की रचनाओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए कहा कि कविता और साहित्य समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने ऐसे आयोजनों को हिंदी और भारतीय संस्कृति के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि जब उद्योग और साहित्य एक मंच पर आते हैं, तब राष्ट्र की सांस्कृतिक शक्ति और अधिक मजबूत होती है। सम्मेलन में वरिष्ठ कवियों अशांत भोला, अजय अंजाम, पी.के. आज़ाद, डॉ. सौरभ कांत शर्मा, मीनाक्षी दिनेश और केशव प्रभाकर की रचनाओं ने श्रोताओं को विचार और संवेदना के स्तर पर जोड़ा। कवियों की रचनाओं में राष्ट्रभाव, सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदना प्रमुख रूप से उभरकर सामने आई। कार्यक्रम में इंडियन ऑयल बरौनी रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कवि सम्मेलन का संचालन पी.के. आज़ाद ने किया। रिफाइनरी में प्रत्येक वर्ष विश्व हिंदी दिवस और हिंदी पखवारा मनाया जाता है, जिसमें कवि सम्मेलन, संगोष्ठी, निबंध और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है। इन आयोजनों के माध्यम से कर्मचारियों और आमजनों को हिंदी साहित्य से जोड़ा जाता है। बरौनी रिफाइनरी में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के जरिए कार्यालयी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। पत्राचार, नोटशीट, रिपोर्ट और सूचनाएं हिंदी में जारी की जाती हैं।

अफसर बन कर खाते में मंगवाए 45 लाख

बेगूसराय। हरहर महादेव चौक स्थित एचडीएफसी बैंक के ब्रांच मैनेजर मौसम कुमार ने खाताधारक मोहिद ताज हसन पर धोखाधड़ी देकर 45 लाख रुपए ठगने की एफआईआर दर्ज कराई है। आरोपी मोहिद ताज हसन बरौनी थाना के नींगा वार्ड-7 का निवासी है। एफआईआर में मौसम कुमार ने कहा है कि राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल से प्राप्त शिकायत पर बैंक ने जांच किया। जांच में यह बात सामने आई है कि सम्बन्धित ग्राहक मोहिद ताज हसन ने स्वंय प्रवर्तन अधिकारी बन कर लोगों को भ्रमित किया है। साथ ही कश्मीर में मनी लान्ड्रिंग मामलों के नाम पर धनराशि की ठगी की है। एफआईआर में कहा है कि 11 दिसम्बर को आरोपी के खाता पर 45 लाख रुपए क्रेडिट हुआ है। जिस राशि को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल ने विवादित राशि बताया है। खाताधारक ने 6 माह में 52 लाख 17 हजार रुपए टर्न ओवर किया है। साइबर थाना एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

विवाहिता का अपहरण, 4 नामजद किए गए

बेगूसराय| लोहियानगर निवासी रंजू देवी ने अपनी पुत्री शिवानी कुमारी के अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमें कहा है कि 6 जनवरी की रात उनकी बेटी शिवानी का अपहरण किया गया है। पीड़िता ने साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र के कुरहा निवासी राजीव पोद्दार, विजय पोद्दार, राहुल पोद्दार और वीरेंद्र पोद्दार पर अपनी बेटी के अपहरण करने का आरोप लगाया है। लोहियानगर पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

नाबालिग छात्र पर यौन हमला का आरोपी धराया

बेगूसराय| नाबालिग छात्र पर यौन हमला का आरोपी निक्कु कुमार को मुफ्फसिल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी मटिहानी थाना क्षेत्र के मनिअप्पा का निवासी है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। पिछले साल 12 जुलाई को निक्कु ने अपने साथी अंशु कुमार झा के साथ मिल कर पीड़ित नाबालिग(करीब 17 साल) पर यौन हमला किया। इस सम्बंध में पीड़ित ने मुफ्फसिल थाना में एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोपी अंशु कुमार मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मोहन एघु का निवासी है। पीड़ित छात्र जब कोचिंग पढ़ने के लिए हेमरा चौक गया। तब दोनों बदमाशों ने उसे पकड़ लिया और जबरदस्ती काली स्थान की ओर ले गया। जहां दोनों आरोपी ने पीड़ित छात्र पर यौन हमला किया था। आरोपी अंशु कुमार ने कोर्ट में अग्रिम जमानत आवेदन दाखिल किया था। जहां उसे कोई राहत नहीं मिली।

97% से आगे निकलना सदर अस्पताल के लिए चुनौती

बेगूसराय। राज्य स्वास्थ्य समिति की कायाकल्प योजना के तहत दो सदस्यीय टीम ने सोमवार को सदर अस्पताल का मूल्यांकन शुरू किया। टीम ने पूरे दिन सामान्य वार्ड, प्रसव वार्ड, इमरजेंसी सेवा सहित विभिन्न वार्डों और सुविधाओं की जांच की। मूल्यांकन मंगलवार को भी जारी रहेगा। इसी के आधार पर सदर अस्पताल की ग्रेडिंग तय होगी। पिछले वर्ष सदर अस्पताल को 97 प्रतिशत अंक मिले थे। ऐसे में इस बार उससे बेहतर प्रदर्शन करना अस्पताल प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। मूल्यांकन टीम में पटना से आए डॉ. रविशंकर प्रसाद और डॉ. पंकज कुमार शामिल हैं, जो सभी इंडिकेटर पर बारीकी से जांच कर रहे हैं। अस्पताल के आसपास अतिक्रमण के कारण एंबुलेंस को आने-जाने में देरी, परिसर में हरियाली की कमी और व्यवस्थित पार्किंग नहीं होना ऐसे बिंदु हैं, जिन पर अंक कटने की आशंका जताई जा रही है। वहीं दूसरी ओर नए मॉडल भवन के बन जाने से इमरजेंसी सेवा, निबंधन काउंटर, दवा काउंटर और मरीज सुविधा से जुड़े कई मानकों पर बेहतर अंक मिलने की संभावना भी है। मूल्यांकन के दौरान सिविल सर्जन, सदर अस्पताल अधीक्षक, अस्पताल प्रबंधक सहित डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी टीम के सामने बेहतर प्रस्तुति देने में जुटे रहे। पिछले वर्ष मॉडल भवन निर्माण में देरी के कारण सदर अस्पताल कायाकल्प रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गया था। जांच में सामने आया था कि जी-3 भवन के निर्माण कार्य के चलते अस्पताल कई मानकों पर खरा नहीं उतर पाया।

सरकारी जमीन से हटाया गया अतिक्रमण

♦ पक्का मकान को बुलडोजर से तोड़ा, कोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में आज जिला प्रशासन ने सरकारी रास्ते की जमीन पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। हाईकोर्ट के आदेश को लेकर प्रशासन ने अंचलाधिकारी के नेतृत्व में अभियान चलाया। कार्रवाई सुल्तानगंज प्रखंड अंतर्गत दिलगौरी गांव स्थित इसलामगंज में हुई है। अतिक्रमण को हटाया गया है और बुलडोजर के जरिए सरकारी जमीन को खाली कराया गया है। गांव के ही निवासी शेख अयूब इसलाही ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया था। इसको लेकर आज प्रभारी अंचलाधिकारी शालिनी कुमारी, सुल्तानगंज थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार, सरकारी अमीन भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

सरकारी अमीन ने जमीन की विधिवत नापी कीः कार्रवाई से पहले सरकारी अमीन ने जमीन की विधिवत नापी की। नापी के बाद यह स्पष्ट हुआ कि सरकारी रास्ते की जमीन पर अवैध रूप से निर्माण किया गया है। प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। अभियान के दौरान करीब दस से बारह अतिक्रमित आवास और संरचनाओं पर बुलडोजर चलाकर उन्हें हटाया गया। अभियान के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सैकड़ों की संख्या में पुलिस बल और सैफ (एसएएफ) के जवान तैनात किए गए थे। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से पूरे अभियान पर कड़ी निगरानी रखी गई, ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं हो। इस संबंध में प्रभारी अंचलाधिकारी शालिनी कुमारी ने मीडिया को बताया कि "हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में बिहार सरकार की जमीन से अतिक्रमण हटाया गया है। यह कार्रवाई पूरी तरह से नियम और कानून के तहत की गई है। सरकारी रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कर दिया गया है।"

हैंडबॉल खिलाड़ी 'शिवा' का भारतीय टीम में चयन

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय के चकमला दुलारपुर गांव के रहने वाले सुरेश साह के बेटे शिवा कुमार का चयन 22वीं एशियाई मेंस हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय मेंस टीम में किया गया। इस चयन से पूरे बेगूसराय ही नहीं, बिहार के हैंडबॉल खिलाड़ियों में खुशी का लहर है। चयन होने पर हैंडबॉल एसोसिएशन बेगूसराय के अध्यक्ष, सचिव और खेल महासंघ ने बधाई दिया है। बेगूसराय के हैंडबॉल खिलाड़ियों में खुशी है कि उनके साथ खेलने वाले सीनियर खिलाड़ी, अपने देश का प्रतिनिधित्व दूसरे देश में जाकर करेंगे। यह आयोजन कुवैत में 15 जनवरी से 29 जनवरी तक चलेगा। भारतीय टीम कुवैत के लिए आज दिल्ली एयरपोर्ट से रवाना हुई। शिवा ने सबसे पहले बेगूसराय में ही अपने गांव में हैंडबॉल खेलना शुरू किया।

चयन साईं प्रशिक्षण केंद्र के लिए हुआः अच्छा खेल सीखने और प्रदर्शन के आधार पर इनका चयन एकलव्य प्रशिक्षण केंद्र के लिए किया गया। उन्होंने साईं में ट्रायल दिया और उनका चयन साईं प्रशिक्षण केंद्र के लिए किया गया। जहां यह लगातार अभ्यास करते हैं। वहां इन्होंने अपने पुरजोर मेहनत से भारतीय टीम में जगह बनाया। कैंप में अच्छे प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन किया गया। शिवा का चयन होने पर माता-पिता ने भी अपनी खुशी जाहिर की है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार, तेघड़ा विधायक रजनीश कुमार और हैंडबॉल एसोसिएशन ऑफ बेगूसराय के सभी सदस्यों ने शिवा को बधाई व बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामना दी है। संघ के बाबुल कुमार सिंह ने बताया कि कुवैत से खेल कर लौटने पर उन्हें हैंडबॉल एसोसिएशन ऑफ बेगूसराय की तरफ से सम्मानित किया जाएगा।

मकर संक्रांति पर बाजार में उमड़ी भीड़

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में मकर संक्रांति पर बाजारों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। खासकर शहर का प्रसिद्ध सुजागंज तिलकुट बाजार इन दिनों पूरी तरह गुलजार है। बुधवार को पर्व मनाया जाएगा। उससे पहले मंगलवार को तिलकुट की दुकानों पर खरीददारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुजागंज में दुकानों पर गुड़, चीनी और खोया से बने तिलकुट की सबसे अधिक मांग है। पर्व को लेकर लोग बड़ी संख्या में अपने परिवार, रिश्तेदारों और मित्रों के लिए तिलकुट की खरीदारी कर रहे हैं। दुकानदारों ने अच्छे कारोबार की उम्मीद जताई है। सुबह से बाजार में चहल-पहल बनी हुई है।

खोआ और गुड़ वाले तिलकुट की डिमांडः दुकानदार दिलीप ने बताया कि भागलपुर का तिलकुट अपनी शुद्धता, स्वाद और पारंपरिक निर्माण विधि के कारण दूर-दराज के इलाकों में भी खास पहचान रखता है। वर्षों से चली आ रही पारंपरिक विधि से तैयार किया गया तिलकुट न केवल स्थानीय लोगों बल्कि बाहर से आए ग्राहकों को भी खूब भा रहा है। कई लोग इसे उपहार के रूप में भी खरीद रहे हैं। सौरभ कुमार यादव ने बताया कि मकर संक्रांति को लेकर बाजार में काफी भीड़ है। सुबह से ही ग्राहक पहुंच रहे हैं। इस बार बिक्री अच्छी होने की उम्मीद है। लोग खासकर खोया और गुड़ वाले तिलकुट की ज्यादा मांग कर रहे हैं।

सुजागंज बाजार में रौनकः वहीं, ग्राहकों का कहना है कि भागलपुर का तिलकुट स्वाद में अलग है। इसकी मिठास त्योहार की खुशी को और बढ़ा देती है। मकर संक्रांति के आगमन के साथ ही सुजागंज बाजार में रौनक लौट आई है। तिलकुट की खुशबू और मिठास से पूरा बाजार सराबोर हो गया है और यह उत्सव का माहौल बना हुआ है।

बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा मौका

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के बेरोजगार और रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए सुनहरा मौका है। युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग की ओर से 15 जनवरी को भागलपुर में एक दिवसीय नियोजन मेला आयोजित किया जाएगा। मेला शहर के राजकीय बालिका इंटर स्कूल परिसर में लगाया जाएगा, जहां युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार पाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। नियोजन मेला को लेकर मंगलवार को लेबर कोर्ट परिसर में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस नियोजन मेले में राज्य के सभी जिलों से तकनीकी व गैर-तकनीकी योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। मेले में विभिन्न निजी कंपनियां भाग लेंगी और अपनी आवश्यकतानुसार योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगी।

बिचौलियों की भूमिका खत्म होगीः अधिकारियों ने बताया कि इस नियोजन मेले के माध्यम से युवाओं को सीधे नियोक्ताओं के संपर्क में आने का मौका मिलेगा, जिससे बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी। मेला पूरी तरह से निःशुल्क रहेगा और इसके लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। अभ्यर्थियों को अपने साथ आवश्यक शैक्षणिक प्रमाण पत्र, पहचान पत्र, बायोडाटा और पासपोर्ट साइज फोटो लाने की सलाह दी गई है। विभागीय अधिकारियों ने युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में नियोजन मेले में पहुंचकर इस अवसर का फायदा उठाएं। साथ ही उन्होंने युवाओं को दलालों और फर्जी एजेंटों से सावधान रहने की सलाह दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियोजन मेला सरकारी स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, इसलिए किसी को पैसे देने की जरूरत नहीं है। अभ्यर्थी सीधे कंपनियों से संवाद करें। नियोजन मेला सुबह से शुरू होगा, जहां पंजीकरण की भी व्यवस्था की गई है। अधिकारियों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य जिले और राज्य के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। बता दें कि रोजगार की तलाश में भटक रहे युवाओं के लिए इस तरह के नियोजन मेले कारगर साबित हो रहे हैं।

ओबीसी गर्ल्स हॉस्टल +2 स्कूल में नामांकन

♦ 10 जनवरी से ऑनलाइन आवेदन, 1 मार्च को परीक्षा, 6–9 वीं की सीटें तय

निज संवाददाता। बांका

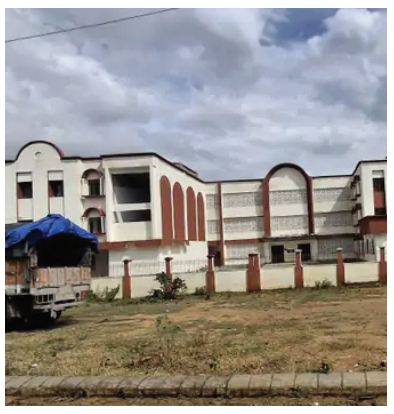

बांका में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 उच्च विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया 10 जनवरी 2026 से शुरू हो रही है। जिला कल्याण पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। इच्छुक और पात्र छात्राएं 10 जनवरी 2026 से 9 फरवरी 2026 तक विभागीय वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। जिला कल्याण पदाधिकारी के अनुसार, ऑनलाइन प्रवेश पत्र 15 फरवरी 2026 से 22 फरवरी 2026 तक डाउनलोड किए जा सकेंगे। प्रवेश परीक्षा 1 मार्च 2026 (रविवार) को होगी, जिसके परिणाम 13 मार्च 2026 को घोषित किए जाएंगे।

शैक्षणिक गतिविधियां 1 अप्रैल 2026 से शुरू होंगीः चयनित छात्राओं का नामांकन 16 मार्च 2026 से 23 मार्च 2026 तक होगा। विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियां 1 अप्रैल 2026 से शुरू होंगी।

प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगाः नामांकन कक्षा 6 से 9 तक के लिए लिखित वस्तुनिष्ठ परीक्षा के आधार पर होगा। यह परीक्षा कुल 100 अंकों की होगी, जिसमें 100 प्रश्न शामिल होंगे और प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। प्रश्नपत्र में हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान से 20-20 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित की गई है। विद्यालय में उपलब्ध सीटों का विवरण इस प्रकार हैः कक्षा 6वीं में 40 सीटें, कक्षा 7वीं में 6 सीटें, कक्षा 8वीं में 4 सीटें और कक्षा 9वीं में 4 सीटें।

6वीं के लिए आयु 10 से 13 वर्षः विभागीय नियमों के अनुसार, अभ्यर्थियों की आयु 1 अप्रैल 2026 को निर्धारित सीमा के भीतर होनी चाहिए। कक्षा 6वीं के लिए आयु 10 से 13 वर्ष, कक्षा 7वीं के लिए 11 से 14 वर्ष, कक्षा 8वीं के लिए 12 से 15 वर्ष और कक्षा 9वीं के लिए 13 से 16 वर्ष निर्धारित की गई है। निर्धारित आयु सीमा से बाहर के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन के समय अभ्यर्थियों को कुछ आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे। इनमें जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र (वार्षिक आय तीन लाख रुपये से कम), आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो और वर्तमान विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा जारी जन्मतिथि एवं कक्षा का प्रमाण पत्र शामिल हैं। ऑनलाइन आवेदन केवल विभागीय वेबसाइट https://bcebconline.bihar.gov.in के माध्यम से ही किया जाएगा।

पांच दिन का बौंसी मेला

निज संवाददाता। बांका

बांका जिले में बिहार का ऐतिहासिक और पूर्वी बिहार का सबसे बड़ा मंदार महोत्सव सह बौंसी मेला इस वर्ष भव्य रूप में आयोजित किया जा रहा है। यह मेला कई वर्षों बाद पांच दिवसीय होगा, जिसे लेकर क्षेत्र में उत्साह है। महोत्सव का उद्घाटन 14 जनवरी 2026 को दोपहर बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा संयुक्त रूप से करेंगे। यह आयोजन 18 जनवरी 2026 तक चलेगा, जिसमें सांस्कृतिक, खेल और मनोरंजन से जुड़े कई कार्यक्रम होंगे। उप मुख्यमंत्रियों के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और आयोजन समिति ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पूरे मेला क्षेत्र को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। साथ ही, सुरक्षा व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भारी भीड़ की संभावना के मद्देनजर प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं, ताकि श्रद्धालुओं और दर्शकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगेः इस भव्य आयोजन में बांका सांसद गिरधारी यादव, विधायक राम नारायण मंडल, मनीष कुमार, जयंत राज, मनोज यादव, पुरणलाल टुडू, विधान पार्षद डॉ. एनके यादव, विजय कुमार सिंह, संजीव कुमार सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष राजेन्द्र यादव, बौंसी प्रमुख नीतू हेम्ब्रम, नगर पंचायत बौंसी की मुख्य पार्षद कोमल भारती, उपमुख्य पार्षद गुंजन कुमारी, बांका के जिलाधिकारी नवदीप शुक्ला और पुलिस अधीक्षक उपेन्द्र नाथ वर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

मेडिकल कैंप और एंबुलेंस की व्यवस्था भी रहेगीः मेले में साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, शौचालय, पार्किंग और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए हैं। मेला परिसर में अस्थायी शौचालय, मेडिकल कैंप और एंबुलेंस की व्यवस्था की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के जरिए की जाएगी। यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए अलग-अलग रूट भी तय किए गए हैं।

बौंसी मेला से व्यापार में भी बढ़ोतरीः बौंसी मेला मैदान में झूले सज चुके हैं। झूलों की आवाज, रंग-बिरंगी रोशनियों और चहल-पहल से पूरा मेला परिसर गुलजार हो रहा है। झूले और मनोरंजन के अन्य साधन बच्चों से लेकर बड़ों तक के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। झूला-तमाशा शुरू होने से दुकानदारों में भी उत्साह देखा जा रहा है और व्यापार में तेजी आई है।

कबड्डी और रस्साकशी का आयोजनः इसी क्रम में चार दिवसीय मंदार खेल महोत्सव को लेकर सीएनडी मैदान में व्यापक तैयारी की गई है। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस खेल उत्सव में 14 जनवरी से 17 जनवरी तक विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी। पहले दिन शतरंज, फुटबॉल और पतंगबाजी, 15 जनवरी को खो-खो, कराटे और बैडमिंटन, 16 जनवरी को वॉलीबॉल व कुश्ती तथा 17 जनवरी को कबड्डी और रस्साकशी का आयोजन किया जाएगा।

प्रसिद्ध गायिका सुस्वाति मलिक प्रस्तुति देंगीः सांस्कृतिक कार्यक्रम भी मेले की शोभा बढ़ाएंगे। 14 जनवरी को वासिर देसाई (बॉलीवुड पार्श्व गायक) और प्रसिद्ध गायिका सुस्वाति मलिक प्रस्तुति देंगी। 15 जनवरी को स्थानीय कलाकारों के साथ वॉलीवुड पार्श्व गायिका कविता पौडवाल और प्रसिद्ध गायक सावन सावरे मंच संभालेंगे।

गायक राकेश कुमार सानू अपनी प्रस्तुति देंगेः 16 जनवरी को इंडियन आइडल फेम कपिल थापा, प्रसिद्ध गायिका सुमो श्री और गायक राकेश कुमार सानू अपनी प्रस्तुति देंगे। 17 जनवरी को अपराह्न में कवि सम्मेलन तथा संध्या में स्थानीय कलाकारों के कार्यक्रम होंगे।इस प्रकार ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों से सजा मंदार महोत्सव सह बौंसी मेला 2026 श्रद्धालुओं और दर्शकों के लिए यादगार बनने जा रहा है।

निर्मला को नेशनल जोनल में तीसरा स्थान

♦ हाई स्कूल बैंड टीम में 14 राज्यों को पछाड़ा, केंद्र सरकार ने नकद पुरस्कार दिया

निज संवाददाता। बांका

बांका जिले के बौंसी प्रखंड स्थित निर्मला बालिका उच्च विद्यालय, हरिमोरा की पाइप बैंड और ब्रास बैंड टीम ने राष्ट्रीय जोनल प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता में भारत के 14 राज्यों की टीमों ने भाग लिया था। केंद्र सरकार के द्वारा मिला नगद पुरस्कार। विद्यालय की छात्राओं ने अपने अनुशासन, तालमेल और संगीत कौशल से निर्णायकों को प्रभावित किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए केंद्र सरकार द्वारा विद्यालय को नकद राशि से सम्मानित किया गया है।

राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा का प्रदर्शन कियाः यह उपलब्धि छात्राओं की कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास और समर्पण का परिणाम है। विद्यालय के प्रशिक्षकों और शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन ने भी इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। छात्राओं ने सीमित संसाधनों के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

शिक्षा विभाग के प्रयासों का प्रमाणः इस अवसर पर गुणवत्ता शिक्षा पदाधिकारी मनोहर सिंह, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (SSA) राजकुमार राजू और जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO), बांका देवनारायण पंडित ने विद्यालय की छात्राओं, प्रशिक्षकों और शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि जिले की बालिकाओं की प्रतिभा और शिक्षा विभाग के प्रयासों का प्रमाण है। बांका शिक्षा विभाग ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आशा जताई कि भविष्य में भी जिले की छात्राएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगी। इस पुरस्कार से विद्यालय के शिक्षकों सहित जिले में हर्ष का माहौल है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

क्या भारतीय रेल में सचमुच बेहतर हो रहा है सफर?

भारत में रेल सेवा आर्थिक विकास के साथ-साथ आम लोगों के सफर को आसान और सुगम बनाने की जीवन रेखा मानी जाती है। लंबी यात्रा के लिए रेलगाड़ियां ही एकमात्र किफायती साधन हैं। देश में रेल नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण को लेकर एक तरफ सरकार की ओर से नई-नई घोषणाएं और दावे किए जाते हैं, तो दूसरी ओर रेलगाड़ियों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव जस का तस बना हुआ है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रेलगाड़ियों में साफ-सफाई की माकूल व्यवस्था न होने की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं।रेल मदद पोर्टल पर दर्ज इस तरह की शिकायतों में सितंबर 2025 की तुलना में अक्तूबर और नवंबर में लगभग पचास फीसद की वृद्धि देखी गई है। इससे स्पष्ट है कि व्यवस्थागत खामियों और सरकारी अमले में विभिन्न स्तर पर लापरवाही की वजह से यात्रियों को सफर के दौरान कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जबकि रेल किराए में सरकार जब चाहे बढ़ोतरी कर देती है। सवाल है कि किराए में वृद्धि के साथ क्या सुविधाओं में भी सुधार नहीं होना चाहिए? जब मौजूदा सुविधाएं ही बेहाल हों, तो ऐसे में आधुनिकीकरण के दावों का क्या औचित्य रह जाता है। गौरतलब है कि कैग की वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 की एक रपट में भी लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में साफ-सफाई की व्यवस्था पर सवाल उठाए गए थे। इसमें कहा गया था कि इस व्यवस्थागत खामी के लिए संबंधित अधिकारियों की लापरवाही भी जिम्मेदार है। इसके अलावा साफ-सफाई से जुड़े रेल कर्मियों का अभाव और इस कार्य के लिए साजो-सामन की कमी की ओर भी इशारा किया गया था। हालांकि रेलवे ने कुछ खास स्टेशनों पर रेलगाड़ियों के शौचालय, दरवाजे और कुछ अन्य हिस्सों की सफाई मशीनों से करने की योजना लागू की है, इसके बावजूद व्यवस्था में अपेक्षाजनक सुधार नजर नहीं आता है। रेलवे मंत्रालय की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, रेल मदद पोर्टल पर सितंबर 2025 में चादर और कंबल से संबंधित 8,758 शिकायतें मिली थीं, जो अक्तूबर में बढ़ कर 13,406 और नवंबर में 13,196 हो गईं। इसी तरह डिब्बों की स्वच्छता से जुड़ी शिकायतें सितंबर 2025 में 24,758 थीं, जो अक्तूबर में बढ़ कर 33,804 और नवंबर में 36,673 हो गईं।

पहली लोहड़ी पर नवविवाहित न करें ये गलतियां, अशुभ प्रभाव से बिगड़ सकता है त्योहार

लोहड़ी 2026 नवविवाहित जोड़ों के लिए विशेष महत्व रखती है; जानें पहली लोहड़ी पर क्या करें और किन गलतियों से बचें। इस लेख में शुभ मुहूर्त के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों की जानकारी दी गई है, जिससे आपका यह दिन यादगार बन सके। लोहड़ी मुख्य रुप से पंजाबी फेस्टिवल है। भारत के कई राज्य में इस त्योहार को उत्साह और धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व नई शुरुआत और खुशियों का प्रतीक है। यह त्योहार छोटों से लेकर बड़ों के लिए खुशियों से भरा हुआ होता है। हर कोई इस पर्व के लिए काफी उत्सुक रहता है। यदि जिस घर में नई शादी हुई हो, वहां इस पर्व का महत्व दोगुना हो जाता है। नवविवाहित जोड़े के लिए लोहड़ी केवल एक त्योहार ही नहीं, बल्कि अपनी पर्व को और भी यादगार बनाने का अवसर है। इस त्योहार को 13 जनवरी को मनाया जाएगा। यदि आप भी न्यूली मैरिड है और यह आपकी पहली लोहड़ी है, तो इस दिन कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना काफी जरुरी है। वरना ये आपके दिन का मजा खराब भी कर सकता है। आइए आपको बताते हैं किन बातों पर ध्यान रखना है। हर साल की भांति इस वर्ष भी लोहड़ी का त्योहार 14-15 जनवरी, को मनाया जाएगा। वहीं लोहड़ी संक्रांति का क्षण 14 जनवरी 2026 को दोपहर 3.13 बजे शुरु होगा।

इन बातों का रखें ध्यान

* लोहड़ी के दिन बहुत ही ज्यादा सादे या काले और सफेद रंग के कपड़े पहनने से बचें। भारतीय परंपरा में शुभ अवसरों पर काला रंग वर्जित माना जाता है।
*लाल, मैजेंटा, पीला या नारंगी जैसे रंगों का चयन करें। पारंपरिक कपड़े जैसे फुलकारी या भारी सूट दिन की रौनक बढ़ा देते हैं।
*लोहड़ी की पवित्र अग्नि में तिल, गुड़ रेवड़ी और मूंगफली अर्पित की जाती है। अक्सर होता है कि लोग अनजाने में मूंगफली या रेवड़ी खाते-खाते उसी बर्तन से अग्नि में सामग्री डाल देते हैं।

वैसे इस कानून के दुरूपयोग की चिंता भी जताई जा रही है। चीनी संविधान और जातीय स्वायत्तता व्यवस्था के तहत, स्वायत्त क्षेत्रों मसलन, तिब्बत, शिनजियांग, इनर मंगोलिया, गुआंग्शी, निंग्शिया आदि को क्षेत्रीय स्वायत्तता कानूनों के अनुसार, सरकारी कार्यों, शिक्षा और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में राष्ट्रीय भाषा के साथ-साथ एक या अधिक स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल का प्रावधान है। लेकिन शी चिनफिंग के शासन में ये प्रावधान कमज़ोर होते गए हैं। इसका असर तिब्बत में दिखता है।

चीन से क्या हम भाषायी बोध सीख सकते हैं

(उमेश चतुर्वेदी)

भाषायी चिंतन और व्यवहार को लेकर भारत और चीन को लेकर तकरीबन एक ही सोच है। भारत में एक मानस ऐसा है, जिसे हिंदी की कीमत पर भी पर अंग्रेजी स्वीकार्य है। यह धारा मानती है कि वेगवान आर्थिक विकास की वजह से चीन का भाषायी व्यवहार भी इसी भारतीय मानस की तरह बदल चुका है। बेशक चीन ने अंग्रेजी सीखने-सिखाने की दिशा में भरपूर निवेश किया है। अपनी आर्थिक ताकत के चलते पश्चिम के नामी विश्वविद्यालयों में चीनी सत्ता प्रतिष्ठान अपने लिए अध्ययन पीठ स्थापित कर चुका है। गौर करने की बात है कि उसने यह सब अलग और अतिरिक्त अनुशासन और ज्ञान के साधन के तौर पर किया है, भारत की तरह अपनी भाषा, विशेषकर हिंदी की कीमत पर ऐसा नहीं किया है। अंग्रेजी का पहला वैश्विक विस्तार ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के दौर में हुआ और दूसरी बार उसका प्रसार रीगन-थैचर की जोड़ी के आर्थिक उदारीकरण के बढ़ते कदमों के साथ हुआ। इस संदर्भ में चीन और भारत के भाषायी चिंतन और व्यवहार फर्क साफ नजर आता है। पिछली सदी के अस्सी के दशक में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख देंग झिआओपिंग ने आर्थिक खुलेपन की नींव रखी। यह 1978 का साल था। इसके ठीक दो साल बाद भारत में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी हुई और उन्होंने भी धीरे-धीरे इंस्पेक्टर राज कम करने की शुरूआत की। उनकी उदारीकरण की सोच को राजीव गांधी ने परवान चढ़ाया। 1991 के आम चुनावों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने पहली बार समाजवादी आर्थिक नीतियों के बरक्स उदारीकरण का वादा किया। तब से अब तक की दोनों देशों की आर्थिक विकास यात्रा को देखें तो अंतर साफ नजर आता है। चीन आज अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। उसकी तेज आर्थिक यात्रा के समानांतर अंग्रेजी का विस्तार नहीं दिखता। जबकि भारत में इसके ठीक उलट नजारा दिखता है। उदारीकरण के बरक्स दोनों देशों के भाषायी चिंतन में भी फर्क नजर आता है। यह फर्क ही है कि चीन अब अपनी मंदारिन भाषा और उसकी लिपि को लेकर सितंबर महीने के तीसरे हफ्ते को समर्पित कर रहा है। चीन की सर्वोच्च विधि निर्माता संस्था 'राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा' की स्थाई समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह' के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इस कानून में दोनों तरह की भाषाओं का ध्यान रखा गया है। चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो-विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। चीन का भाषायी कानून इन सबमें इस्तेमाल होने वाली भाषा के साथ कदमताल करने का प्रयास है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है। इस कानून में साइबरस्पेस प्रशासन को लेकर भी व्यवस्था की गई है। इसके तहत अब ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वेब सीरीज, ऑनलाइन फिल्मों, ऑनलाइन गेम और अन्य डिजिटल प्रकाशनों में मानक चीनी भाषा यानी मंदारिन और मानकीकृत चीनी अक्षरों को मूल भाषा के रूप में उपयोग करना जरूरी होगा। इसके साथ ही चीन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, कॉन्फ्रेंस, इवेंट्स आदि के साइनबोर्ड, लेबल या प्रमोशनल मैटीरियल में विदेशी भाषाओं के साथ ही मानक चीनी भाषा भी शामिल करने पर जोर दिया गया है। इसकी तुलना में भारतीय राष्ट्रभाषा और आधुनिक प्रौद्योगिकी संग उसके तालमेल पर नजर डालें साफ फर्क नजर आता है। भारत अब भी राष्ट्रभाषा से दूर है। हिंदी को राष्ट्रभाषा मानने वाली ताकतों के सुर भी अब धीमे पड़ते जा रहे हैं। लेकिन चीन अपने आर्थिक उदारीकरण के बावजूद अपनी भाषा की ओर लौटता नजर आ रहा है। इसके साथ ही चीन के भाषायी आंकड़ों पर भी नजर डालना जरूरी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी मंदारिन बोल सकती है। चीन में करीब 97.33 प्रतिशत लोग साक्षर हैं। इनमें करीब 95 प्रतिशत से ज़्यादा लोग मानक चीनी अक्षरों का प्रयोग करते हैं। चाइना इंटरनेट नेटवर्क इन्फॉर्मेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बीते जून तक चीन में एक अरब 12 करोड़ से ज़्यादा इंटरनेट यूज़र थे। इसी रिपोर्ट के अनुसार, चीन में इंटरनेट इस्तेमाल की दर 79.7 प्रतिशत तक पहुँच गई है। भाषायी कानून में इन आंकड़ों के मद्देनजर सरकारी और पब्लिक सर्विस वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के लिए भी सरकारी नियमों और मानकों के अनुसार, राष्ट्रीय मानक भाषा का इस्तेमाल जरूरी हो गया है। इस कानून का लक्ष्य चीनी राष्ट्र के प्रति मजूबत सामुदायिक भावना का विकास और सांस्कृतिक आत्मविश्वास की मज़बूती है। कानून इस बात पर भी ज़ोर देता है कि बोली और लिखी जाने वाली मानक चीनी भाषा के इस्तेमाल का मकसद राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और जातीय एकजुटता बनाना होना चाहिए। यह कानून शिक्षा में भी मानक चीनी भाषा की भूमिका पर ज़ोर देता है। कानून के अनुसार, शिक्षण और पाठ्य सामग्री में मानक मंदारिन ही बुनियादी भाषा होगी। यह भारत की नई शिक्षा नीति जैसा ही है, जिसमें प्राथमिक स्तर पर भारतीय भाषाओं के जरिए शिक्षण पर जोर दिया गया है। इस कानून के तहत संस्कृति, पर्यटन और ट्रांसपोर्ट जैसे सेक्टर में सर्विस देने वाले कर्मचारियों के लिए मानक मंदारिन जानना जरूरी होगा। इस कानून में मानक चीनी सीखने या प्रयोग में बाधा डालने पर सजा का प्रावधान भी है।

सड़कों पर खून, अस्पतालों में लाशों के ढेर, ईरान के खौफनाक मंजर देखकर दुनिया हैरान है!

(एकता)

ईरान में महंगाई के खिलाफ शुरू हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया है, जिसमें सुरक्षा बलों की कार्रवाई से 216 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। देश के अस्पतालों में शवों और घायलों की भीड़ है, जबकि सरकार ने प्रदर्शनकारियों को 'विनाशकारी तत्व' बताते हुए पीछे न हटने की चेतावनी दी है। ईरान में चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शन अब हिंसक और दर्दनाक मोड़ ले चुके हैं। मेडिकल कर्मियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने जो खबरें दी हैं, वे रूह कपा देने वाली हैं। बताया जा रहा है कि देश के अस्पतालों में घायलों और शवों की इतनी भीड़ है कि मुर्दाघरों में जगह कम पड़ गई है। अस्पतालों के खौफनाक हालात ईरान के अलग-अलग शहरों से मिल रही रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में बड़ी संख्या में युवा प्रदर्शनकारी मारे जा रहे हैं। यहां के पोरसीना अस्पताल में एक ही रात में 70 शव लाए गए। मुर्दाघर भरने के बाद शवों को अस्पताल के प्रार्थना कक्ष में जमीन पर एक के ऊपर एक रखना पड़ा। तेहरान के डॉक्टरों ने बताया कि मरने वाले ज्यादातर 20 से 25 साल के युवा हैं। उनके सिर और दिल में सीधे गोलियां मारी गई हैं। स्थिति इतनी खराब थी कि कई लोगों को इमरजेंसी बेड तक पहुंचने से पहले ही मृत घोषित कर दिया गया। काशान और शिराज जैसे शहरों से खबर है कि प्रदर्शनकारियों की आंखों में गोलियां मारी गई हैं। घायलों की संख्या इतनी ज्यादा है कि अस्पतालों में ऑपरेशन करने के लिए सर्जन कम पड़ गए हैं। इंटरनेट बंद रिपोर्टों के अनुसार, अब तक 110 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और लगभग 2,600 लोगों को जेल में डाल दिया गया है। पिछले चार दिनों से ईरान में इंटरनेट लगभग पूरी तरह बंद है, जिससे वहां की सटीक जानकारी बाहर आने में बहुत मुश्किल हो रही है। क्यों जल रहा है ईरान? यह विरोध प्रदर्शन करीब दो हफ्ते पहले महंगाई और खराब आर्थिक स्थिति के खिलाफ तेहरान से शुरू हुआ था, जो अब 100 से ज्यादा शहरों में फैल चुका है। लोग अब सरकार को हटाने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कई सरकारी इमारतों और गाड़ियों में आग लगा दी है। सरकार का कड़ा रुख ईरान के सर्वोच्च नेता ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि यह सरकार लाखों लोगों के खून से बनी है और वह किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को 'विनाशकारी तत्व' बताते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही है। सेना ने भी घोषणा की है कि वह पुलिस के साथ मिलकर प्रदर्शनों को कुचलेगी। ईरान के पूर्व राजा के बेटे रजा पहलवी ने प्रदर्शनकारियों का हौसला बढ़ाया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे शहरों के मुख्य केंद्रों पर कब्जा करें और कहा कि वह जल्द ही ईरान लौट सकते हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5973

	4			1				9
	7			6		1		
1	6	3	9					8
	3					2		
	5		7		2		1	
		6					3	
6					5	8	9	2
		5		2			6	
9				8			4	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5972

6	9	5	4	7	3	2	1	8
7	3	4	8	2	1	5	6	9
2	8	1	6	9	5	7	3	4
8	1	2	5	3	9	4	7	6
4	6	7	2	1	8	9	5	3
3	5	9	7	6	4	8	2	1
1	7	3	9	4	2	6	8	5
9	2	8	1	5	6	3	4	7
5	4	6	3	8	7	1	9	2

वर्ग पहेली 5973

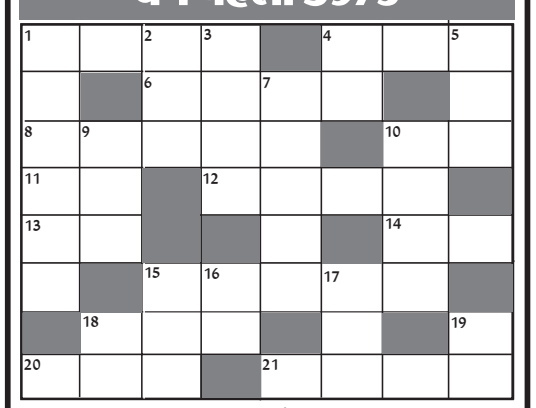

संकेत: बाएं से दाएं

1. विश्व की सबसे लंबी बस इस देश में है 76 फीट लंबी और 11 टन भारी है जिसमें 121 यात्री बैठ सकते है (4)
4. महर्षि उदाल की पुत्री (पुराणानुसार) 1959 की बिमलराय की सफल फिल्म जिसमें सुनीलदत्त, नूतन आदि की भूमिकाएं थी (3)
6. ऐसी घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
8. सलीकामंद, तहजीब वाला (उर्दू)(5)
10. बुलाने वाले के पास पहुंचना (2)
11. अति अनुभवी, परिष्कृत (2)
12. इस्लामी नवं महीना जिसमें मुस्लिम दिनभर रोजा रखते है और रात में रावीह पढ़ते है (4)
13. पुशस्तन, आपीन (2)
14. राजद्रोही, बगावत करने वाला (2)
15. मान-सम्मान करने वाला, इज्जत करने वाला (3)
18. व्यवधान, रोक, अड़चन (3)
20. किसी वी.आई पी के आने पार की गई बंदूकों की फैर (3)
21. मेघाच्छन होना, बदले का काम दूसरे से कराना (4)

ऊपर से नीचे

1. चौथा देवासुर-संग्राम जिसे वासुकि नाग को मंथन रज्जु बनाकर समुद्र मंथन गया था (6)
2. रस्म, प्रथा, रीति (3)
3. पुरानी फिल्मों के अभिनेता, निर्देशक और निर्माता (सिर्फ उपनाम) (1904-1989)(4)
4. पुत्र, बेटा (2)
5. भवसागर से पार उतरना (3)
7. दायित्व, कार भार, जिम्मा, ठेका (5)
9. जोड़फल, परिकलन (3)
10. मान-प्रतिष्ठा, वैभव, सजधज (4)
15. कलम संबंधी, हस्तलिखित (3)
16. समूह, गुट, गिरोह (2)
17. भारत के गुजरात राज्य का एक छोटा नगर (8)
18. निर्वात, शून्य स्थान, पोल (2)
19. यह देश पश्चिम अफ्रीका में स्थित है (2)

वर्ग पहेली 5972 का हल

त्रि	श	ला	नं	द	न		
का	र	ज		ह	म	श	वल
ल	ब		श	श	क		र्क
	त	ह	म	त		द्वा	
आ			ए		आ	प	गा
स	र	ग	म		न	र	
पा			जा	पा	न		सो
स	र	दा	र			आ	न

आज का राशिफल

मेष

आज किसी से कोई बड़ा वादा करने से फिलहाल बचना होगा। कुछ लोग आपकी इसी भलाई का फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। इस दौरान आपको कामकाज में भावनाओं के बजाय समझदारी से फैसलों को लेना होगा। कोई नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना नजर आ रही है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से तालमेल बनाए रखने से आपको लाभ होगा।

वृष

आज के दिन आपको कार्यक्षेत्र में कुछ अधिक जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। नौकरीपेशा लोग नया प्रोजेक्ट मिलने से व्यस्त रहेंगे। घर-परिवार से जुड़ी जिम्मेदारियां भी बढ़ती हुई दिख सकती हैं। ऐसे में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके काफी काम आ सकती है।वहीं, ऑफिस में बॉस से आपको तारीफ भी मिल सकती है।

मिथुन

आज दिन भागदौड़ भरा रहने वाला है। चलते-फिरते आपको किसी अपने की मदद करनी पड़ सकती है। काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखना आपके लिए जरूरी रहेगा। ऐसे में सूझबूझ और बातचीत से मुश्किल हालात से बाहर निकाला जा सकता है।

तुला

आज महत्वपूर्ण फैसलों में सावधानी बरतनी होगी। जल्दबाजी में लिया गया कार्यक्षेत्र में शांत दिमाग से काम करना आपके लिए लाभदायक रहेगा। मन में चल रही कोई बात दबाने के बजाय दूसरों से साझा करना आपके हित में रहेगा। दूसरों की भलाई के बारे में सोचने से पहले अपनी स्थिति को भी समझना जरूरी होगा।

वृश्चिक

आज नई नौकरी या नया कारोबार शुरू करने का विचार बना सकते हैं। आपके आसपास के लोगों की सलाह और सहयोग आपके काम आएगा। अपनी योजनाओं को लंबे समय तक टालने के बजाय उन पर काम करें। सोच-समझ कर लिया गया फैसला लाभकारी सिद्ध होगा। आज किया गया प्रयास आने वाले दिनों में मजबूत आधार तैयार कर सकता है।

धनु

आज संक्रांति पर्व के चलते धार्मिक यात्रा कर सकते हैं। काम को लेकर थोड़ी तेजी दिखाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। लापरवाही या आलस से नुकसान होने की संभावना है। ऐसे में जिस मौके का आप इंतजार कर रहे हैं, वह आपके हाथ से निकल सकता है। इसलिए फैसलों में देरी करने से बचें। अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार काम खत्म करने की कोशिश करें।

कर्क

आज किसी के प्रस्ताव को लेकर फैसला लेना पड़ सकता है। भावनाओं में बहकर कोई ऐसा कदम न उठाएं, जो आगे चलकर परेशानी का कारण बने। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव करने की जरूरत पड़ सकती है। आगे चलकर ये फैसला आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। पुराने तरीकों की जगह नए तरीके अपनाने से आपको मुनाफा होगा।

सिंह

आज अगर आप किसी असमंजस में पड़ सकते हैं। ऐसे में अपनी स्थिति साफ कर देना आपके लिए बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में भी स्पष्ट संवाद आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बाद में कोई आपसे ऐसी उम्मीद न रखे जिसे निभाना मुश्किल हो जाए। रिश्तों और काम दोनों में संतुलन बनाए रखना आपके लिए चुनौती हो सकता है।

कन्या

आज आपको अपने आसपास के माहौल पर खास नजर रखनी होगी। कार्यक्षेत्र में चल रही गतिविधियां आपके फैसलों से प्रभावित हो सकती हैं। कोई प्रतिद्वंद्वी आपकी योजनाओं पर नजर रखे हुए हैं। ऐसे में हर कदम सोच-समझकर ही उठाएं। घबराने की बजाय शांत मन से फैसले लें।

मकर

आज किसी पुराने वादे को पूरा करने का अच्छा मौका मिल सकता है। अगर आपने किसी काम को लंबे समय से टाल रखा है, तो अब उसे निपटाने में ही समझदारी है। मकर संक्रांति पर पवित्र नदियों में डुबकी लगाने जा सकते हैं।आप मामले को जितना लटकाएंगे, आगे चलकर उतनी ही मुश्किल खड़ी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में भी अधूरे काम पूरे करने पर ध्यान दें।

कुंभ

आज काफी समय बाद आपकी दिनचर्या में बदलाव देखने को मिल सकता है। सुबह से ही धार्मिक वातावरण रहेगा ,अगर आपको कोई नया पद या जिम्मेदारी मिल रही है तो उसे स्वीकार करने में ज्यादा सोच-विचार न करें। यह अवसर आपके लिए तरक्की का रास्ता खोल सकता है। शुरुआत में दबाव महसूस हो सकता है, लेकिन धीरे-धीरे आप खुद को इस भूमिका में सहज पाएंगे। वरिष्ठों का भरोसा आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा।

मीन

आज आपको किसी कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। लोगों के बीच आपकी मौजूदगी सबका ध्यान खींचेगी। हालांकि दिखावे से बचना ही बेहतर रहेगा। किसी ऐसे व्यक्ति से तुलना न करें जो केवल शान दिखाने में लगा हो। अपने स्वभाव और काम पर भरोसा रखें। कार्यक्षेत्र में आपकी विनम्रता और समझदारी आपको अलग पहचान दिलाएगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी कार्यालय, जय हिन्द कॉलोनी नाला पर, आरा, जिला भोजपुर (बिहार) से प्रकाशित संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, स्थानीय संपादक- साकेत अम्बष्ट, -9934957121, 7766886433, E-mail : svvaara@gmail.com, RNI-BIHHIN/2017/72765

संक्षिप्त समाचार

बोकारो थर्मल में 48 घंटे में दो बाइक की चोरी

बोकारो, एजेंसी। बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र की डीवीसी कॉलोनी से 48 घंटे में दो बाइक की चोरी हो गयी। सोमवार को फुसरो के सिंहनगर तीन नंबर धौड़ा निवासी संतोष कुमार बासफोर का पुत्र शिवम कुमार बोकारो थर्मल स्वामी विवेकानंद मैदान वीडियो रील बनाने पहुंचा। मैदान के बाहर बाइक (जेएच 09 एबी 6936) खड़ी कर दोपहर एक बजे मैदान के अंदर गया। डेढ़ घंटे बाद लौटा तो बाइक नहीं मिली। इधर, कथारा एक नंबर कॉलोनी निवासी अरुण कुमार पासवान शनिवार की शाम लगभग सात बजे कथारा से बोकारो थर्मल पहुंचे।

सबसे कम मैपिंग वाले बूथों का निरीक्षण

धनबाद, एजेंसी। जिले में एसआइआर के तहत प्री एसआइआर सह बीएलओ मैपिंग का काम चल रहा है। इसको लेकर धनबाद विधानसभा के इआरओ सह अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे ने सोमवार को जिले के सबसे कम मैपिंग वाले मतदान केंद्र 142, 145 व 146 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तीनों बूथ के बीएलओ व बीएलओ पर्यवेक्षक को सभी मतदाताओं की मैपिंग में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही, एएसडी सूची तैयार करने, मतदाताओं के ब्लैक एंड व्हाइट एवं अस्पष्ट फोटो को चिह्नित करते हुए बीएलओ एप से रंगीन फोटो अपडेट करने, डेमोग्राफिक इंट्री का डेटा बीएलओ एप में जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा फॉर्म छह, सात व आठ का प्रतिदिन फील्ड वेरिफिकेशन करने का निर्देश दिया। इस दौरान बीएलओ पर्यवेक्षक सियाराम राय, बीएलओ अनीति टुडू, सुधा कुमारी व सरोज देवी तथा निर्वाचन प्रभारी बिनोद कुमार सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर सजल मंडल मौजूद थे।

बिष्टुपुर में भाजपाइयों ने स्वामी विवेकानंद को किया याद

जमशेदपुर, एजेंसी। बिष्टुपुर भाजपा मंडलाध्यक्ष मारुति नंदन पांडेय की अध्यक्षता में राम कृष्ण मिशन स्कूल में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। पिछड़ा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राजकुमार साह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गाय। मारुति नंदन पांडेय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं को जागरूक, आत्मनिर्भर और चरित्रवान बनाने की प्रेरणा देते हैं। उनकी कथनी युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। इसी मार्ग में चलकर हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार कर पाएंगे।

8,000 घरों को नोटिस देने पर जेबा खान ने जताया विरोध, कहा समीक्षा जरूरी

जमशेदपुर, एजेंसी। मानगो नगर निगम द्वारा आठ हजार से अधिक घरों को होल्डिंग टैक्स के लिए नोटिस जारी किये जाने को लेकर सियासत गरमा गयी है। मेयर पद की प्रत्याशी जेबा खान ने नगर निगम के फैसले को इसे जनता के साथ 'खुला अन्याय और मानसिक प्रताड़ना' बताया है। उन्होंने कहा कि पहले बढ़ी हुई दर पर टैक्स वसूला गया, फिर सरकार द्वारा फैसला वापस लेने के बाद भी जनता को अतिरिक्त पैसा लौटाया नहीं गया। वहीं, अब हजारों लोगों को नोटिस भेजकर डराया जा रहा है। जेबा खान ने सवाल उठाते हुए कहा कि निगम निगम टैक्स वसूली में तेज है, जबकि सुविधाएं देने में जीरो है। जिस काम के लिए होल्डिंग टैक्स वसूला जाता है, वह जमीन पर कहीं दिखायी नहीं देता। उन्होंने पूछा कि क्या मानगो में नालियों की नियमित सफाई हो रही है। क्या डोर-टू-डोर कचरा उठाव की व्यवस्था सुचारु है। ड्रेनेज सिस्टम क्यों नहीं सुधरा। क्या सड़कों के गड्ढे भरे गये हैं। जेबा खान ने कहा कि अगर वह मेयर बनीं तो सबसे पहले टैक्स व्यवस्था की समीक्षा करायेंगी, बिना सुविधा दिए टैक्स वसूली की इस नीति को खत्म किया जायेगा।

नियमों के उल्लंघन में 29,933 वाहनों का कटा चालान

धनबाद, एजेंसी। यातायात पुलिस ने वर्ष 2025 में सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाते हुए 29933 वाहनों पर कार्रवाई की। ट्रैफिक पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर नकेल कसते हुए न सिर्फ अधिक संख्या में चालान काटे बल्कि चालान की कुल राशि भी पिछले वर्ष की तुलना में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच पहुंचायी। वर्ष 2024 में जिले में कुल 21,715 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए तीन करोड़ 23 लाख आठ हजार 151 रुपये का चालान काटा गया। वहीं वर्ष 2025 में जांच और कार्रवाई का दायरा बढ़ाये जाने के कारण 29,933 वाहनों से पांच करोड़ 58 लाख 79 हजार एक रुपये का चालान काटा गया। एक ही वर्ष में 8,218 अतिरिक्त वाहनों पर कार्रवाई करते हुए दो करोड़ 35 लाख 70 हजार 850 रुपये अधिक चालान काटा गया। चालान की राशि पिछले वर्ष की तुलना में 1।5 गुना से ज्यादा रही। यातायात पुलिस के अनुसार वर्ष 2025 में कई नियमों के उल्लंघन में सबसे ज्यादा कार्रवाई हुई। इसमें बिना हेलमेट वाहन चलाने पर 5,613 वाहन का चालान काटा गया। बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने पर 3,404 वाहन, गलत पार्किंग में 3,111 वाहन, काला शीशा लगाकर वाहन चलाने पर 1,168 वाहन, दोपहिया वाहन पर तीन सवारी करने पर 532 वाहन, शराब पीकर गाड़ी चलाने पर 250 वाहन, बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने पर 248 वाहन तथा विपरीत दिशा में वाहन चलाने पर 69 वाहनों का चालान काटा गया।

झारखंड में होली से पहले नगर निकाय चुनाव:24-27 फरवरी के बीच मतदान

48 निकायों में एक ही दिन वोटिंग, गवर्नर की मिली मंजूरी

रांची, एजेंसी। झारखंड में लंबे समय से लंबित नगर निकाय चुनाव को लेकर बड़ी तस्वीर साफ हो गई है। राज्य के 48 नगर निकाय क्षेत्रों में चुनाव फरवरी महीने में कराए जाएंगे। मतदान 24 से 27 फरवरी के बीच किसी एक दिन कराया जाएगा, जबकि मतगणना 28 फरवरी या 1 मार्च को होने की संभावना है। सभी नगर निकायों में एक ही दिन मतदान कराया जाएगा और होली से पहले पूरी चुनावी प्रक्रिया समाप्त कर ली जाएगी।

राज्य चुनाव आयोग के प्रस्ताव पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंजूरी दे दी है। यह प्रस्ताव तीन दिन पहले, 9 जनवरी को आयोग की ओर से भेजा गया था। स्वीकृति के बाद इसे मुख्य सचिव के माध्यम से राज्य चुनाव आयोग को भेजा जाएगा, जिसके बाद राज्य चुनाव आयुक्त अलका तिवारी औपचारिक रूप से चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करेंगी।

20 जनवरी के बाद कभी भी हो सकती है घोषणा

राज्य निर्वाचन आयोग 20 जनवरी के बाद किसी भी दिन नगर निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी कर सकता है। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार नामांकन प्रक्रिया सात दिनों तक चलेगी। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच होगी और दो दिन बाद नामांकन वापसी की अंतिम तिथि तय की जाएगी। नामांकन वापसी के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित

किए जाएंगे।

हाईकोर्ट के सख्त निर्देशों को देखते हुए आयोग पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की तैयारी में है। कोर्ट ने राज्य सरकार को 31 मार्च से पहले नगर निकाय चुनाव संपन्न कर उसकी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। इसी कारण चुनाव आयोग ने फरवरी में मतदान कराकर मार्च की शुरुआत में मतगणना कराने का रोडमैप तैयार किया है।

चुनाव के बाद डिप्टी मेयर और उपाध्यक्ष का होगा चयन

नगर निकाय चुनाव के बाद विभिन्न नगर निगमों में डिप्टी मेयर तथा नगर परिषद और नगर पंचायतों में उपाध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। इस चुनाव में नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद हिस्सा लेंगे।

जीते हुए वार्ड पार्षदों में से ही डिप्टी मेयर या उपाध्यक्ष का चयन मतदान के जरिए किया जाएगा। इस तरह फरवरी-मार्च में न केवल निकायों के वार्ड प्रतिनिधि चुने जाएंगे, बल्कि स्थानीय शहरी सरकार का पूरा ढांचा भी आकार ले लेगा। लंबे समय से जनप्रतिनिधियों के बिना चल रहे नगर निकायों को इससे स्थायी नेतृत्व मिलेगा।

ट्रिपल टेस्ट के बाद पहली बार हो रहा निकाय चुनाव

यह नगर निकाय चुनाव कई मायनों में खास है। ट्रिपल टेस्ट पूरा होने के बाद राज्य में पहली बार नगर निकाय चुनाव कराए जा रहे हैं। इन 48 निकायों में 9 नगर निगम, 20 नगर परिषद और 19 नगर पंचायत शामिल हैं। यहां वर्ष 2020 से ही चुनाव लंबित थे। उस समय कोरोना महामारी के कारण सरकार ने निकाय चुनाव स्थगित कर दिए थे। बाद में ओबीसी आरक्षण और ट्रिपल टेस्ट को लेकर निर्णय में देरी होती रही। अंततः हाईकोर्ट के हस्तक्षेप और समय सीमा तय करने के बाद चुनाव की प्रक्रिया आगे बढ़ी। इसी बीच राज्यपाल ने विधानसभा के बजट सत्र के कार्यक्रम को भी मंजूरी दे दी है, जिससे सरकार और चुनाव आयोग दोनों के लिए आगे की कार्यवाही का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

रांची के युवक-युवती के कोर्ट मैरिज से तनाव, लोगों ने थाना और ओवरब्रिज पर किया जमकर हंगामा

खलारी, एजेंसी। खलारी की एक हिन्दू युवती और मुस्लिम युवक तौफिक अंसारी के विवाह की सूचना को लेकर रविवार को खलारी में दिनभर तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। मामला उस समय तूल पकड़ गया जब लोगों को जानकारी मिली कि शनिवार को युवक-युवती को साथ लेकर खलारी थाना पहुंचा था। जानकारी मिलते ही युवती के स्वजन और आक्रोशित ग्रामीण रविवार को खलारी थाना पहुंचे और हंगामा करते हुए युवती को वापस बुलाने की मांग करने लगे।

पुलिस की ओर से तत्काल कोई ठोस पहल नहीं होते देख आक्रोशित ग्रामीण थाना परिसर से निकलकर खलारी ओवरब्रिज पहुंचे और मुख्य सड़क को जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण आवागमन कुछ समय के लिए बाधित रहा। ग्रामीण युवती को थाना लाने की मांग पर अड़े रहे।

पुलिस द्वारा युवती को लाने का आश्वासन दिए जाने के बाद भीड़ ओवरब्रिज से हटकर पुनः खलारी थाना पहुंच गई। बढ़ती भीड़ और तनाव को देखते हुए थाना परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। कई घंटे के इंतजार के बाद पुलिस युवती को खलारी थाना लेकर पहुंची। इसके बाद स्वजन युवती को समझाने-बुझाने में जुट गए।

इधर, शनिवार को थाना पहुंचे मुस्लिम युवक तौफिक ने पुलिस को बताया कि उसने युवती से पुरुलिया (पश्चिम बंगाल) कोर्ट में विवाह कर लिया है। हालांकि, युवती के स्वजन इस दावे को सिरे से खारिज कर रहे हैं।

स्वजनों का कहना है कि जिस तारीख को विवाह की बात कही जा रही है, उस दिन युवती खलारी स्थित अपने घर पर ही मौजूद थी। पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं।

हिन्दू युवती और मुस्लिम युवक के विवाह को लेकर खलारी के हिन्दू संगठनों के कुछ नेताओं ने इसे 'लव जेहाद' से जुड़ा मामला बताया है।

बीएसएल में कोल ब्लेंड कैटेलिस्ट डोज़िंग स्टेशन का उद्घाटन

तकनीकी नवाचार से कोक गुणवत्ता और उत्पादकता को मिलेगा नया आयाम

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र ने परिचालन उत्कृष्टता और तकनीकी नवाचार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। कोक एवं कोल केमिकल्स विभाग के कोल हैंडलिंग प्लांट में नव-स्थापित कोल ब्लेंड कैटेलिस्ट डोज़िंग स्टेशन का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (कोक एवं कोल केमिकल्स) भास्कर प्रसाद, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (ईएमडी) गुलशन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (आरसीएल) मनोहर लाल, मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिकी) प्रकाश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और संविदा कर्मी मौजूद रहे।

पूरी तरह स्वचालित और सटीक प्रणाली : यह अत्याधुनिक प्रणाली कोल ब्लेंड में कैटेलिस्ट की पूर्णतः स्वचालित और नियंत्रित डोज़िंग सुनिश्चित करेगी। यह कन्वेयर बेल्ट Y-18 पर कोयले की फीड दर के अनुसार कैटेलिस्ट का निष्कासन करती है, जिससे कोक की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा और संयंत्र की समग्र उत्पादकता में सकारात्मक वृद्धि सुनिश्चित होगी। यह परियोजना मुख्य महाप्रबंधक भास्कर प्रसाद के नेतृत्व और महाप्रबंधक एवं हेड ऑफ ऑपरेशंस पी. एस. कुमार के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूरी की गई। विशेष बात यह है कि इस डोज़िंग स्टेशन का डिज़ाइन, निर्माण और स्थापना पूरी तरह इन-हाउस संसाधनों से की गई है, जो विभाग की तकनीकी दक्षता और आत्मनिर्भरता को दर्शाती है।

विभागीय टीम की अहम भूमिका : परियोजना के सफल क्रियान्वयन में महाप्रबंधक अशरफ सिद्दीकी, अंजनी कुमार, सहायक महाप्रबंधक राज कुमार दास, ओम प्रकाश और के. एस. सोरेन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके साथ ही सीईडी, इंस्ट्रूमेंटेशन एवं ऑटोमेशन सहित अन्य केंद्रीय विभागों का भी उल्लेखनीय सहयोग मिला।

हथियार तस्करों के पास ग्राहक बनकर पहुंचे रांची डीएसपी, डील फाइनल होते ही 5 को किया गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। रांची पुलिस ने हथियार तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को हिंदपीढ़ी से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से बड़ी मात्रा में अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए गए हैं।

यह कार्रवाई कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें वे स्वयं सादे लिबास में ग्राहक बनकर तस्करों तक पहुंचे थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि हिंदपीढ़ी क्षेत्र में कुछ लोग हथियारों की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस ने योजना बनाकर तस्करों की गिरफ्तारी का जाल बिछाया।

कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने खुद ग्राहक बनकर तस्करों से संपर्क साधा। शनिवार रात करीब 11।30 बजे डीएसपी बड़ी मस्जिद लेन पहुंचे, जहां उनकी मुलाकात हथियार तस्कर कबीर से हुई। मुलाकात के दौरान दोनों के बीच पिस्टल को लेकर सौदेबाजी शुरू हुई। कबीर ने डीएसपी को बताया कि पिस्टल की कीमत 70 से 75 हजार रुपये है।

डीएसपी ने समय लेते हुए लगातार मोलभाव किया और अंत में 42 हजार रुपये में सौदा तय कर लिया। इस दौरान पुलिस के अन्य अधिकारी और जवान पहले से ही आसपास सादे कपड़ों में छिपकर तैनात थे। जैसे ही सौदा तय हुआ, डीएसपी के इशारे पर पुलिस टीम ने मौके पर

पहुंचकर कबीर को धर दबोचा।

तलाशी के दौरान कबीर के पास से एक 9 एमएम पिस्टल, दो मैगजीन और 20 गोलियां बरामद की गईं। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में कबीर ने स्वीकार किया कि वह लंबे समय से अवैध हथियारों की तस्करी में संलिप्त है और विभिन्न अपराधियों को हथियार सप्लाई करता है।

उसकी निशानदेही पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार अन्य आरोपित शाहनवाज आलम, मो। सैफ, अनुज ठाकुर और अंकित कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने इनके ठिकानों पर छापेमारी कर 110 गोलियां, एक 9 एमएम पिस्टल, एक फैक्ट्री मेड पिस्टल, तीन कट्टे और लोहे का सिल्वर रंग का छह चक्रिय रिवाल्वर बरामद किया है। मो कबीर, शाहनवाज आलम और अनुज ठाकुर का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है।

प्रदेश में वाहन फिटनेस के नए नियम, मालिकों को रांची-हजारीबाग का लगाना पड़ेगा चक्कर

रामगढ़, एजेंसी। जिले व इसके आसपास यानी पड़ोसी बोकारो जिले के पुराने वाहन मालिकों के लिए थोड़ी परेशानी बढ़ गई है।

पहले जिन पुराने वाहनों के फिटनेस के लिए आसानी से जिला परिवहन कार्यालय जाकर वाहनों की जांच करा फिटनेस सर्टिफिकेट प्राप्त करते थे। अब यह व्यवस्था पूरे राज्य में जनवरी महीने से बंद हो गई है।

सड़क परिवहन राज मार्ग मंत्रालय के निर्देशानुसार अब ऐसे वाहनों को फिटनेस के लिए निजी स्तर पर एटीएस यानी आटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन में जाकर कराना होगा। जानकारों की मानें तो यह वर्तमान में दो रांची, एक जमशेदपुर व एक हजारीबाग में यानी पूरे प्रदेश के केवल चार स्थानों पर ही है।

यहां के सभी प्रकार के निजी व व्यवसायिक वाहनों का फिटनेस कराने के लिए या तो हजारीबाग का चक्कर लगाना होगा या फिर रांची का। दोनों ही स्थिति में वाहन मालिकों व ट्रांसपोर्टरों को 120 से 130 किलोमीटर की दूरी अधिक तय करनी होगी।

इसके अलावा राजधानी रांची जाने के दौरान नो इंट्री आदि के चक्कर में पड़ेंगे सो अलग से व प्रमंडलीय मुख्यालय हजारीबाग बड़कागांव रोड में यह एटीएस बना है। चूंकि रामगढ़, बोकारो व धनबाद जिला अधिकतर हिस्से में कोल इंडिया की कोलियरियां व अन्य औद्योगिक ईकाइयों में चलने वाले भारी मालवाहक वाहन हैं।

ऐसे में इतनी दूरी तय करना यहां के ट्रांसपोर्टरों व वाहन मालिकों के लिए परेशानी का सबब बनेंगी। इससे अतिरिक्त खर्च भी इनके जेब पर भारी पड़ेगी। ट्रांसपोर्टरों की मानें तो क्षेत्र की कोलियरियों में छुट्टी अगर रविवार को होगी तो गाड़ी का फिटनेस रविवार को नहीं हो पाएगा क्योंकि एटीएस रविवार को को बंद रहेंगी।

सड़क पर चल रही पुरानी हो चुकी छोटी बड़ी निजी व व्यवसायिक वाहनों का फिटनेस जिला परिवहन कार्यालय में कार्यरत एमवीआई करते आ रहे थे। संबंधित व्यवसायिक वाहनों मसलन बस आदि को फिटनेस कराने जाने के लिए रूट परमिट आदि की समस्याओं से दो-चार होना पड़ेगा।

नहीं तो इस स्थिति में कभी प्रशासनिक कार्रवाई की जद में भी इनके वाहन आएंगे जो वाहन मालिकों के लिए परेशानी का सबब बनेगा।

गिरिडीह में बेकाबू स्कॉर्पियो का कहर

बिशनपुर में टक्कर मार कर भागा, भागने के दौरान पचम्बा बाजार में बच्चे को कुचला

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के पचम्बा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दहशत फैला दी। वाहन ने सबसे पहले बिशनपुर के समीप एक व्यक्ति को टक्कर मारी। हादसे के बाद रुकने के बजाय चालक ने गाड़ी की रफ्तार और बढ़ा दी। इसके बाद स्कॉर्पियो पचम्बा बाजार की ओर बढ़ गई, जहां पहले से ही काफी भीड़ मौजूद थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन की स्पीड काफी तेज थी।

पचम्बा बाजार में घुसते ही स्कॉर्पियो ने एक मासूम बच्चे को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बच्चा सड़क पर गिर पड़ा। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद बेकाबू स्कॉर्पियो सड़क किनारे खड़ी कई दोपहिया गाड़ियों से टकराती चली गई और अंत में एक दुकान में जा घुसी। हादसे में कई बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं। वहीं दुकान को भी भारी नुकसान पहुंचा।

घायल बच्चा धनबाद रेफर, बाल-बाल बचे लोग

स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्चे को तुरंत गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया।

बताया गया है कि स्कॉर्पियो में चालक समेत कुल आठ लोग सवार थे, जो सभी सुरक्षित रहे। पुलिस ने सभी यात्रियों को दूसरी गाड़ी से उनके घर भेज दिया। व्यापारियों का कहना है कि यदि उस

समय दुकानों के बाहर ग्राहक खड़े होते तो जानमाल का बड़ा नुकसान हो सकता था।

दुकानदारों और स्थानीय लोगों में आक्रोश

घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों और लोगों में भारी आक्रोश देखा गया। उन्होंने बाजार क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों पर सख्त कार्रवाई और पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग की। सूचना मिलते ही पचम्बा थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। चालक की पहचान खरगडीहा निवासी के रूप में हुई है।

वित्त रहित शिक्षा : चार स्तर की जांच का जताया विरोध

शिक्षक बोले- 16 जनवरी के बाद होगा जोरदार आंदोलन

रांची, एजेंसी। राज्य के अनुदानित स्कूल और कॉलेज इन दिनों पढ़ाई नहीं, जांच में फंसे हैं। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस वित्तीय वर्ष में अनुदानित संस्थानों की जांच व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां केवल एक स्तर पर जांच होती थी, अब इसे चार स्तरों में बांट दिया गया है। इसके कारण हर संस्थान को बार-बार जांच का सामना करना पड़ रहा है।

यह कहना है वित्त रहित संघर्ष मोर्चा का। सोमवार को बैठक के बाद मोर्चा के कुंदन कुमार सिंह, रघुनाथ सिंह, फजलुल कादरी अहमद, गणेश महतो, अरविंद सिंह, मनोज तिर्की, देवनाथ सिंह, चंदेश्वर पाठक, संजय कुमार, बिरसो उरांव, विनय उरांव, रघु विश्वकर्मा, रेशमा बेक, नरोत्तम सिंह, मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि स्कूल-कॉलेजों में जटिल निरीक्षण के कारण पढ़ाई भी प्रभावित है। पलामू के शाहिद भगत सिंह इंटर कॉलेज के एक

कर्मचारी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। इसे मोर्चा ने सिस्टम की संवेदनहीनता का नतीजा बताया है। जांच के नाम पर उत्पीड़न नहीं रुका तो 16 जनवरी के बाद राज्यव्यापी आंदोलन होगा।

14 जनवरी को पर्व-त्योहार के कारण स्कूल-कॉलेज बंद हैं, फिर भी जांच जारी है, जबकि अनुदान अनुशंसा की अंतिम तिथि 15 जनवरी तय है। मोर्चा ने कहा कि जब 2006-07 से 2024-25 तक भूमि, भवन और आधारभूत संरचना की जांच हो चुकी है। इसके बाद भी बार-बार जांच क्यों जब जियो टैग से सत्यापन हो चुका है तो फिर स्थलीय जांच का क्या औचित्य है

16 जनवरी को मुख्यमंत्री और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके बाद सभी प्राचार्य और प्रधानाचार्य की बैठक होगी। बजट सत्र के दौरान विधानसभा के सामने प्रदर्शन किया जाएगा। राजभवन के सामने एकदिवसीय महाधरना भी होगा। पहले चरण में जैक संस्थानों की जांच करता है। दूसरे में जियो टैग आधारित रिपोर्ट मांगी जाती है।

तीसरे में जैक सभी दस्तावेजों का वीडियो बनाकर डीईओ को भेजता है। चौथे चरण में डीईओ संस्थानों की स्थलीय जांच करते हैं और वीडियो रिपोर्ट के साथ उसे जैक को भेजते हैं। इसके बाद जैक दोबारा सत्यापन कर अनुदान की अनुशंसा करता है। संस्थानों का कहना है कि इस पूरी प्रक्रिया में समय, ऊर्जा और पैसा तीनों खर्च हो रहे हैं।

इंडस्ट्री में सफलता की कोई समय सीमा नहीं, रिजेक्शन आम बात है

द केरल स्टोरी जैसी सफल फिल्म का हिस्सा रहीं अभिनेत्री अदा शर्मा ने एक्टिंग करियर में लंबा सफर तय किया है। उनकी कुछ फिल्में सुपरहिट रहीं, जबकि कुछ बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं। अदा का कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री उतार-चढ़ाव से भरी है। उन्होंने न्यूकमर्स को भी सफलता के टिप्स दिए। अदा ने नए कलाकारों को बताया कि करियर के मुश्किल दौर में घबराने की जरूरत नहीं है। बस फोकस बनाए रखें और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते रहें। मेहनत, धैर्य और सकारात्मकता के साथ चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। अदा शर्मा ने बातचीत में नए कलाकारों को सफलता के मंत्र दिए। अदा ने इंडस्ट्री की कठिनाइयों पर खुलकर बात की और सलाह दी कि यहां आने से पहले पूरी तरह आश्वस्त होना चाहिए।

अदा शर्मा ने कहा, न्यूकमर्स को मेरी सलाह है कि अगर वे इंडस्ट्री जॉइन करना चाहते हैं, तो उन्हें आश्वस्त होना चाहिए कि मुश्किलों के दौर में भी उनका डटकर मुकाबला करना सफलता दिलाएगा। इंडस्ट्री में बहुत सारे उतार-चढ़ाव हैं। आप सिर्फ फाइनल मूवी देखते हैं, लेकिन उस मूवी या रोल तक पहुंचने के लिए कितने ऑडिशंस देने पड़ते हैं, कितने रिजेक्शन झेलने पड़ते हैं, कितने दिन बिना काम के गुजरते हैं और कितने सालों तक रुक-रुककर इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने बताया, इन तमाम मुश्किलों के बाद शायद एक ब्रेक मिलता है, लेकिन वह कब मिलेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। एक ब्रेक सुपरहिट होने के बाद भी अगली फिल्म कब मिलेगी, यह भी पता नहीं होता। ऐसे में मन को मजबूत रखना बहुत जरूरी है। जब चीजें ठीक नहीं चल रही होंगी, तो बहुत से लोग सलाह देंगे कि यह नहीं करना चाहिए था, तुम इस सेक्टर में गलत आ गए। ऐसे समय में डिप्रेशन में न जाएं, इसके लिए अपना मन मजबूत रखें। इंडस्ट्री में सफलता की कोई निश्चित समय सीमा नहीं होती और रिजेक्शन आम बात है। अदा शर्मा ने सुझाव दिया कि बाकी कई शौक जरूर रखें, जो मन को शांत रखने में मदद करते हैं। खासकर जब काम नहीं चल रहा हो या जीवन में मुश्किलें हों, तब ये हॉबीज बहुत काम आती हैं। अदा खुद का उदाहरण देते हुए बोलीं, जैसे मैं म्यूजिक करती हूं, पियानो बजाती हूं, फ्लूट बजाती हूं या डांस करती हूं। कोई भी ऐसी हॉबी रखें, जिससे आप अपना दिमाग शांत रख सकें।

'मिर्जापुर द फिल्म' में हुई इस दिव्येंदु शर्मा की वापसी, श्रिया पिलगांवकर ने दिया सरप्राइज

प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' अब फिल्म के रूप में सामने आएगी। 'मिर्जापुर द फिल्म' की शूटिंग इन दिनों चल रही है। शूटिंग से कई तस्वीरें और वीडियोज भी सामने आ चुके हैं। अब सीरीज का हिस्सा रहीं अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने शूटिंग से कुछ तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म में सीरीज के अहम किरदार की वापसी के बारे में भी जानकारी दी है। जानिए कौन कर रहा है फिल्म में आठ साल बाद वापसी

श्रिया पिलगांवकर ने अपने इंस्टाग्राम पर मिर्जापुर द फिल्म की शूटिंग से जुड़ी दो तस्वीरें साझा की हैं। इनमें पहली तस्वीर में क्लैप बोर्ड नजर आ रहा है, जिस पर फिल्म का नाम 'मिर्जापुर द फिल्म' लिखा हुआ है। साथ ही स्क्रिप्ट रखी हुई है, जिस पर स्वास्तिक बना हुआ है और क्लैप बोर्ड व स्क्रिप्ट पर फूल चढ़े हुए हैं। इससे पता चलता है कि यह मुहूर्त शॉट की तस्वीर हो सकती है। इसके साथ ही श्रिया ने एक और तस्वीर भी साझा की है। इसमें पूजन हो रहा है और फिल्म की पूरी कास्ट व क्रू मौजूद है। इसके साथ ही श्रिया ने कैप्शन में लिखा है, 'आठ साल बाद अंदाजा लगाइए कौन मौत के मुंह से वापस लौट आया है? मिर्जापुर द फिल्म की शूटिंग हो रही है। जल्द ही मिलते हैं।'

वापस आ गए मुन्ना भैया

श्रिया के कैप्शन के बाद अब ये साफ हो गया है कि मिर्जापुर के दूसरे सीजन में मर चुके मुन्ना भैया यानी दिव्येंदु शर्मा, 'मिर्जापुर द फिल्म' में वापसी कर रहे हैं। श्रिया ने जो फिल्म की कास्ट की तस्वीर साझा की है, उसमें दिव्येंदु शर्मा भी नजर आ रहे हैं। अब श्रिया के कैप्शन और इस तस्वीर से फैंस को ये कंफर्मेशन मिल गई है कि मुन्ना भैया का किरदार 'मिर्जापुर द फिल्म' में वापस आ रहा है। जाहिर है कि मुन्ना भैया शो का सबसे लोकप्रिय किरदार है। सीरीज के तीसरे सीजन में मुन्ना भैया का न होना हर किसी को काफी खला था और लोगों ने इस किरदार के वापस आने की मांग भी की थी। लोगों को उम्मीद थी कि तीसरे सीजन में मुन्ना भैया का किरदार वापस आएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लेकिन अब 'मिर्जापुर द फिल्म' में मुन्ना भैया के किरदार की वापसी तय है।

रवि किशन भी आएंगे नजर

इसके अलावा 'मिर्जापुर द फिल्म' में रवि किशन और जितेंद्र कुमार की नई एंट्री हुई है। हालांकि, ये दोनों ही अभिनेता वेब सीरीज का हिस्सा नहीं थे। ऐसे में रवि किशन का किरदार क्या होगा, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। वहीं जितेंद्र कुमार संभवत- फिल्म में बबलू पंडित का किरदार निभा सकते हैं। जो सीरीज में विक्रांत मैसी ने निभाया था, लेकिन विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि, सीरीज में भी पहले ही सीजन के अंत में बबलू पंडित के किरदार की मौत हो जाती है। श्रिया ने जो तस्वीर साझा की है उसमें फिल्म की बाकी कास्ट नजर आ रही हैं। इसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्रिया पिलगांवकर, कृतिका कामरा, श्वेता त्रिपाठी, रवि किशन, राजेश तैलंग, रसिका दुग्गल और बाकी कलाकार नजर आ रहे हैं। अभी फिल्म की शूटिंग चल रही है। रिलीज की तारीख अभी तय नहीं है।

'बॉर्डर 2' से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे अहान शेट्टी, चार साल तक क्यों रहे फिल्मों से दूर?

अभिनेता अहान शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। अहान अपने पिता सुनील शेट्टी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए 'बॉर्डर 2' में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए अहान शेट्टी लगभग चार साल से भी अधिक समय के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। 'बॉर्डर 2' अहान की डेब्यू फिल्म 'तड़प' के बाद उनकी दूसरी फिल्म है। जानिए आखिर क्यों चार साल बड़े पर्दे से दूर रहे अहान शेट्टी? बॉर्डर 2 में लेफ्टिनेंट कमांडर एमएस रावत की भूमिका में दिखेंगे अहान 'बॉर्डर 2' से जबसे अहान का लुक और फिल्म का टीजर सामने आया है, तबसे ही उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। 'बॉर्डर 2' में अहान भारतीय नौसेना के ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर एमएस रावत की भूमिका निभा रहे हैं। इस किरदार में फैंस उन्हें काफी पसंद कर रहे हैं और फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ आन्या सिंह नजर आएंगी। इस वजह से चार साल कोई फिल्म नहीं कर पाए अहान अहान शेट्टी फिल्मों से भले ही चार साल से दूर हों, लेकिन वो चर्चाओं में रहे हैं। अक्सर कम पब्लिक अपीयरेंस और सोशल मीडिया एक्टिविटी के बावजूद फैंस अहान की चर्चा करते रहते हैं और उनके काम का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हालांकि, हाल ही में अहान ने चार साल बड़े पर्दे से दूर रहने के कारण के बारे में भी बताया था। 'बॉर्डर 2' के टीजर लॉन्च के दौरान अहान शेट्टी ने यह बताया था कि वो एक कॉन्ट्रैक्ट के चलते चार साल तक किसी फिल्म में काम नहीं कर पाए। इसके चलते वो डेब्यू फिल्म के बाद बड़े पर्दे से दूर रहे। इंडस्ट्री में कॉन्ट्रैक्ट के चलते एक्टर-एक्टर्स किसी और फिल्म का हिस्सा नहीं बन सकते हैं। अहान भी इसी के चलते चार साल फिल्मों से दूर रहे। हालांकि, अब वो 'बॉर्डर 2' से वापसी को तैयार हैं। साल 2021 में 'तड़प' फिल्म से किया था डेब्यू अहान शेट्टी ने साल 2021 में आई रोमांटिक फिल्म 'तड़प' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। मिलन लुथ्रिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अहान के साथ तारा सुतारिया प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म में अहान के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी और क्रिटिक्स ने उन्हें लंबी रेस का खिलाड़ी बताया था। हालांकि, उसके बाद जब चार साल तक अहान की कोई फिल्म नहीं आई तो हर कोई हैरान था। लेकिन अब अहान ने इसके पीछे की वजह बताई है, जो एक कॉन्ट्रैक्ट साइन करना था।

फातिमा सना शेख ने संघर्ष के साथ तय किया फिल्मी सफर

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख छोटी उम्र से ही इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं और इसलिए उन्होंने सब कुछ देखा है। कुछ ऐसी चीजें भी जो एक बच्चे को नहीं देखनी चाहिए। उनके अनुभवों ने उन्हें जल्दी परिपक्व बना दिया, लेकिन उनके अंदर की मासूमियत आज भी जिंदा है। फातिमा सना शेख ने 4 साल की उम्र से करियर की शुरुआत की और टीवी की जर्नी से होते हुए बॉलीवुड में एंट्री ली। हालांकि बचपन में उन्हें शूटिंग सेट पर काफी कुछ झेलना पड़ता था। 11 जनवरी को फातिमा सना शेख अपना 34वां जन्मदिन मनाएंगी। दंगल से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली सना शेख बचपन में ही बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। उन्होंने कमल हासन और तब्बू अभिनीत 1997 की हिट फिल्म चाची 420 में कमल हासन की बेटी का रोल प्ले किया था। सना ने खुद खुलासा किया था कि उस वक्त बच्चों को क्या ही पता होता है और जो बोला जाता है, बच्चे अपने मूड के हिसाब से करते हैं। ऐसा ही कुछ चाची 420 के सेट पर हुआ और उन्हें रोने के लिए कहा गया। अभिनेत्री ने बताया था कि उस वक्त उन्होंने नकली रोना शुरू किया और थोड़ा सा मुंह बना लिया, लेकिन सीन को परफेक्ट बनाना था और तभी किसी ने मुझे जोरदार डांट लगाई और मैं सच में रोने लगी। फिर उन्होंने कहा कि ऐसे ही रोना चाहिए था। सना को ऐसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा जिनसे किसी बच्चे को नहीं गुजरना चाहिए। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट सेट पर 15 घंटे प्रतिदिन काम करना पड़ता था और उस वक्त बाल कलाकारों के लिए नियम और सुरक्षा जैसी कोई चीज नहीं थी। वे सेट पर बड़ों लोगों की ऐसी बातें सुनती थी, जो बच्चों को नहीं सुननी चाहिए। फातिमा ने आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने हर क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के अलावा, उन्होंने कुछ टेलीविजन शो भी किए। वे फिल्मों में आने से पहले सीरियल अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो में नजर आईं, जहां उन्होंने सुमन का किरदार निभाया। इसके अलावा वे लेडीज स्पेशल शो में भी दिखाई दीं। बहुत कम लोग ये बात जानते हैं कि साल 2016 में दंगल से डेब्यू करने से पहले कई फिल्मों में साइड रोल कर चुकी थी। उन्हें साल 2008 में आई तहान, 2013 में आई आकाश वाणी और 2012 बिट्टू बॉस में छोटे-मोटे रोल में देखा गया था, लेकिन फिल्म दंगल से उनके करियर को बड़ा ब्रेक मिला। इसके बाद उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस लूडो, ठग्स ऑफ हिंदुस्तान, आप जैसा कोई और मेट्रो इन दिनों में देखा गया और अब वे रोमांटिक ड्रामा फिल्म गुस्ताख इश्क में दिख रही हैं।

वर्किंग मदर होना मुश्किल है, बेटी के जन्म के 43वें दिन ही मैं सेट पर थी

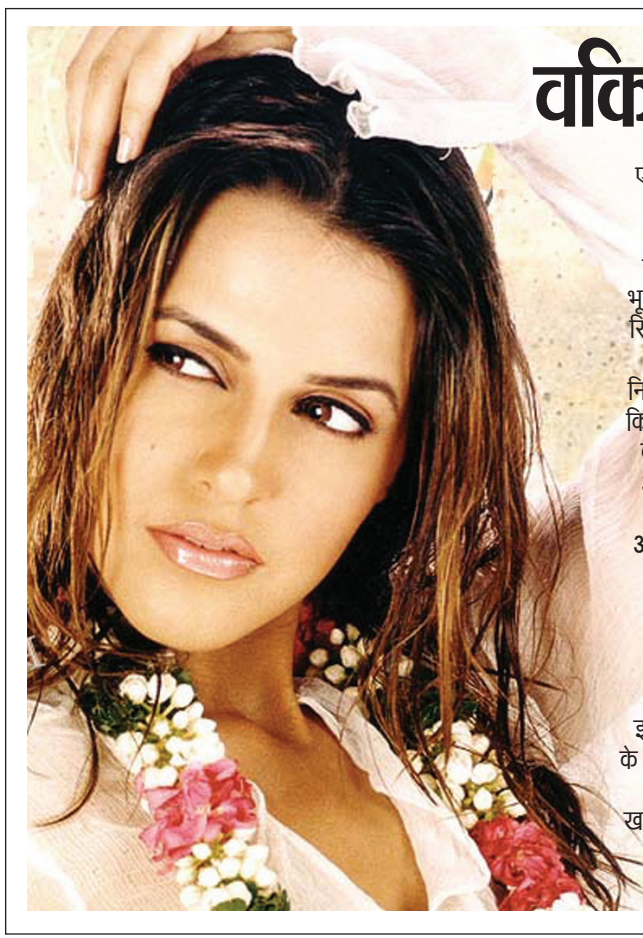

एक्टिंग, होस्टिंग, चैट शो, जैसी विभिन्न विधाओं में सफलतापूर्वक हाथ आजमाने वाली नेहा धूपिया असल मायने में एक मल्टीटास्कर हैं। काम के साथ-साथ निजी जिंदगी में एक मां और पत्नी की भूमिका भी वह उसी खूबी से निभाती हैं। हाल ही में सिंगल पापा और परफेक्ट फैमिली जैसी सीरीज में नजर आईं नेहा से हमने इन्हीं विषयों पर अपने निजी जिंदगी के अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि कैसे वह बेटी मेहर के जन्म के 43 दिन बाद ही काम के मोर्चे पर लौट आई थीं। वह मानती हैं कि आज में भी समाज में कामकाजी मांओं को लेकर सेंसिटिविटी की कमी है।

आप एक वर्किंग मॉम हैं और आज की औरतें बेशक घर, बच्चे, काम सब हैंडल करती हैं, मगर यह आसान नहीं होता। आप कैसे सारी चीजों के बीच तालमेल बिठाती हैं?

यह बिल्कुल भी आसान नहीं होता। बहुत ही मुश्किल होता है और आप जितना भी बोले, कोई इसे समझता भी नहीं है। यह मैं बहुत सारी औरतों के लिए कह रही हैं, जैसे मेरे बच्चे छोटे हैं तो उनको स्कूल छोड़ना होता है। बतौर एक्टर आपको एक खास तरह से दिखना भी होता है, तो जिम भी जाना है। कई दिन ऐसे होते हैं कि मैं सवा 5 बजे उठती हूं। फिर जिम जाना, बच्चों को उठाना, स्कूल छोड़ना, फिर आपको सेट पर 9 बजे पहुंचना है, मगर आप सवा नौ बजे वहां पहुंचो तो कोई घड़ी देखते हुए कह देगा- आप लेट हो। जबकि हमारे दिमाग में तो ये आता है कि अरे यार, मैं ऑलरेडी साढ़े 4 घंटे से काम ही कर रही हूं, लेकिन यह बात न कोई समझता है, न समझना चाहता है। ऐसे में, जब कोई आपके 15 मिनट लेट होने पर नाखुशी जताता है तो आप हर बार उस इमोशन को कंट्रोल करते हैं कि जवाब देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आपकी प्रॉब्लम कोई नहीं समझेगा, मगर सुबह के 9 बजे ही आप समझ चुके होते हैं कि एक वर्किंग मदर होना कितना मुश्किल होता है।

आपको लगता है कि हमारे फिल्म सेट और समाज दोनों को कामकाजी मांओं के प्रति थोड़ा सेंसिटिव होने की जरूरत है, क्योंकि आज भी आप देखें तो अनुष्का शर्मा से लेकर सोनम कपूर तक मां बनने के बाद से लंबे ब्रेक में रहीं?

सेंसिटिविटी जरूरी है, मगर अनुष्का और सोनम की मां बनने के तुरंत बाद काम पर नहीं लौटने की जो भी वजहें हैं, वो मुझे नहीं पता। वो उनकी चॉइस है। मैं अपनी बात करूं तो मैंने तो आठ महीने की प्रेग्नेंसी में शूटिंग की है। मैं फिल्म ए थर्सडे शूट कर रही थी और सेट पर ही मेरा कॉन्ट्रैक्शन शुरू हुआ तो मैंने तो प्रेग्नेंसी के आखिरी दिन तक काम किया है। फिर, मेरी बेटी मेहर के जन्?म के 43 दिन ही, मैं रोडीज के सेट पर वापस लौटी तो मुझे लगता है कि यह हर किसी का निजी फैसला है। कुछ लोग अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान भी काम कर सकते हैं, कुछ नहीं कर सकते। कभी मेडिकल कारणों से तो कभी उनकी चॉइस है तो हमें उसका भी सम्मान करना चाहिए। कुछ औरतें जल्द से जल्द काम पर लौटना चाहती हैं, क्योंकि वे अपनी पहले जैसी जिंदगी वापस चाहती हैं। कुछ थोड़ा वक्त लेना चाहती हैं तो मैं किसी और लिए नहीं बोल सकती, लेकिन मैं अपना बैलेंस तब महसूस करती हूं जब मैं जितना समय अपने बच्चों के साथ बिताती हूं, उतना ही काम को भी दे पाऊं।

सिंगल पापा सीरीज में आपकी एक लाइन है कि 90 फीसदी माएं सिंगल मदर ही होती हैं। सही भी है कि बच्चों की परवरिश का दायित्व मां पर ही ज्यादा होता है। आप इससे कितना रिलेट करती हैं?

मैं मानती हूं कि हम उन भाग्यशाली 10 प्रतिशत लोगों में से हैं, जिनके पार्टनर ये समझते हैं कि हमारे लिए भी काम करना उतना ही जरूरी है। मगर ऐसे बहुत से घर हैं जहां औरतें मां बनने के बाद दोबारा काम पर जा ही नहीं पातीं। जहां मर्द और औरत का रोल, उनका काम तय होता है और यह जल्दी नहीं बदलने वाला। मेरा मानना है कि यह बदलाव दोनों तरफ से होना चाहिए। एक मां के तौर पर हमें भी चीजों को छोड़ने, दूसरों को करने देना सीखना होगा। वहीं, पुरुषों और समाज को भी ये समझना होगा कि औरतें भी वे चीजें करेंगी जो वे करना चाहती हैं या उनके लिए जरूरी है। यह लाइन समाज के एक बड़े तबके पर लागू होती है, उम्मीद है कि शायद आने वाले समय में इसमें बदलाव आए।

आपके घर में बच्चों मेहर और गुरिक की पैरंटिंग में पति अंगद बेदी की कितनी भागीदारी रहती है?

अंगद बिल्कुल मेरा बराबर साथ देते हैं। हालांकि, ऐसी कोई बराबर-बराबर वाली भूमिका तय नहीं है, मगर जैसे आज मैं बाहर हूं तो मुझे पता है कि अंगद सारी चीजें हैंडल कर रहे हैं। अगर वो काम पर है तो मैं संभालती हूं। इसके अलावा, सपोर्ट स्टाफ है, ग्रैंड पैरंट्स हैं। मेरा मानना है कि बच्चे को बड़ा करने में सबकी भूमिका होती है, भले ही वो मां होममेकर ही क्यों न हो, क्योंकि उनकी जॉब तो सबसे ज्यादा मुश्किल है। वे दिन भर काम में लगी रहती हैं, जिसका न कोई रिवॉर्ड है, न सैलरी है। मैं खुद जितनी भी चीजें करती हूं, उसमें सबसे मुश्किल होममेकर वाला पार्ट है। खुशकिस्मती से हमारे घर में सब बराबर हैं और मैं उम्मीद करती हूं कि ऐसा और ज्यादा घरों में हो।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

अवैध प्रवासियों का हब बनी मुंबई? 30 हजार में दिए जा रहे फर्जी वोटर कार्ड

मुंबई, एजेंसी। हाल के दिनों में भारत में घुसपैठियों का मुद्दा काफी गर्म है। असम से लेकर पश्चिम बंगाल और अन्य सीमावर्ती राज्यों में यही चर्चा में है। एसआईआर के जरिए वोटर लिस्ट में सुधार करके घुसपैठियों को बाहर निकालने की कवायद चल रही है। इस बीच मुंबई से एक चौंकाने वाली रिपोर्ट आई है। इसके मुताबिक मुंबई में बड़ी संख्या में मुसलमान बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध रूप से लोग आकर बसे हुए हैं। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इन लोगों ने यहां आने के बाद वोटर कार्ड और आधार कार्ड जैसे वैध भारतीय पहचान पत्र बनवा लिए हैं। जिस प्रक्रिया के जरिए इन अवैध प्रवासियों को मुंबई में बसाया जा रहा है, उसे 'मलवानी पैटर्न' कहा जाता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मुंबई में कुल ऐसे 61 इलाके चिह्नित किए गए हैं, जहां पर अवैध प्रवासी मिले हैं। एनडीटीवी के मुताबिक इस रिपोर्ट के कुल कुल सात हजार से अधिक लोगों से इंटरव्यू किए गए। रिपोर्ट में बताया गया है कि इंटरव्यू में यह सामने आया कि इसमें से 3014 लोगों ने बिना वीजा-पासपोर्ट के ही भारत में एंट्री की। इसमें भी 96 फीसदी लोग मुसलमान हैं जो बांग्लादेश और म्यांमार से भारत में आए हुए हैं। इस रिसर्च को अंजाम देने वाले एक प्रोफेसर ने बताया कि गरीब लोग बांग्लादेश छोड़ देते हैं। वह भारत में आते हैं और यहां आकर जाली दस्तावेज बनवा लेते हैं। यहां पर वो वोटर बन जाते हैं और नगर निकाय, विधानसभा और लोकसभा चुनावों में वोट डालने लगते हैं। 'ग्रे रेलिजियस नेटवर्क' के चलते इनकी संख्या में लगातार इजाफा होता जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अवैध प्रवासियों के पास नकली दस्तावेज आता कहां से है। इसमें बताया गया है कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में एजेंट्स हैं। यह लोग सात हजार से लेकर 30 हजार रुपए तक में सभी पहचान पत्र मुहैया करा देते हैं। रिसर्च में शामिल प्रोफेसर ने बताया कि अवैध रूप से भारत आने वाला स्थानीय एजेंट से मिलता है। इसके बाद एजेंट एक तय कीमत पर उन्हें वोटर कार्ड से लेकर आधार और पैन कार्ड तक मुहैया कराता है। उन्होंने कहा कि यह सिस्टम पिछले 12-13 साल से काम कर रहा है। इससे अवैध प्रवासियों के लिए भारत में बसना आसान हो जाता है। एक बार वोटर कार्ड मिल जाने के बाद इनके लिए चीजें काफी आसान हो जाता है।

100 करोड़ के फर्जी बीमा घोटाले पर बड़ा एक्शन, सरगना समेत तीन आरोपियों की संपति कुर्क

संभल, एजेंसी। 12 राज्यों में 100 करोड़ रुपये से अधिक का फर्जी बीमा घोटाला करने वाले गिरोह पर संभल पुलिस ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने सरगना ओंकारेश्वर मिश्रा और उसके दो साथियों की संभल, बदायूं, गौतमबुद्ध नगर और वाराणसी स्थित करीब 11.89 करोड़ की संपत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क कर ली। यह कार्रवाई जिलाधिकारी के आदेश पर पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने की। पुलिस के अनुसार, गिरोह के वाराणसी निवासी सरगना ओंकारेश्वर मिश्रा करन की 1.26 करोड़, बबराला के सचिन शर्मा उर्फ मोनू की 9.18 करोड़ और उसके भाई गौरव शर्मा की 1.45 करोड़ की संपत्ति कुर्क की गई। रजपुरा थाना पुलिस ने 18 जनवरी 2025 की रात ओंकारेश्वर मिश्रा को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि गिरोह ने मृत और बीमार लोगों के नाम पर बीमा कराकर 100 करोड़ से अधिक की राशि हड़प ली।पुलिस जांच में गिरोह के तार साइबर अपराध और अन्य धोखाधड़ी नेटवर्क से भी जुड़े पाए गए। संभल समेत मुरादाबाद, बदायूं, एटा सहित कई जनपदों में मुकदमे दर्ज हैं। अब तक 64 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। न्यायालय के आदेश के बाद बबराला और वाराणसी में कुर्की की कार्रवाई की। बबराला में थानाध्यक्ष सौरभ त्यागी और बहजोई संत कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे, जहां ढोल बजवाकर मुनादी कराई गई और संपत्तियों को सील किया गया। इस मामले में एएसपी दक्षिणी अनुकृति शर्मा ने बताया कि फर्जी बीमा गिरोह के सरगना समेत दो की संभल के बबराला, बदायूं, नोएडा व वाराणसी में 11.89 करोड़ की संपत्ति डीएम के आदेश पर कुर्क की गई है। इन पर सौ करोड़ बीमा घोटाला का आरोप है। उधर, कानपुर में रेप के झूठे मामलों में फंसाने और रंगदारी मांगने के आरोप में जेल में बंद चर्चित वकील अखिलेश दुबे के फरार साथी अभिषेक बाजपेयी के घर पर नौबस्ता पुलिस ने शनिवार को कुर्की की।

लेफ्ट के गढ़ में सेंध लगाने का प्लान

भाजपा का मिशन केरल

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। भाजपा की पहुंच से सबसे दूर रहने वाला दक्षिण भारत का केरल राज्य अब पार्टी की भावी रणनीति का बड़ा केंद्र बन गया है। इस बार के विधानसभा चुनाव को पार्टी यहां पर बड़ी छलांग लगाने की कोशिश में है, जिसकी कमान खुद गृह मंत्री अमित शाह संभाले हुए हैं। भाजपा ने यहां पर जो कभी नहीं बदला है, वह अब बदलेगा का नारा दिया है। हाल में हुए स्थानीय निकायों के चुनाव में राजधानी तिरुवनंतपुरम की नगर निगम व दो नगर पालिकाओं में जीत के बाद भाजपा यहां पर काफी उत्साहित है। यही वजह है कि अमित शाह ने अपने हाल के केरल दौरे में कार्यकर्ताओं में जोश

को भरा और नारा दिया कि जो कभी नहीं बदला, वह अब बदलेगा। इसके लिए उन्होंने अन्य राज्यों के भी उदाहरण दिए और कहा कि एक समय भाजपा मणिपुर, त्रिपुरा में कहीं नहीं थी, अब वहां सरकारें बना चुकी है। 1984 में लोकसभा में दो सांसद थे, अब लगातार तीन बार से सत्ता में है। चूंकि केरल में वामपंथी दलों के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल चरम पर है, ऐसे में भाजपा कार्यकर्ताओं के जोश व जनता में विकास की उम्मीदें जगाकर अपने लिए बड़ा सपना देख रही है।

राजधानी तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा पिछले दो स्थानीय निकाय चुनावों में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में उभर कर सामने आई। इस बार उसने 101 वार्डों में से 50 वार्ड जीतकर इतिहास रच दिया और पहली बार केरल में भाजपा का मेयर बना। सभी छह नगर निगमों में भाजपा के एनडीए गठबंधन ने 23 फीसदी से अधिक का वोट शेयर हासिल किया, जिससे यह विश?वास मजबूत हुआ है कि शहरी मतदाता उसके दावों को गंभीरता से ले रहा है। 79 ग्राम पंचायतों में भाजपा दूसरे स्थान पर रही और दर्शाता है कि भाजपा गांवों में भी बढ़ रही है।

बढ़ा है एनडीए का वोट शेयर

भाजपा का यह आत्मविश्वास बेवजह नहीं है। केरल में एनडीए का वोट शेयर लगातार बढ़ा है। 2001 में भाजपा का वोट शेयर करीब तीन फीसदी था जो 2016 और 2021 के बीच बढ़कर 12-15 फीसदी हो गया है। हालांकि वोटों में यह बढ़ोतरी विधानसभा सीटों में आनुपातिक रूप से परिवर्तित नहीं हुई है। लोकसभा चुनावों में भाजपा को 2014 में 12 फीसदी, 2019 में 16 फीसदी व 2014 में 20 फीसदी वोट के साथ एक सीट भी मिली। भाजपा यहां पर विकास के सपने के साथ सामाजिक व भावनात्मक मुद्दों पर काम कर रही है। सबरीमाला मुद्दे को पार्टी के लिए धीमी गति से विकसित होने वाला एक मुद्दा है। इसने हिंदू मतदाताओं के कुछ वर्गों के साथ पार्टी का स्थायी संबंध बनाने में मदद की है, खासतौर पर दक्षिणी केरल में। इसके साथ इझवा ओबीसी समुदाय के कुछ वर्गों के मतदान में बदलाव आया है, जिसे पारंपरिक रूप से वामपंथी झुकाव वाला समुदाय माना जाता है। यह ओबीसी समुदाय हिंदू समुदाय का 26 प्रतिशत है।वी मुरलीधरन और शोभा सुरेंद्रन भी ओबीसी समुदाय से आते हैं।

46 किमी लंबे गुरुग्राम-पटौदी-रेवाड़ी हाईवे का इंतजार और बढ़ा, एनएचएआई ने तय की नई डेडलाइन

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम-पटौदी-रेवाड़ी हाईवे (नेशनल

हाईवे 352डब्ल्यू) का निर्माण तीन साल की देरी से चल रहा है। इसका निर्माण मार्च, 2023 में हो जाना चाहिए था। बताया जा रहा है कि मौजूदा समय में करीब 80 प्रतिशत निर्माण हुआ है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इस परियोजना की नई डेडलाइन 31 मार्च निर्धारित की है। 46 किमी लंबे हाईवे के निर्माण पर खर्च होंगे एक हजार करोड़ रुपये

करीब एक हजार करोड़ रुपये की लागत से गुरुग्राम-रेवाड़ी को जोड़ने वाले इस हाईवे का निर्माण कार्य साल 2021 में शुरू हुआ था। 46 किमी लंबे इस हाईवे पर 25 फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण होना है। गुरुग्राम में यह हाईवे द्वारका एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-84 के पास से शुरू होता है, जो वजीरपुर होता हुआ मौजूदा गुरुग्राम-पटौदी-रेवाड़ी से होकर निकलता है। निर्माण की रफ्तार धीमी होने से चालकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। देरी पर एनएचएआई के अधिकारी योगेश तिलक ने कोई जवाब नहीं दिया।

द्वारका एक्सप्रेसवे से लेकर वजीरपुर गांव तक करीब 6 किमी हिस्से में इस हाईवे के निर्माण में अभी कई अड़चनें हैं। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने अभी तक बरसाती नाले को नहीं तोड़ा है। आधा अधूरा तोड़कर बरसाती नाले को मौके पर छोड़ा हुआ है। जीएमडीए की सीवर लाइन और शोधित पानी की पाइप लाइन आ रहे हैं। एनएचएआई की तरफ से इन्हें पिछले 3 साल से इन्हें हटवाने का आग्रह जीएमडीए और एचएसवीपी से किया जा रहा है।

गांव वजीरपुर के पास फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। इस फ्लाईओवर का निर्माण मौजूदा समय में करीब 70 प्रतिशत हुआ है। 30 प्रतिशत निर्माण बाकी है। इस तरह कई फ्लाईओवर पर निर्माण अभी बाकी है। हाईवे के निर्माण के दौरान वाहन चालकों को आवागमन में दिक्कत नहीं आए, इसको लेकर लोगों को प्राधिकरण को वैकल्पिक सड़क उपलब्ध करवानी है। इस तरफ एनएचएआई अधिकारियों की लापरवाही बरती।

महायुति में बढ़ी तकरार! एनसीपी के खिलाफ ईसी पहुंची भाजपा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव के बीच राजनीतिक पारा चरम पर है। ऐसे में सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति में भी तकरार देखने को मिल रही है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा जहां अजित पवार की पार्टी एनसीपी को घेर रही है तो अजित पवार भी काफी आक्रामक नजर आ रहे हैं। महायुति गठबंधन में आपसी झगड़े साफतौर से देखे जा सकते हैं। इस बीच अब भाजपा अपने सहयोगी दल एनसीपी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची है।

मुताबिक पार्टी ने पुणे में नगर निकाय चुनावों से पहले अपने महायुति सहयोगी एनसीपी और दूसरी पार्टियों द्वारा कथित तौर पर लगाए गए अवैध होर्डिंग्स की शिकायत चुनाव आयोग से शिकायत की है। दरअसल, रविवार को एक बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अवैध होर्डिंग्स और फ्लेक्स-बैनर लगाने से बचने की सलाह दी थी। सीएम ने अपने बयान में कहा कि इससे शहर की सुंदरता खराब होती है। ऐसे में पुणे भाजपा ने सोमवार को शहर को बैनर-पोस्ट मुक्त बनाने का संकल्प लिया। राजेश पांडे ने कहा कि भाजपा ने शहर में पार्टी कार्यकर्ताओं को फ्लेक्स होर्डिंग्स न लगाने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम चुनावों से पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अन्य पार्टियों ने पूरे शहर में अनाधिकृत फ्लेक्स बैनर लगाए हैं। यह आचार संहिता का उल्लंघन है। इससे पहले रविवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एनसीपी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में नगर निगम चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा की आलोचना करने के लिए निशाना साधा।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ा 'विजय फैक्टर'?

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इस साल

अप्रैल-मई में होने वाले हैं, जहां ड्रविड़ मुनेत्र कड़गम की एमके स्टालिन सरकार सत्ता बचाने की कोशिश करेगी। डीएमके के इतिहास में कभी भी सत्तारूढ़ पार्टी ने लगातार चुनाव नहीं जीते हैं। पिछले 5 वर्षों में स्टालिन सरकार को अपेक्षाकृत सुगम राजनीतिक सफर मिला, क्योंकि विपक्षी अन्नाद्रमुक में जयललिता की मृत्यु के बाद नेतृत्व का अभाव और आंतरिक कलह रही। 2019, 2024 लोकसभा और 2021 विधानसभा चुनावों में डीएमके की लगातार बड़ी जीत इसी कमजोर विपक्ष के कारण संभव हुई। एआईएडीएमके अब एडप्पादी पलानीस्वामी के नेतृत्व में स्थिर हुई है। इस बीच, तमिलनाडु की राजनीति में सिनेमा का जादू अब अभिनेता विजय की नई पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) के जरिए लौट रहा है। विजय ने टीवीके के माध्यम से तमिल राजनीति में सिनेमा की पारंपरिक ताकत को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है। एमजीआर, जयललिता और कुछ हद तक विजयकांत की तरह विजय की स्टारडम पारंपरिक दलों को चिंतित कर रही है। 51 वर्षीय विजय ने रजनीकांत और कमल हासन से अधिक साहस दिखाते हुए समय पर राजनीतिक कदम उठाया। टीवीके को अब तक 15 प्रतिशत तक वोट शेयर का अनुमान है, जबकि कुछ आकलन में इससे अधिक की संभावना जताई जा रही है। छोटी पार्टियां टीवीके से गठबंधन की ओर इशारा कर रही हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं कि टीवीके डीएमके को अधिक नुकसान पहुंचाएगी या एआईएडीएमके को।

मनरेगा अभियान के लिए कांग्रेस ने बनाई समिति, 94 साल की मोहसिना किदवई भी शामिल

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस के मनरेगा बचाओ अभियान की भी मॉनीटरिंग प्रदेश स्तर से की जाएगी। इसके लिए भी कांग्रेस ने मंगलवार देर शाम 19 सदस्यीय समिति का ऐलान कर दिया है। हालांकि समिति में सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहसिना किदवई का है। 94 साल की उम्रदराज मोहसिना किदवई आखिर कैसे इस समिति में सक्रिय हिस्सेदारी देंगी यह बड़ा सवाल है।

इस समिति का भी संयोजक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को बनाया गया है। उनके अलावा कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सलमान खुर्शीद, निर्मल खत्री, अजय कुमार लल्लू, बृजलाल खाबरी, सांसद केएल शर्मा, इमरान मसूद, राकेश राठौर, तनुज पुनिया, उज्जवल रमण, विधायक वीरेंद्र चौधरी, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व सांसद पीएल पुनिया, ओमवती देवी, रवि वर्मा, पूर्व विधायक ओम प्रकाश त्रिपाठी और नदीम जावेद शामिल हैं।

कांग्रेस के 100 दिन के कार्यक्रम घोषित

अगले सौ दिनों में कांग्रेस मनरेगा बचाओ अभियान के तहत सड़कों पर उतरेगी, एसआईआर की प्रक्रिया में निगरानी करेगी, संविधान संवाद पंचायतें करेगी और रैलियों से जनता को जागरूक भी करेगी। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने सोमवार को कांग्रेस के अगले सौ दिनों के कार्यक्रम का विस्तृत ब्योरा रखा।

आराधना मिश्रा ने कहा कि हम इस चुनावी वर्ष में अगले 100 दिनों की कार्ययोजना घोषित कर कांग्रेस का चुनावी शंखनाद करने जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी अपने वोट चोरी के मंसूबों पर काम कर रही है, मनरेगा का कानूनी अस्तित्व खत्म कर उसे मात्र एक योजना बनाने का कुचक्र रच रही है और एसआईआर के जरिए हमारे वोटों को काटने की साजिश कर रही है। बावजूद इसके हम प्रतिबद्ध हैं कि भाजपा के मंसूबे पूरे नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भाजपा के संविधान बदलने के प्रयासों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं।

अगले 100 दिनों में कांग्रेस पूरे प्रदेश भर में 30 से ज्यादा संविधान संवाद महापंचायतों से यूपी सरकार की असफलताएं जनता के सामने रखेगी। शुरुआत 24 जनवरी को सीतापुर से होगी। लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, सहारनपुर, प्रतापगढ़ आदि जगह बड़ी महापंचायतें होंगी। सरकार ग्रामीणों की रोजगार गारंटी योजना मनरेगा खत्म करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस योजना को वापस लाने के लिए जन आंदोलन से सरकार को बाध्य करेगी।

कांग्रेस का वचन है कि मनरेगा मजदूरी बढ़ाकर 400 रुपये की जाएगी। एसआईआर से हम छूटे मतदाताओं के नाम जोड़वाने और गलत नाम न जुड़ने देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। पंचायत और एमएलसी चुनावों को कांग्रेस पूरी ताकत के साथ लड़ेगी। कांग्रेस के 140 वर्षों की यात्रा तस्वीरों में युवाओं के बीच रखी जाएगी ताकि वे देश में कांग्रेस के योगदान से परिचित हो सकें। संविधान संवाद महापंचायत लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर मैदान में महारैली होगी।

ऐक्शन मोड में हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने नशे के खिलाफ अब तक की सबसे कड़ी कार्रवाई की है। जिन पर कानून की रक्षा की जिम्मेदारी थी, वही अगर नशे के अवैध कारोबार में शामिल पाए गए तो उनके लिए कोई रियायत नहीं। इसी सोच के साथ प्रदेश सरकार ने 11 पुलिस कर्मियों को नौकरी से निकाल दिया है। सरकार की ओर से दी जानकारी के अनुसार, एनडीपीएस एक्ट के मामलों में संलिप्त पाए जाने पर इन पुलिसकर्मियों को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311(2)(बी) के तहत सेवा से हटाया गया है।

इन पुलिसकर्मियों पर ऐक्शन

बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में भारतीय रिजर्व बटालियन बनगढ़ में तैनात इंस्पेक्टर नीरज कुमार, जिला बिलासपुर में तैनात कांस्टेबल शुभम ठाकुर, आईआरबी पंडोह के कांस्टेबल कपिल, एसडीआरएफ के कांस्टेबल शिव कुमार, जिला शिमला पुलिस के कांस्टेबल लक्ष्य चौहान, एसवी एंड एसीबी में तैनात कांस्टेबल व चालक विशाल ठाकुर, आईआरबी जंगलबैरी के कांस्टेबल गौरव

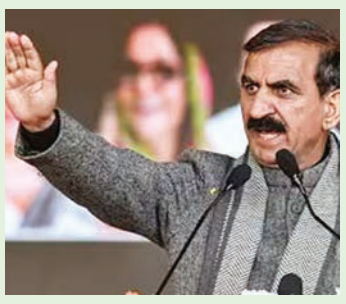

वर्मा, आईआरबी सकोह के कांस्टेबल व चालक संदीप राणा, एसडीआरएफ के कांस्टेबल अंकुश कुमार, स्टेट सीआईडी के कांस्टेबल रजत चंदेल और जिला शिमला में तैनात कांस्टेबल राहुल वर्मा शामिल हैं।

अवैध गतिविधियों में शामिल होंगे तो ऐक्शन जरूरी

शिमला में सोमवार को आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी चिट्टे के खिलाफ कार्रवाई करने की है। यदि पुलिस कर्मी ही चिट्टा तस्करी और अवैध गतिविधियों में शामिल होंगे तो उनके खिलाफ कठोर कदम उठाना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिट्टा कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह सरकारी कर्मचारी ही क्यों न हो।

ध्वस्त करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश

बैठक में पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने हिमाचल प्रदेश में चिट्टे के खिलाफ पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई पर विस्तृत प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि चिट्टे की तस्करी और इससे जुड़ी गतिविधियों में शामिल कर्मचारियों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर जल्द मुख्य सचिव को सौंपी जाए। साथ ही चिट्टे से अर्जित संपत्तियों की पहचान कर उन्हें ध्वस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू करने के निर्देश दिए गए।

चिट्टा ग्राम सभाएं आयोजित की जाएंगी

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि 21 और 22 जनवरी को प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में एंटी चिट्टा ग्राम सभाएं आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा पूरे प्रदेश में एंटी चिट्टा अवेयरनेस स्पोर्ट्स टूर्नामेंट भी कराए जाएंगे ताकि युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा सके।

उन्होंने नशे के खिलाफ सूचना देने वालों के लिए इनाम राशि की जानकारी भी दी। दो ग्राम तक चिट्टे की सूचना पर 10 हजार रुपये, पांच ग्राम पर 25 हजार, 25 ग्राम पर 50 हजार, एक किलो पर पांच लाख और एक किलो से अधिक चिट्टे की सूचना पर 10 लाख रुपये तक इनाम दिया जाएगा। बड़े गिरोह की जानकारी देने वालों को पांच लाख रुपये से अधिक का इनाम भी दिया जाएगा। चिट्टे से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए सरकार ने 112 आपातकालीन नंबर पर संपर्क करने की अपील की है।

गाजियाबाद में देर रात 2 बदमाशों और पुलिस के बीच हुआ एनकाउंटर

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद के लोनी इलाके की ट्रॉनिका सिटी थाना पुलिस की सोमवार देर रात हरमपुर के जंगल में दो बदमाशों के साथ मुठभेड़ हो गई। इसमें दोनों बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस बदमाशों को जंगल में दिल्ली निवासी साथी की हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए लेकर गई थी। इस दौरान बदमाशों ने झाड़ियों में छिपाए गए तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी थी। पुलिस को मौके से दो तमंचे और दो कारतूस बरामद हुए हैं।

ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र की इलायचीपुर जैन कॉलोनी के एक खाली प्लॉट में 6 जनवरी को दिल्ली निवासी 25 वर्षीय सुफियान का शव पड़ा मिला था। उसके सीने में दो गोली मारकर हत्या की गई थी। इस मामले में सुफियान के बड़े भाई फैजान ने ट्रॉनिका सिटी थाने में अज्ञात के खिलाफ हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मामले में पुलिस ने मंगलवार को मृतक के दो साथी संदीप बैसोया निवासी जगतपुर थाना वजीराबाद और दिव्यांशु उर्फ रॉकी निवासी चमन विहार थाना ट्रॉनिका सिटी को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान दोनों ने विवाद होने के बाद साथी की गोली मारकर हत्या करना और हथियार को हरमपुर के जंगल में छिपाने की बात स्वीकार की। एसीपी ने बताया कि बदमाशों की निशानदेही पर पुलिस टीम

हथियार की बरामदगी के लिए दोनों को देर रात हरमपुर जंगल में लेकर पहुंची थी। जहां बदमाशों ने झाड़ियों में छिपा कर रखे तमंचे से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। इस दौरान पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस को मौके से दो तमंचे और दो कारतूस बरामद हुए हैं। एसीपी ने बताया कि घायल बदमाश संदीप पर हत्या व हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज है। बदमाशों के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

'आप फुटबॉल को गहराई से समझते थे', काइलियन एम्बाप्पे ने जाबी अलोंसो के लिए लिखा भावुक संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल मैड्रिड के मैनेजर जाबी अलोंसो के क्लब छोड़ने की पुष्टि होने के बाद काइलियन एम्बाप्पे ने उनके लिए एक भावुक विदाई संदेश लिखा है। क्लब की आधिकारिक घोषणा के कुछ ही घंटों बाद एम्बाप्पे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जाबी अलोंसो के लिए लिखा, 'यह छोटा समय था, लेकिन आपके लिए खेलना और आपसे सीखना मेरे लिए खुशी की बात रही। पहले दिन से मुझ पर भरोसा दिखाने और मुझे आत्मविश्वास देने के लिए धन्यवाद। मैं आपको एक ऐसे मैनेजर के तौर पर याद रखूंगा जिनके पास साफ आइडियाज थे और जो फुटबॉल को गहराई से समझते थे। जीवन के नए चैप्टर के लिए शुभकामनाएं।' रियल मैड्रिड ने सोमवार को कन्फर्म किया कि जाबी अलोंसो अब क्लब का हिस्सा नहीं हैं। यह फैसला रविवार, 11 जनवरी को बार्सिलोना के खिलाफ स्पेनिश सुपर कप में मिली हार के 24 घंटे के भीतर लिया गया। इस हार ने अलोंसो के भविष्य पर आखिरी मुहर लगा दी और पिछली गर्मियों में शुरू हुआ उनका सात महीने का कार्यकाल समाप्त हो गया।

अलोंसो की वापसी को बर्नब्यू में एक नए चक्र की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा था। टैक्टिकल क्लैरिटी, हाई प्रेसिंग और मॉडर्न फुटबॉल पर जोर देने वाले अलोंसो मई में बायर लेवरकुसेन के साथ शानदार सफलता के बाद तीन साल के करार पर रियल मैड्रिड पहुंचे थे। 2023-24 सीजन में उन्होंने लेवरकुसेन को बिना हारे बुंडेसलीगा खिताब जिताया, जर्मन कप जीता और टीम को यूरोपा लीग फाइनल तक पहुंचाया था। हालांकि, स्पेन में हालात उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ा, टीम की परफॉर्मेंस में निरंतरता की कमी दिखने लगी। क्लब वर्ल्ड कप में पेरिस सेंट-जर्मेन, ला लीगा में एटलेटिको मैड्रिड और चैंपियंस लीग में लिवरपूल व मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ मिली भारी हार ने टीम की कमजोरियों को उजागर कर दिया। मैड्रिड, जो कभी टाइटल रेस में आगे था, वह अब बार्सिलोना से चार अंक पीछे खिसक चुका है। अलोंसो के जाने के बाद क्लब ने पूर्व खिलाड़ी और सेकंड-टीम कोच अल्वारो अर्बेलोआ को अंतरिम मैनेजर नियुक्त किया है, जो कोपा डेल रे में अल्बासेटे के खिलाफ टीम की कमान संभालेंगे।

खत्म हुआ इंतजार...सभी 14 आईएसएल क्लबों ने दी AIFF को लिखित मंजूरी, फरवरी में शुरू होगी फुटबॉल लीग

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग 2025-26 सीजन को लेकर चली आ रही अनिश्चितता खत्म हो गई है। सभी 14 क्लबों ने एआईएफएफ को लिखित रूप से भागीदारी की पुष्टि कर दी है। अब आईएसएल का आगाज 14 फरवरी से होगा

और लीग में होम-एंड-अवे आधार पर कुल 91 मैच खेले जाएंगे। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2025-26 सीजन को लेकर लंबे समय से चली आ रही अनिश्चितता अब खत्म हो गई है। सभी 14 आईएसएल क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को लिखित रूप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। इसके साथ ही शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग के 14 फरवरी से शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है।

सभी क्लबों ने दी लिखित मंजूरी – 6 जनवरी को खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने घोषणा की थी कि व्यावसायिक साझेदार की अनुपस्थिति के कारण रुकी हुई आईएसएल 14 फरवरी से शुरू होगी और इसमें सभी 14 क्लब हिस्सा लेंगे। हालांकि, उस समय कुछ क्लबों ने केवल सैद्धांतिक रूप से भागीदारी की सहमति दी थी, लेकिन अब सभी क्लबों ने औपचारिक तौर पर लिखित पुष्टि कर दी है।

नोवाक जोकोविच ने बिना रैकेट चलाए कैसे रचा इतिहास, क्यों हो रही इस टेनिस स्टार के नाम की चर्चा?

नई दिल्ली, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने 2026 की शुरुआत में बिना किसी टूर्नामेंट में खेले ही नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। वे लगातार 1000 हफ्तों तक एटीपी टॉप-40 में बने रहने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। 2006 से अब तक वे कभी भी इस दायरे से बाहर नहीं गए, जो उनकी असाधारण स्थिरता और लॉन्गेविटी को साबित करता है। अब वे ऑस्ट्रेलियन ओपन में 25वें ग्रैंड स्लैम के लक्ष्य के साथ उतरने वाले हैं। टेनिस जगत में फिर एक बार नोवाक जोकोविच ने ऐसा कारनामा किया है जिसका मुकाबला आधुनिक खेल में मिलना मुश्किल है। दिलचस्प यह कि इस रिकॉर्ड के लिए उन्हें 2026 में अब तक रैकेट चलाने तक की जरूरत नहीं पड़ी। जोकोविच ने लगातार 1000 हफ्ते एटीपी टॉप-40 में बने रहकर इतिहास रच दिया है। यह माइलस्टोन अप्रैल 2006 से शुरू हुआ था, जब 19 वर्षीय जोकोविच पहली बार एटीपी टॉप-40 में दाखिल हुए थे। रोलां गैरोस के अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के तुरंत बाद उनकी रैंकिंग चढ़ी और तब से, लगभग 19 साल में, वे एक भी हफ्ता इस क्षेत्र से बाहर नहीं गए। इस दौरान टेनिस में युग बदले, खिलाड़ी बदले, सतहों की तेज़ी और फिजिकल डिमांड्स बढ़ीं, लेकिन जोकोविच की स्थिरता लगातार बनी रही।

नए सीजन में बिना खेले भी सुर्खियों में– 2026 की शुरुआत में जोकोविच ने एडिलेड इंटरनेशनल से हटने का फैसला किया और एटीपी दौरे के शुरुआती टूर्नामेंट नहीं खेले। इसके बावजूद उनका प्रभाव कम नहीं हुआ। जहां ब्रिस्बेन में डेनिल मेदवेदेव और हांगकांग में एलेक्जेंडर बुब्लिक ने खिताब जीते, वहीं 38 वर्षीय जोकोविच एटीपी रैंकिंग में चौथे स्थान पर बने हुए हैं।

राजकोट में निराशाजनक रहा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड, 2020 के बाद नहीं मिली जीत

राजकोट, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है। रविवार को वडोदरा में खेले गए पहले वनडे में भारतीय टीम ने 4 विकेट से जीत हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा वनडे बुधवार को राजकोट में खेला जाना है। इस मैच को जीतकर भारतीय टीम सीरीज पर कब्जा करना चाहेगी, लेकिन राजकोट में पुराना वनडे रिकॉर्ड टीम की चिंता बढ़ा रहा है। भारतीय टीम ने निरंजन शाह स्टेडियम, राजकोट में 4 वनडे मैच खेले हैं। इसमें तीन में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम ने इस स्टेडियम में पहला वनडे 2013 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। इंग्लैंड 9 रन से विजयी रही थी। 2015 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना दूसरा वनडे खेला था। दक्षिण अफ्रीका 18 रन से जीती थी। 2020 में भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के साथ हुआ था। भारतीय टीम इस मैच में 36 रन से विजयी रही थी। इस स्टेडियम में 27 सितंबर 2023 को टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी वनडे खेला था और इसमें उसे 66 रन से हार का सामना करना पड़ा था। 4 मैचों में 3 हार टीम इंडिया की परेशानी बढ़ाने वाली है। तीनों बार भारतीय टीम लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रही, जबकि एकमात्र मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए मिली थी। केन विलियमसन, मैट हेनरी और मिशेल सेंटनर जैसे बड़े खिलाड़ियों के बिना खेल रही न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में भारतीय टीम को कड़ी टक्कर दी थी। विराट कोहली की बल्लेबाजी और कीवी टीम के खराब क्षेत्ररक्षण ने मैच का परिणाम भारतीय टीम के पक्ष में मोड़ा था। इसलिए राजकोट में टीम इंडिया को सावधान रहना होगा। बड़े खिलाड़ियों के नहीं होने के बावजूद न्यूजीलैंड पलटवार करने का पूरा दमखम रखती है। राजकोट वनडे दोपहर 1:30 से खेला जाएगा। टॉस 1 बजे होगा।

वेन रूनी ने मैनचेस्टर यूनाइटेड की कोचिंग टीम में वापसी के दिए संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के दिग्गज फुटबॉलर रहे वेन रूनी ने मैनचेस्टर यूनाइटेड की कोचिंग टीम में वापसी के संकेत दिए हैं। रूनी ने कहा है कि अगर माइकल कैरिक को मौजूदा सीजन के बाकी हिस्से के लिए केयरटेकर मैनेजर बनाया जाता है, तो वह उनके

कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। रूनी ने कहा है कि वह नौकरी के लिए दबाव नहीं बना रहे, लेकिन क्लब की मदद करने का मौका मिला तो पीछे नहीं हटेंगे। दिग्गज फुटबॉलर ने एक पॉडकास्ट में कहा कि मैनचेस्टर यूनाइटेड में नौकरी के लिए मैं भीख नहीं मांग रहा हूं, लेकिन अगर मुझसे पूछा गया तो मैं जरूर मदद करूंगा। इस समय सबसे जरूरी बात सही मैनेजर की नियुक्ति है। माइकल कैरिक इस भूमिका के लिए बेहतर और मजबूत विकल्प हैं। उन्होंने कहा, 'चाहे माइकल कैरिक हों, डैरेन फ्लेचर हों, जॉन ओ 'शिया हों या मैं, क्लब को ऐसे लोगों की जरूरत है जो मैनचेस्टर यूनाइटेड को भीतर से जानते हों। 44 वर्षीय माइकल कैरिक के इस सप्ताह के अंत तक अंतरिम मैनेजर के तौर पर नियुक्त किए जाने की उम्मीद है। उनकी कोचिंग के लिए टीम के साथ बातचीत जारी है।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले दुनिया की सबसे सफल क्रिकेटर का संन्यास का ऐलान

भारत के खिलाफ खेलेंगी आखिरी मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान और आठ वर्ल्ड कप खिताब के साथ अब तक की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक एलिसा हीली फरवरी-मार्च 2026 में भारत के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के बाद क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हीली को 2023 के आखिर में मेग लैनिंग की जगह फुल टाइम कप्तान बनाया गया था। वह भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगी ताकि ऑस्ट्रेलिया साल के आखिर में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयारी शुरू कर सके, लेकिन वह वनडे मैच खेलेंगी और फिर 6-9 मार्च को वाका में होने वाले डे-नाइट मैच में अपने 11वें टेस्ट मैच के साथ अपने करियर का अंत करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली ने संन्यास का ऐलान करते हुआ कहा कि पिछले कुछ महीने मानसिक रूप से बहुत थकाने वाले रहे हैं क्योंकि उन्हें चोटों से जूझना

पड़ा। इस साल के आखिर में इंग्लैंड में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में न खेलने का फैसला करने के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 'सबसे बड़ी सीरीज' में से एक के बाद रिटायर होने का फैसला किया है।

पॉडकास्ट में किया संन्यास का ऐलान– हीली ने विलोटॉक क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा, 'मैं इसे पॉडकास्ट के लिए बचाकर रखना चाहती थी क्योंकि पिछले कुछ समय में यह मेरे लिए काफी मजेदार रहा है जिसका मैं हिस्सा रही हूं। आधिकारिक तौर पर आज जब आप यह सुन रहे हैं तो मैं भारत के खिलाफ सीरीज के आखिर में क्रिकेट से रिटायर हो रही हूं। प्लीज मुझे रुलाओ मत। यह आसान फैसला नहीं था, लेकिन कभी न कभी तो लेना ही था। '

स्टार्क को गोल्फ में हराने के लिए संन्यास

हीली ने मजाक में कहा कि उन्होंने क्रिकेट छोड़ने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनके पति और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने हाल ही में गोल्फ में एक स्ट्रोक में होल किया तो उनको लगा कि उन्हें हराने के लिए इस खेल को फुल टाइम अपनाना होगा। हीली ने आगे मानसिक थकान के बारे में विस्तार से बताया जो हाल ही में उन्हें महसूस हो रही थी।

हीली का करियर

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 15 फरवरी को तीन टी20 मैचों से शुरू होगा। इसके बाद तीन वनडे और फिर पर्थ के वाका में टेस्ट मैच होगा, जो हीली के शानदार करियर का आखिरी मैच होगा। हीली ने अबतक 123 वनडे खेले हैं जिसमें 7 शतक के साथ 3563 रन बनाए हैं और 162 टी20 में एक शतक के साथ 3054 रन बनाए हैं। उन्होंने 10 टेस्ट मैच भी खेले हैं। सबसे खास बात यह है कि वह 2020 टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच थीं, जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था। 2022 वनडे वर्ल्ड कप में भी वह प्लेयर ऑफ द मैच थीं जब उन्होंने इंग्लैंड को हराया था।

वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान सीरीज के लिए घोषित की टी20 टीम

होप की गैरमौजूदगी में इसे मिली कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्वेंटिन सैम्पसन को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है, वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जो 19 से 22 जनवरी तक दुबई में खेली जाएगी। नियमित कप्तान शाई होप की गैरमौजूदगी में ब्रैंडन किंग टीम की कप्तानी करेंगे, जो अपन कमिटमेंट्स के कारण उपलब्ध नहीं हैं। होप उन चार खिलाड़ियों में से एक हैं जो इस कारण से सीरीज से बाहर हैं, उनके साथ रोस्टन चेज, अकील हुसैन और शेरफेन रदरफोर्ड भी हैं। 25 वर्षीय गयाना अमेजन वॉरियर्स के बल्लेबाज सैम्पसन कैरेबियन प्रीमियर लीग

2025 के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक थे, उन्होंने नौ मैचों में 151.57 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाए थे। शमर जोसेफ और एविन लुईस भी टीम में वापस आ गए हैं, पिछली सीरीज में लगी चोटों से उबरने के बाद उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई है। अल्जारी जोसेफ, जो पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण भारत में टेस्ट सीरीज से बाहर थे, उन्हें रिहैबिलिटेशन में प्रगति के बावजूद टीम में शामिल नहीं किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि यह फैसला मेडिकल जांच के बाद एहतियात के तौर पर लिया गया है, तेज गेंदबाज को टी20 विश्व कप के लिए संभावित चयन से पहले निगरानी में रखा जाएगा। वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत रोवमैन पॉवेल को जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड के साथ सीरीज से आराम दिया गया है। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि अफगानिस्तान सीरीज भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मैरी कॉम के धोखाधड़ी के आरोपों पर पूर्व पति ओनलर का पलटवार

कहा- 2013 में दूसरे शख्स के साथ था अफेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने दमदार पंच से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन करने वाली विश्व चैंपियन मुक्केबाज मैरी कॉम इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मैरी कॉम ने हाल ही में अपने पूर्व पति के ओनलर कोम पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। मैरी कॉम द्वारा अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का के ओनलर कोम ने जवाब दिया है। ओनलर ने मैरी कॉम के आरोपों को गलत बताया है। आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में, ओनलर ने मैरी कॉम के लगाए आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि वह शादीशुदा होते हुए दूसरे के साथ रिश्ते में थीं। ओनलर ने दावा किया कि उनकी शादी में दिक्कतें एक दशक से भी ज्यादा पुरानी हैं। मैरी कॉम का पहली बार 2013 में एक जूनियर बॉक्सर के साथ अफेयर था। 2017 से, वह मैरी कॉम बॉक्सिंग एकेडमी से जुड़े एक व्यक्ति के साथ रिलेशनशिप में हैं। मेरे पास सबूत के तौर पर उनके व्हॉट्सएप मैसेज हैं, लेकिन मैं चुप रहा। मुझे उसके आगे बढ़ने पर कोई एतराज नहीं है, लेकिन सबके सामने दोषी ठहराया जाना मुझे कबूल नहीं है।

उन्होंने कहा, 'वह अकेली रहना चाहती थी

और दूसरा रिलेशनशिप चाहती थी। हमारा तलाक हो चुका है। अगर वह दूसरा पति चाहती है तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन मुझे कभी दोष मत देना। अगर उसे मुझे दोष देना है, तो सबूत देना पड़ेगा। मुझे पता है कि वह कहां रहती है और किसके साथ रहती है। 'पैसों की गड़बड़ी के आरोपों पर ओनलर ने कहा कि उनके अभी के रहन-सहन के हालात उन आरोपों को गलत साबित करते हैं कि उनके पास बहुत सारा पैसा है। उसने कहा कि मैंने 5 करोड़ चुराए हैं। मेरा अकाउंट देख लिया जाए। शादी के बाद 18 साल तक हम साथ रहे। अब वह पागल हो गई है। मेरे पास क्या है? मेरा घर देखो। मैं दिल्ली में किराए के घर में रह रहा हूं। वह एक सेलेब है। वह जो भी कहेगी, लोग सुनेंगे। ऑनलर ने कहा कि मैंने अपनी शादी की अंगूठी हटा दी, क्योंकि वह भरोसे के लायक नहीं है। वह लोक अदालत में जा रही है और कह रही है कि मैंने लोन लिया और प्रॉपर्टी चुराई। अगर प्रॉपर्टी मेरे नाम पर है, तो उसके पास सबूत होंगे, है ना? उसे वे सबूत लाने दो, फिर हम बात करेंगे।

SA20 : बोनस पॉइंट जीत से प्रिटोरिया कैपिटल्स टॉप पर पहुंचा

सेंचुरियन , एजेंसी। केप टाउन पर 53 रन की बोनस-पॉइंट जीत के बाद प्रिटोरिया कैपिटल्स पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई, यह उनकी लगातार तीसरी जीत थी। इस हार से एमआई सीटी पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे आ गई और प्लेऑफ में पहुंचने की सभी उम्मीदें खत्म हो गईं। पहले बल्लेबाजी करने उतरी कैपिटल्स ने अच्छी शुरुआत के बावजूद पावरप्ले में सिफ 41 रन बनाए। कॉनर एस्टरहुइजन ने ट्रेंट बोल्ट के दूसरे ओवर में तीन चौके लगाकर शुरुआत की, जबकि शाई होप ने तीसरे ओवर में लिंडे की गेंद पर छक्का लगाया। हालांकि, बाएं हाथ के स्पिनर ने तुरंत वापसी करते हुए अगली ही गेंद पर होप को आउट कर दिया। एस्टरहुइजन अपनी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए और पांचवें ओवर में कगिसो रबाडा की गेंद पर बोल्ड हो गए। पावरप्ले के बाद के तीन ओवर बिना किसी बाउंड्री के शांति से निकल गए। 10वें ओवर में राशिद खान की गेंद पर विहान लुब्बे के छक्के ने गियर बदलने का संकेत दिया, लेकिन वह दो गेंद बाद एक और बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में आउट हो गए। जॉर्डन कॉक्स, जो अपनी पूरी पारी में लय के लिए संघर्ष करते रहे, उन्होंने एक छक्का और एक चौका लगाया, इससे पहले कि 13वें ओवर में रबाडा की यॉर्कर पर बोल्ड हो गए। हालांकि, क्रीज पर डेवाल्ड ब्रेविस और शेरफेन रदरफोर्ड के आने से पारी का रुख बदल गया। ष्ठक्र का इस्तेमाल करके पगबाधा के फैसले को पलटने के बाद

रदरफोर्ड ने 16वें ओवर में बोल्ट को 20 रन मारकर अपना हमला शुरू किया। इसके बाद ब्रेविस ने अपने पार्टनर की नकल की और 17वें ओवर की शुरुआत में रबाडा को दो छक्के जड़े। 18वें ओवर में रदरफोर्ड का दो बार कैच छूटा और उन्होंने एमआईसीटी को इसका खामियाजा भुगतने पर मजबूर किया और अगले ओवर में 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। 19वें ओवर में ब्रेविस और आखिरी गेंद पर रदरफोर्ड के आउट होने के बावजूद कैपिटल्स ने आखिरी पांच ओवरों में 64 रन बनाकर जोरदार फिनिश किया।

ष्ठक्र केप टाउन की पारी की शुरुआत रसी वैन डेर डुसेन ने की, जिन्होंने स्ट्राइक पर हावी रहते हुए तीसरे ओवर में लॉन्ग-ऑन पर आउट होने से पहले एक छक्का और दो चौके लगाए। रीज़ा हेंड्रिक्स ने लिज़ाद विलियम्स को दो चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन हाल ही में शतक लगाने वाले रयान रिकेल्टन कुछ खास नहीं कर पाए और छठे ओवर में आउट हो गए। निकोलस पूरन ने अपनी पारी की शुरुआत एक छक्के और एक चौके से की, जिससे केप टाउन का पावरप्ले स्कोर लगभग 40/2 हो गया, लेकिन वह भी क्रीज पर ज़्यादा देर नहीं टिक पाए और अगले ही ओवर में एक और छक्का लगाने के तुरंत बाद आउट हो गए।

पूरन के विकेट से मिडिल ऑर्डर में बड़ी गिरावट आई और 10वें ओवर के अंत तक एमआईसीटी का स्कोर 46/2 से गिरकर 55/6 हो गया। गिदोन पीटर्स, जिन्होंने पहले रिकेल्टन को आउट किया था, ने उसी ओवर में कॉर्बिन बॉश और करीम जनत दोनों को आउट किया, जबकि केशव महाराज ने लिंडे को आउट किया। हेंड्रिक्स दूसरे छोर पर यह सब देखते रह गए और उनकी 50 गेंदों पर नाबाद 68 रन की पारी एमआईसीटी की लड़खड़ाती हुई चेज को फिर से पटरी पर लाने के लिए काफी नहीं थी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ आरोपी गिरफ्तार

कोईलवर| स्थानीय कोईलवर थाने की पुलिस ने कांड संख्या–10/26 के मामले में कोईलवर थाना मोड़ के पास से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कांड के प्राथमिक अभियुक्त प्रेम सागर को गिरफ्तार किया गया है। वह पटना जिले के बिहटा थाना के महोदई ग्राम निवासी संजय राय का पुत्र है। थानाध्यक्ष नरोतम चंद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने अभियुक्त के पास से एक चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

औपनिषदिक दर्शन के वैश्विक प्रभाव पर की गई चर्चा

आरा। स्वामी विवेकानंद जयंती पर अखिल भारतीय जनसंघ की ओर से फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित कार्यालय में संगोष्ठी हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य डॉ. भारतभूषण पाण्डेय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने आधुनिक विश्व में औपनिषदिक दर्शन का शंखनाद कर भारत के सांस्कृतिक और दार्शनिक गौरव को पुनर्स्थापित किया। उन्होंने कहा कि लंबी परतंत्रता के कारण भारत और हिंदुत्व की प्रतिष्ठा को जो आघात पहुंचा था, उसे स्वामी विवेकानंद ने अपने विचारों और कर्मों से दूर किया। आचार्य भारतभूषण ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने उपनिषदों के सार तत्व और आदि शंकराचार्य की वेदांत परंपरा का प्रभावी प्रचार कर विश्व को मानवता, स्वतंत्रता और आध्यात्मिकता का नया मार्ग दिखाया। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, संस्कृति, सेवा, शक्ति और अध्यात्म को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष मधेश्वर नाथ पांडेय ने युवाओं से नशा, अश्लील मनोरंजन और समाज-विरोधी तत्वों से दूर रहकर स्वाध्याय व कठोर परिश्रम करने की अपील की। राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य अधिवक्ता सत्येन्द्र नारायण सिंह ने कहा कि जनसंघ स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का संवाहक है। कार्यक्रम का संचालन रामप्रकाश पाण्डेय ने किया, स्वागत अजय कुमार पाठक और धन्यवाद ज्ञापन वीरेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव ने किया। मौके पर विश्वनाथ दूबे व अन्य विचार रखे।

ऋण वसूलीः 19 से 24 तक लगेगा विशेष कैंप

बक्सर| जिले में मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना,एमएमडीएफसी टर्म लोन योजना तथा मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक शिक्षा ऋण योजना के अंतर्गत वितरित ऋण की वसूली को गति देने के उद्देश्य से विशेष ऋण वसूली कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप बक्सर स्थित जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में 19 से 24 तक संचालित होगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि कैंप का उद्देश्य ऋण वापसी के लिए सुविधा उपलब्ध कराना, समय पर भुगतान के लिए प्रेरित करना है।

वेतन लंबित, थर्मल पावर प्लांट के मजदूरों का कार्य बहिष्कार

बक्सर। सतलुज थर्मल पावर लिमिटेड (एसटीपीएल), चौसा में कार्यरत मजदूरों ने चार माह से लंबित वेतन भुगतान नहीं होने के विरोध में कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया है। यह निर्णय शनिवार 10 जनवरी को अखौरीपुर गोला स्थित कॉलोनी में आयोजित बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता विद्युत मजदूर कांग्रेस (इंटक) के अध्यक्ष अमरनाथ पाण्डेय ने की। बैठक में मजदूरों ने बताया कि एसटीपीएल के अधीनस्थ ठेकेदार पावर मेक द्वारा पिछले चार महीनों से मजदूरों का वेतन भुगतान नहीं किया गया है। मजदूरों के अनुसार 25 दिसंबर 2025 को एसटीपीएल के निर्देश पर पावर मेक द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि किसी भी परिस्थिति में 10 जनवरी 2026 तक लंबित वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा। हालांकि तय तिथि तक, सायंकाल तक भी वेतन का भुगतान नहीं हो सका, जिससे मजदूरों में भारी रोष है। इस स्थिति को देखते हुए सभी मजदूरों ने कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया, जिसे विद्युत मजदूर कांग्रेस (इंटक) ने भी समर्थन दिया है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्य बहिष्कार पूर्णतः शांतिपूर्ण होगा। धरना, प्रदर्शन या तोड़फोड़ नहीं की जाएगी। मजदूर अपने-अपने कॉलोनियों में शांतिपूर्ण ढंग से बैठक कर विरोध दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि मजदूर लंबे समय से आर्थिक तंगी झेल रहे हैं और वेतन न मिलने के कारण उनके समक्ष गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं।

विवेकानंद ने मानवता को किया प्रभावित

आरा। राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में उच्च माध्यमिक विद्यालय इजरी सह मध्य विद्यालय सलेमपुर में भारतीय दर्शन संस्कृति सभ्यता एवं धर्म आध्यात्म के प्रणेता स्वामी विवेकानंद की याद में कार्यक्रम हुआ। अध्यक्षता करते प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा, कि भारत की आबादी का 40% युवा है। सही मायने में युवा विवेकानंद जी के बताए गए रास्ते पर चलकर अनुशासित, ईमानदार, कर्तव्य निष्ठ, चरित्रवान एवं भारतीय संस्कृति सभ्यता के अनुरूप आगे बढ़ने हमारा देश निश्चित वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनेगा। भारती कुमारी ने कहा, स्वामी विवेकानंद ने मात्रा 39 उम्र में अमूल्य विचारों से पूरी मानवता को प्रभावित करने का काम किया। उनके द्वारा बताया गया मूल मंत्र है। उठो जागो एवं तब तक अपने कर्तव्य पथ पर निष्ठा से लगे रहो, जब तक अपने लक्ष्य को प्राप्त न कर लो। संगीत शिक्षक डॉ. लाल बाबू निराला ने कहा, विवेकानंद जी अपनी मातृभाषा के साथ दूसरों की मातृभाषा का कद्र करते थे। शिक्षिका प्रियंका कुमारी ने कहा कि विवेकानंद जी एक चरित्रवान, ज्ञानवान शिखर पुरुष थे। अपने अल्प जीवन काल में मानवता के प्रति जिस करुणा,सहानुभूति का प्रदर्शन किया और अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस के सम्मान में राम कृष्ण मिशन एवं कई मठों का निर्माण किया। शिक्षक संजय उपाध्याय ने गीत गाकर स्वामी जी को याद किया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के गणेश, पूजा, शोभा, वीर प्रताप, राजेश, परवेज, श्वेता, सविता, अमृता, विकास, वीरेन्द्र, जितेन्द्र, शाहिद, अफरोज और अन्य थे।

सांसद सुदामा ने अधिकारी को दिए कार्रवाई के आदेश

आरा। आरा स्थित भाकपा (माले) के पार्टी कार्यालय में आज सांसद सुदामा प्रसाद ने जनता दरबार लगाया। जनता दरबार में भोजपुर के विभिन्न इलाकों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं सांसद के सामने रखीं। इनमें जमीन विवाद, पुलिस से जुड़ी शिकायतें, राशन-पेंशन, मनरेगा, बिजली और स्थानीय प्रशासन से संबंधित मामले प्रमुख रहे। सांसद सुदामा प्रसाद ने कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया, जबकि कुछ गंभीर मामलों में संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर उन्हें कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता दरबार के माध्यम से आम लोगों की समस्याएं सीधे सुनी जा रही हैं और उनका समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है। सांसद सुदामा प्रसाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा पर भी तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि जब भी सरकार संकट में होती है, तब मुख्यमंत्री यात्रा पर निकल जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में अपराध चरम पर है, किसान परेशान हैं और सरकार जमीन पर समस्याओं का समाधान करने के बजाय यात्रा और प्रचार में व्यस्त है। सुदामा प्रसाद ने कहा कि समृद्धि यात्रा सिर्फ दिखावे की है, जबकि आम जनता बेरोजगारी, महंगाई और अपराध से जूझ रही है। उन्होंने सरकार से जनता की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान देने की मांग की। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बिहार यात्रा पर आरा के सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि जब भी ये संकट में पड़ते है, तो जनसमर्थन दिखाने के लिए यात्रा पर निकलते है। यह कैसी यात्रा है,चारों तरफ अपराधियों का बोल बाला है। ऐसा लग रहा है कि सरकार का इकबाल खत्म हो गया है। बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। बिहार में किसी लड़की के साथ गैंगरेप हो रहा है। कही व्यापारियों से पैसा छीना जा रहा है। दिनदहाड़े अपहरण हो रहा है। सम्राट चौधरी बोल रहे है कि पाताल से अपराधियों को खोजकर निकाल देंगे। बिहार में अपराधी सरकार के आंख के सामने है। सम्राट चौधरी को आकाश–पाताल में जाने की जरूरत नहीं है। आप धरती पर ही तलाश सकते है। डबल इंजन की सरकार गाल बजाने में माहिर है। अपने हाथों से ही अपनी पीठ थपथपाते है। ये NDA सरकार की विकास का कानून राज का ढोल फट चुका है। उसमें बहुत भद्दी आवाज निकल रही है। नीतीश कुमार के इस यात्रा का कोई तुक नहीं है। किसान मर रहे है। धानों की खरीदारी नहीं हो रही है। 1700 रुपये क्विंटल धान को कोई नहीं पूछ रहा है। समर्थन मूल 2368 रुपये, उत्तरदाहा गांव के किसानों का धान सड़ गया है। बिहार की जनता से कोई मतलब नहीं है। यह सिर्फ दिखावा का यात्रा है।

प्रशासन मकर संक्रांति 2026 को लेकर पूरी तरह सतर्क

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में मकर संक्रांति पर्व 2026 को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिला दंडाधिकारी श्रीमती साहिला और पुलिस अधीक्षक श्री शुभम आर्य ने संयुक्त आदेश जारी कर सभी संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं। यह आदेश 14 और 15 जनवरी 2026 को प्रभावी रहेगा। मकर संक्रांति के अवसर पर सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल अपने-अपने क्षेत्र में समय पर उपस्थित रहकर पूरी सतर्कता बरतेंगे। किसी भी प्रकार की विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने पर वे तत्काल संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को सूचित करेंगे और स्वयं भी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

गंगा स्नान को लेकर सुरक्षा कड़ीः गंगा स्नान को लेकर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मॉडल थाना, मुफस्सिल थाना, औद्योगिक थाना,

सिमरी और नैनीजोर थाना के थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया है कि श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करें। साथ ही, वे लगातार गश्ती कराते हुए स्वयं भी भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करेंगे। अंचलाधिकारी चौसा, बक्सर, सिमरी और ब्रह्मपुर को संबंधित थानाध्यक्षों के साथ संयुक्त रूप से भ्रमणशील रहते हुए आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। महत्वपूर्ण गंगा घाटों और अन्य नदियों के घाटों पर, जहां श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ होती है, अनुमंडल पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। इसकी सूचना जिला गोपनीय शाखा को उपलब्ध कराई जाएगी।

घाटों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देशः नगर निकाय के कार्यपालक पदाधिकारियों को चिह्नित गंगा घाटों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने, खतरनाक घाटों को चिह्नित कर वहां चेतावनी बोर्ड लगाने तथा भीड़ वाले घाटों पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। नियंत्रण कक्षों में कर्मियों की तैनाती के साथ उद्घोषणा के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को समय-समय पर आवश्यक सूचना दी जा सके। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने की जिम्मेदारी अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर और पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) को सौंपी गई है, ताकि किसी प्रकार का जाम या अव्यवस्था उत्पन्न न हो। इसके अतिरिक्त, जिला अग्निशमन पदाधिकारी को अग्निशमन वाहनों को चालू अवस्था में रखने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन ने लोगों से की सहयोग करने की अपीलः साइबर थाना पुलिस एवं प्रशासन सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखेगा और आपत्तिजनक सामग्री पर तत्काल कार्रवाई होगी।

मकर संक्रांति पर विशेष यातायात व्यवस्था

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर जिला प्रशासन और पुलिस ने मकर संक्रांति गंगा स्नान पर्व-2026 के लिए विशेष यातायात निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश 14 जनवरी 2026 को सुबह 2 बजे से शाम 4 बजे तक प्रभावी रहेंगे। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के दौरान शहर में सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखना है। पुलिस प्रशासन के अनुसार, गंगा स्नान के दौरान भीड़ नियंत्रण और दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण या आंशिक प्रतिबंध लगाया गया है। ज्योति चौक से थाना चौक मार्ग पर केवल दोपहिया वाहनों को अनुमति दी जाएगी। थाना चौक से नाथ बाबा पुल, रामरेखा घाट, पीपी रोड, पुराना सदर अस्पताल, मुनीम चौक, यमुना चौक, ठठेरी बाजार, सिंडिकेट और मठिया पुल सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर चारपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारितः चारपहिया वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। इनमें गोलंबर से सिंडिकेट, बाइपास, ज्योति चौक, आईटीआई रोड, मठिया मोड़ होते हुए दानी कुटिया मार्ग शामिल है। दूसरा विकल्प गोलंबर से सिंडिकेट, ज्योति चौक, अंबेडकर चौक होते हुए इटाढी गुमटी मार्ग है। ई-रिक्शा, ऑटो रिक्शा और मोटरसाइकिल के लिए भी अलग-अलग रूट तय किए गए हैं ताकि स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिल सके। छोटे वाहनों को गोलंबर से सिंडिकेट, बाइपास, ज्योति चौक, स्टेशन मार्ग तथा ज्योति चौक से आईटीआई रोड, नाथ बाबा, नहर के रास्ते पुनः ज्योति चौक तक जाने की अनुमति होगी।

लग्जरी कार से 2 लाख की शराब बरामद

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले में मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर जिले में लगातार छापेमारी और वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान सोमवार को टीम ने लग्जरी कार से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की है। मौके से चार तस्करों की गिरफ्तारी हुई है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए है। विभाग के सहायक आयुक्त रजनीश को गुप्त सूचना मिली थी कि दिल्ली की ओर से एक कार में शराब लाई जा रही है। डिलीवरी में समस्तीपुर में होनी थी। सूचना के आधार पर निरीक्षक प्रकाश चंद्र के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। इसके बाद वाहन चेकिंग के दौरान बक्सर-पटना फोरलेन पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर ओवरब्रिज के पास संदिग्ध कार को रोका गया।

दिल्ली और पंजाब का तस्कर गिरफ्तारः जांच के दौरान कार में बने गुप्त तहखाने से अलग-अलग ब्रांड की कुल 240 बोतल(134.280 लीटर) शराब बरामद की गई। कार पर कोई निबंधन संख्या अंकित नहीं था। मौके से दिल्ली के शकुरपुर निवासी चालक परवेश कुमार, पंजाब के लुधियाना निवासी मनीष शर्मा, दिल्ली निवासी जय किशन और राहुल कुमार को गिरफ्तार किया गया।

कार्रवाई आगे भी जारी रहेगीः प्रारंभिक जांच में शराब को दिल्ली से समस्तीपुर ले जाने की पुष्टि हुई है। छापेमारी दल में निरीक्षक प्रकाश चंद्र के अलावा अवर निरीक्षक शिवम कुमार झा, सहायक अवर निरीक्षक रवि कुमार, सहायक अवर निरीक्षक राजकुमार राजा के साथ मद्य निषेध सिपाही, सैप और होमगार्ड के जवान शामिल थे।

महिला कॉलेज और त्रिदंडी देव राजकीय डिग्री महाविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

निज संवाददाता। आरा

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय सहित इसके अंतर्गत कॉलेजों में राष्ट्रीय युवा दिवस मना। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा संगोष्ठी एवं भाषण प्रतियोगिता कराया गया। ''विकसित भारत में युवाओं की भूमिका '' इस विषय पर छात्र एवं छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विकास कुमार, द्वितीय स्थान हरीश एवं तृतीय स्थान पर शुभम कुमार को मिला। मुख्य वक्ता एवं निर्णायक मण्डल डा. पूर्ति माहौर ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन के बारे में युवाओं को बताया। एनएसएस समन्वयक डा. साधना रावत ने स्वामी विवेकानंद से जुड़ी हुई प्रेरणादायक कहानी साझा की। मौके पर एचडी जैन कालेज के डा. गुलनवाज, जगजीवन कालेज के कार्यक्रम पदाधिकारी डा. जूली कुमारी उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन डा. अंकिता मिश्रा ने किया। जवनिया ग्राम में बाढ़ आपदा में सहायता कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र दिया गया। कार्यक्रम में संजय, वैभव, अंजलि कुमारी, राजनन्दिनी, रिपु कुमारी, सोनू गोंड, निशान्त और आकाश सहित अन्य की भूमिका रही। इधर, स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग में भी राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानन्द जयंती मनाया गया। संचालन डॉ. चिंटू ने किया। मुख्य वक्ता एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल श्रीवास्तव ने इस अवसर पर सहयोग, सामंजस्य, आपसी आदर, विश्व शांति एवं सर्व धर्म सद्भावना की बात कही। उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम् का उनका नारा हमेशा के लिए प्रासंगिक है। मौके पर डॉ. लक्ष्मी और डॉ. शैलजा ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अमल लाने की बात कही। धन्यवाद ज्ञापन शोधार्थी विनोद कुमार यादव ने किया। एमएम महिला कॉलेज, आरा की एनएसएस इकाई- वन एवं टू द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. नरेंद्र पालित ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। स्वागत भाषण और विषय प्रवेश एनएसएस यूनिट 2 की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. सुधा निकेतन रंजनी ने किया। उन्होंने राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने के प्रयोजन पर बात रखते हुए स्वामी विवेकानंद से जुड़ी हुई प्रेरणादायक कहानी साझा की। इसके बाद पूर्व प्राचार्या एवं वनस्पति विज्ञान की विभागाध्यक्ष प्रो. मीना कुमारी ने छात्राओं को नरेंद्रनाथ दत्त के स्वामी विवेकानन्द बनने तक के संघर्षपूर्ण एवं प्रेरणादायी सफर का विस्तार से वर्णन किया। ईकाई वन की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. स्मृति चौधरी ने अपने बचपन की स्मृतियों को साझा करते हुए बताया कि विवेकानंद की जन्मभूमि बंगाल में बच्चे विवेकानंद जी की सीखों और उनके दर्शन की क्षत्रछाया में ही बड़े होते है। मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस की छात्रा कौशिकी ने किया। दर्शनशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. स्मिता कुमारी, प्राकृत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी शिल्पा एवं समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.अनामिका ने स्वामी विवेकानंद जी पर वक्तव्य दिया। त्रिदंडी देव राजकीय डिग्री महाविद्यालय, गौतम नगर,शाहपुर में स्वामी विवेकानंद के जयंती पर "राष्ट्रीय युवा दिवस" मनाया गया। शुभारंभ प्राचार्य डॉ. गुलाब फलाहारी ने स्वामी विवेकानंद के तैल चित्र पर मालार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

2 साइबर ठग गिरफ्तार, मुख्य सरगना फरार

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले में अवैध ऑनलाइन गेमिंग और साइबर ठगी से जुड़े एक बड़े संगठित गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। साइबर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन गेमिंग के जरिए लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान पिपरपांती निवासी आयुष श्रीवास्तव और शाहपुर थाना क्षेत्र के कनैली गांव निवासी मोहित कुमार पांडेय के तौर पर हुई है। ऑनलाइन गेमिंग से प्रतिदिन 12 लाख रुपए की ठगी की जा रही थी। इस रैकेट का मुख्य सरगना मृत्युंजय पांडेय सहित तीन से चार अन्य आरोपी फरार है।

सख्ती से पूछताछ में हुआ खुलासाः साइबर डीएसपी स्नेह सेतू ने बताया कि आयुष श्रीवास्तव और मृत्युंजय पांडेय इस गिरोह के मास्टरमाइंड थे, जो मिलकर पूरे नेटवर्क का संचालन कर रहे थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से नौ मोबाइल, तीन बैंक पासबुक और दो लैपटॉप बरामद किए हैं। इस मामले में दरोगा गांधी नाथ पाठक के बयान पर साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। गुप्त सूचना के आधार पर शाहपुर पुलिस ने कनैली गांव स्थित मृत्युंजय कुमार पांडेय के घर छापेमारी की। इस दौरान आयुष श्रीवास्तव और मोहित कुमार पांडेय को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान साइबर अपराध से जुड़े ठोस साक्ष्य मिलने के बाद दोनों को बरामद सामग्री के साथ साइबर थाना, आरा लाया गया। बाद में न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

यूपीआई और नेट बैंकिंग के जरिए रुपए भेजे जाते थेः साइबर डीएसपी स्नेह सेतू ने बताया कि पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी अवैध रूप से ऑनलाइन गेम के जरिए लोगों से पैसा लगवाते थे। प्रतिदिन करीब 11 से 12 लाख रुपए बैंक खातों के माध्यम से गेमिंग एप में मंगवाए जाते थे। गेम जीतने के नाम पर प्रतिदिन चार से पांच लाख रुपए यूपीआई और नेट बैंकिंग के जरिए खिलाड़ियों को भेजे जाते थे। इस तरह बड़े पैमाने पर अवैध लेन-देन कर गिरोह मुनाफा कमा रहा था। तकनीकी जांच में यह भी सामने आया है कि अलग-अलग लोगों के बैंक खातों का उपयोग कर ट्रांजेक्शन किया जा रहा था। जो खिलाड़ी अधिक रकम जीत लेता था, उसे तत्काल ब्लॉक कर दिया जाता था, ताकि गिरोह को नुकसान न हो। खिलाड़ियों को लंबे समय तक जोड़े रखने के लिए शुरुआत में कुछ रुपए जीतने के बाद दी जाती थी।

किसान रजिस्ट्रेशन में बक्सर जिला राज्यभर में तीसरे स्थान पर

निज संवाददाता। बक्सर

किसान रजिस्ट्रेशन को लेकर बक्सर जिला में सभी प्रखंडों के अंचलों में कैंप मोड में कार्य तेजी से किया जा रहा है। अब तक हुए किसान निबंधन के आधार पर बक्सर जिला पूरे राज्य में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जो जिले के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा सभी अंचलों को निर्धारित लक्ष्य सौंपा गया था, जिसमें लगभग सभी अंचलों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए तय लक्ष्य के अनुरूप कार्य किया है। अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि किसान रजिस्ट्रेशन सरकार की एक महत्वपूर्ण डिजिटल प्रक्रिया है। इसके माध्यम से किसानों की व्यक्तिगत जानकारी, खात-खतौनी, बोई गई फसल और बैंक खाते का विवरण एक यूनिक डिजिटल पहचान, यानी किसान आईडी के तहत दर्ज किया जाता है। इसका उद्देश्य यह है कि किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, खाद सब्सिडी और अन्य कृषि योजनाओं का लाभ बिना किसी बिचौलिए के सीधे उनके बैंक खाते में मिल सके। इस प्रणाली से पारदर्शिता बढ़ती है और किसानों को योजनाओं का सीधा लाभ मिलता है। किसान निबंधन से मिलेगी डिजिटल पहचान एसडीएम ने बताया कि किसान रजिस्ट्रेशन से किसानों को एक डिजिटल पहचान मिलती है, जिसके जरिए उन्हें सभी कृषि योजनाओं से जोड़ा जा सकता है। एकीकृत डेटाबेस में किसान का नाम, आधार संख्या, मोबाइल नंबर, खेत का विवरण और फसल की जानकारी एक ही स्थान पर दर्ज होती है। किसानों को अलग-अलग योजनाओं के लिए बार-बार दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं पड़ती और धोखाधड़ी पर भी प्रभावी रोक लगती है। जारी आंकड़ों में कार्य जिला प्रशासन से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, राजपुर अंचल को 26,204 किसानों का एफआर (फार्मर रजिस्ट्रेशन) लक्ष्य दिया गया था, जिसमें अब तक 17,443 किसानों का ई-केवाईसी पूरा कर लिया गया है। इसी तरह ब्रह्मपुर में 17,844 के लक्ष्य के विरुद्ध 11,884, चौसा में 7,994 में से 5,340, सिमरी में 20,713 में से 13,974, बक्सर अंचल में 12,953 में से 8,786 तथा डुमरांव में 9,117 के लक्ष्य के विरुद्ध 6,186 किसानों का ई-केवाईसी पूर्ण किया गया है। इसी क्रम में इटाढ़ी अंचल में 28,556 के लक्ष्य के विरुद्ध 19,580, नावानगर में 23,113 में से 16,181, चक्की में 2,536 में से 1,988, चौगाई में 3,417 में से 2,797 और केसठ अंचल में 3,451 के लक्ष्य के विरुद्ध 1,911 किसानों का ई-केवाईसी अब तक पूरा किया जा चुका है। प्रशासन का कहना है कि शेष किसानों का रजिस्ट्रेशन भी तेजी से किया जा रहा है।

मकर संक्रांतिः वर्ष का पहला गंगा स्नान 15 को, लाखों लगाएंगे डुबकी

निज संवाददाता। बक्सर

अध्यात्मिक नगरी बक्सर को मेला का भी शहर कहा जाता है। इस वर्ष का पहला मां गंगा नदी में स्नान 15 जनवरी को मकर संक्राति को होगी। हालांकि परंपरा के अनुसार 14 जनवरी को मकर संक्रांति का त्यौहार मनाया जाता है, लेकिन इस बार यह त्यौहार 15 जनवरी को मनाया जाएगा। 18 जनवरी को मौनी अमावस्या पर्व मनाया जाएगा। इन दोनों पर्व पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाने के लिए आते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की भीड़ और वाहनों के बढ़ते दबाव के चलते शहर के प्रमुख मार्गों में जाम की स्थिति बन जाती है। हालांकि जिला प्रशासन के द्वारा मकर संक्रांति व मौनी अमवास्या के स्नान को लेकर श्रद्धालुओं को परेशानी न हो इसको लेकर पुरी तैयारी कर ली है। मकर संक्रांति के दिन शहर में सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही वाहनों के पार्किंग स्थल भी बनाए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को मां गंगा नदी के तट पर रामरेखा घाट समेत अन्य घाटों पर पहुंचने में कोई परेशानी न हो। शहर में जाम न लगे इसको लेकर एसपी कार्यालय के द्वारा रूट चार्ट का निर्धारण कर दिया गया है। 14 जनवरी को सुबह 2 बजे से रात्री 10 बजे तक शहर में सभी प्रकार के वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी। इसके साथ ही कई रूट पर आंशिक रूप से वाहनों के परिचालन पर रोक लगाई गई है। जिसके अनुसार ज्योति चौक से थाना चौक तक केवल 2 पहिया वाहन आवगमन कर सकेंगे। थाना चौक से नाथ बाबा पुल, थाना चौक से रामरेखा घाट - पीपी रोड़- पुराना सदर अस्पताल, मुनिम चौक - ठठेरी बाजार - थाना चौक, सिंडिकेट-जमुना चौक-थाना चौक, मठीया पुल-मुनिम चौक पर वाहनों का परिचालन पुरी तरह बंद रहेगा। हालांकि इस बार 15 जनवरी को मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाएगा तो 15 जनवरी को भी इसी रूट चार्ट के अनुसार वाहनों का परिचालन होगा। ज्योति चौक से होकर जाएंगे 4 पहिया वाहन हल्के 4 पहिया वाहन गोलम्बर से सिंडिकेट बाईपास -ज्योति चौक -आई०टी०आई० रोड, मठिया मोड़ से दानी कुटिया की ओर निकलेंगे। वहीं गोलम्बर, ज्योति चौक, अम्बेडकर चौक इटाढ़ी गुमटी की ओर निकलेंगे। ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा के लिए 3 रूट बनाए गए हैं। गोलम्बर से सिंडिकेट बाईपास होते हुए ज्योति चौक से रेलवे स्टेशन की ओर जाएंगे। गोलबंर -सिंडिकेट -ज्योतिचौक-आईईटीआई रोड़ - नाथ बाबा नहर के रास्ते ज्योति चौक, वहीं ज्योति चौक अम्बेडकर चौक बाजार समिति नई बाजार मठिया मोड़ से होकर जाएंगे। श्रद्धालुओं को परेशानी ना हो, इसको लेकर जिला प्रशासन के द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। 14 व 15 जनवरी को मकर संक्रांति के दिन भारी संख्या में श्रद्धालुओं को बक्सर पहुंचने की संभावना है।